रांची, रविवार
21.04.2024
वर्ष : 9, अंक : 140 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.com | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राज्य में बढ़ती गर्मी के कारण अब 11.30 बजे तक ही चलेंगी आठवीं तक की कक्षाएं

रांची। राज्य में भीषण गर्मी को देखते स्कूलों में कक्षाओं का समय सरकार ने निर्धारित कर दिया है। इस संबंध में शनिवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी, सहायता प्राप्त-गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी स्कूलों में केजी से लेकर आठवीं तक की कक्षाएं सुबह सात बजे से 11:30 बजे तक ही चलेंगी। कक्षा नौ एवं इससे ऊपर की कक्षाएं सात बजे से 12:00 बजे तक ही संचालित की जाएंगी। इस अवधि में प्रार्थना सभा या खेलकूद एवं अन्य गतिविधियां धूप में संचालित नहीं की जाएंगी। हालांकि, मिड डे मील का संचालन जारी रहेगा। इस अवधि में बच्चों की पढ़ाई में होने वाली क्षति की भरपाई के संबंध में अलग से फैसला लेते हुए संसूचित किया जायेगा। जारी आदेश 22 अप्रैल से अगले आदेश तक जारी रहेगा। यह आदेश शनिवार को सरकार के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह ने जारी किया है।

कांग्रेस ने ओडिशा से तीन,पश्चिम बंगाल से एक लोकसभा सीट के उम्मीदवार किए घोषित

नई दिल्ली : कांग्रेस ने ओडिशा से लोकसभा के लिए तीन तथा पश्चिम बंगाल से एक सीट का उम्मीदवार आज घोषित किया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन सभी सीटों के उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है। उन्होंने बताया की ओडिशा की क्योंझर (एसटी) सीट से विनोद बिहारी नायक को पूर्व में घोषित प्रत्याशी मोहन हम्ब्राम की जगह नया उम्मीदवार बनाया गया है जबकि राज्य की संबलपुर सीट से दुलालचंद प्रधान तथा अस्का से देवोकांत शर्मा को प्रत्याशी घोषित किया गया है। कांग्रेस नेता ने बताया कि पार्टी ने पश्चिम बंगाल की कांथी सीट से सुश्री उर्वशी भट्टाचार्य को टिकट दिया है। इसके साथ ही पार्टी ने ओडिशा विधानसभा की 16 सीटों के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

धनखड़ ने दी महावीर जयंती की शुभकामनाएं

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दी है। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने शनिवार को यहां बताया कि महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर श्री धनखड़ ने देशवासियों के नाम एक संदेश जारी किया है और महावीर जयंती की शुभकामनाएं दी है।

लोकसभा चुनाव को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी

कर्नाटक सरकार खतरनाक मानसिकता को बढ़ावा दे रही है: पीएम नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

बेंगलुरुः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक और राज्य की राजधानी बेंगलुरु में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुये कांग्रेस सरकार पर खतरनाक मानसिकता को बढ़ावा देने का शनिवार को आरोप लगाया।

श्री मोदी ने यहां चुनावी सभा को संबोधित करते हुये हुबली में एमसीए की छात्रा नेहा हिरेमथ की बर्बर हत्या और रामेश्वरम कैफे विस्फोट सहित कई खतरनाक घटनाओं का हवाला दिया गया और राज्य सरकार पर खतरनाक मानसिकता को बढ़ावा देने के लिये जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, यहां कांग्रेस सरकार जिस तरह के विचारों और मानसिकता को बढ़ावा दे रही है, वह बहुत खतरनाक है। यहां हमारी बेटियों पर हमले हो रहे हैं, बाजार में बम गिराये जा रहे हैं। भजन-कीर्तन करने पर हमले हो रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले प्रशासन के तहत बढ़ती उथल-पुथल के सबूत के रूप में महिलाओं पर हाल के हमलों, बाजारों में बमबारी और धार्मिक समारोहों के दौरान हमलों की ओर इशारा करते हुये स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

श्री मोदी ने बेंगलुरु और कर्नाटक के निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह करते हुये अपील की कि वे कांग्रेस से बहुत सतर्क रहें। उन्होंने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर उन्हें झूठे आरोपों से निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक समूह उनकी प्रतिष्ठा खराब करने के लिये गलत सूचना फैला रहा है।

प्रधानमंत्री ने देश के विकास पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुये कहा कि उनका लक्ष्य भारत को प्रगति और सुधार के साथ 21वीं सदी में ले जाना है। श्री मोदी ने विपक्ष की चुनाव प्रचार रणनीति पर निशाना साधते हुये उन पर पुरानी रणनीतियों को दोबारा इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, इस चुनाव में इंडिया गठबंधन और उसके सहयोगी एक पुराना रिकॉर्ड बजा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि उनकी पार्टी और सहयोगी अपने प्रदर्शन और उपलब्धियों के आधार पर लोगों का आशीर्वाद लें। उन्होंने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला और उस पर बेंगलुरु के विकास की उपेक्षा करने और केवल भ्रष्टाचार पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया। श्री मोदी ने केंद्र सरकार के नेतृत्व में की गयी विकासात्मक प्रगति पर जोर दिया, विशेष रूप से नम्मा मेट्रो नेटवर्क के विस्तार पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने बेंगलुरु को टैक्स सिटी से टैंकर सिटी में बदल दिया है। बजट को कृषि से शहरी बुनियादी ढांचे की ओर मोड़ा जा रहा है, ऐसा लगता है कि कांग्रेस शहर के मुद्दों को संबोधित करने की तुलना में भ्रष्टाचार के बारे में अधिक चिंतित है। प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु के बुनियादी ढांचे में हुयी प्रगति पर प्रकाश डालते हुये नम्मा मेट्रो नेटवर्क की वृद्धि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 2014 में, नम्मा मेट्रो नेटवर्क केवल 17 किमी तक फैला था। आज, यह 70 किमी से अधिक तक विस्तारित हो गया है, जो केंद्र सरकार की पहल के तहत शहरी परिवहन में तेजी से प्रगति को दशार्ता है।

उन्होंने बेंगलुरु की युवा शक्ति और युवा प्रतिभा की पावरहाउस के रूप में सराहना की और कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर तकनीक विरोधी होने का आरोप लगाया।

संविधान खत्म हुआ तो गरीबों से सब कुछ छिन जाएगा: राहुल

एजेंसी

नयी दिल्लीः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान खत्म करना चाहती है और अगर ऐसा हुआ तो गरीबों से सब कुछ छिन जाएगा।

श्री गांधी ने कहा, आज देश में लोकतंत्र तथा संविधान को बचाने का चुनाव है। एक तरफ कांग्रेस तथा विपक्षी दलों का इंडिया समूह है जो देश का संविधान और लोकतंत्र बचाने में लगा है तो दूसरी तरफ आरएसएस-भाजपा की विचारधारा है जो संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोगों से वादे किए थे वह पूरे नहीं किए। श्री गांधी ने कहा कि भाजपा शासन में बेरोजगारी चरम पर है और महंगाई आसमान छू रही है इसलिए 400 सीट जीतने की बात करने वाली भाजपा महज 150 सीटों में सिमटकर रह जाएगी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि आज हिंदुस्तान में 22 ऐसे लोग हैं जिनके पास उतना ही धन है जितना 70 करोड़ हिंदुस्तानियों के पास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता का ध्यान भटकाकर देश का सारा धन अंबानी-अडानी को दे रहे हैं। श्री मोदी ने जितना पैसा अरबपतियों को दिया उतना ही पैसा इंडिया समूह गरीबों को देने जा रहा है। इंडिया समूह की सरकार बनने पर प्रत्येक गरीब परिवार की एक महिला को हर महीने साढ़े आठ हजार रुपये दिए जाएंगे।

श्री गांधी बेरोजगारी की चर्चा करते हुए कहा, आज युवा बेरोजगार हैं और श्री मोदी ने हिंदुस्तान को बेरोजगारी का केंद्र बना दिया है। नोटबंदी और जीएसटी ने रोजगार देने वाले व्यवसायों को खत्म कर दिया, जिससे आज हिंदुस्तान में रोजगार पैदा नहीं हो रहे। कांग्रेस का वादा है कि सरकार बनने पर युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार दिया जाएगा जिसमें युवाओं को प्रशिक्षण मिलेगा और साल में एक लाख रुपए दिए जाएंगे। केंद्र में खाली पड़े 30 लाख सरकारी पदों को भरा जाएगा। इसके अलावा पेपर लीक रोकने के लिए कानून भी बनाया जाएगा और अग्निवीर योजना को रद्द किया जाएगा।

न्याय उलगुलान महारैली आज, मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने तैयारियों का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के प्रभात तारा मैदान में रविवार को न्याय उलगुलान महारैली को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन न्याय उलगुलान महारैली की तैयारियों का जायजा लेने खुद प्रभात तारा मैदान पहुंचे।

इस बीच मुख्यमंत्री पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम लोग केंद्र सरकार के नीतियों का पोल खोलने का काम करेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर जनता में काफी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि जनता लोकसभा चुनाव में इसका जवाब देगी। मंहगाई, बरोजगारी बड़ा मुद्दा है। झारखंड में 14 सीटों पर गठबंधन विजयी होगा। मौके पर झामुमो के सुप्रियो भट्टाचार्य, कांग्रेस से राकेश सिन्हा, राजद से कैलाश यादव, माले नदीम खान, आबिद खान सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

झामुमो की ओर से आयोजित इस उलगुलान महारैली में इंडी गठबंधन के कई दिग्गज नेता भी शामिल होंगे। इनमें मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू यादव, तेजस्वी यादव, फारूख

उलगुलान न्याय महारैली में आने वाले वाहनों के रुट और पार्किंग की रहेगी अलग व्यवस्था

रांची। झामुमो के नेतृत्व में इंडी गठबंधन के तत्वावधान में रविवार को रांची के प्रभात तारा मैदान में उलगुलान न्याय महारैली आयोजित की गई है। इसमें इंडी गठबंधन के तमाम बड़े नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इसके मद्देनजर शनिवार को रांची ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने महारैली कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आनेवाली बसों का रूट और पार्किंग की व्यवस्था तय कर दी है। ऐसा रहेगा वाहनों के रुट और पार्किंग की व्यवस्था

-गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, रामगढ़ और रांची से आने वाले वाहन काठीटांड़ से रिंग रोड दलादली, नयासराय रिंग रोड होते हुए बलालौंग मोड़ से धुर्वा डैम होते हुए धुर्वा बस स्टैंड से बाएं में सखुआ बगान एवं आम बगान में पार्क करेंगे

- दुमका, देवघर, जामताडा, गोड्डा, पाकुड़, साहेबगंज से आने वाले वाहन नेउरी रिंग रोड होते हुए रामपुर रिंग रोड होते हुए तुपुदाना से हटिया चांदनी चौक से प्रोजेक्ट भवन होते हुए धुर्वा गोलचक्कर के पूर्वी भाग में पार्क करेंगे।

-हजारीबाग, कोडरमा, धनबाद, बोकारो, गिरिडीह से आने वाले वाहन नेउरी रिंग रोड होते हुए रागपुर रिंग रोड होते हुए तुपुदाना चौक से प्रोजेक्ट भवन होते हुए धुर्वा गोल चक्कर पश्चिमी में पार्क करेंगे।

-जमशेदपुर, चाईबासा, सरायकेला-खरसावां, रांची के बुंडू, तमाड़, सिल्ली से आने वाले वाहन श्रामपुर से रिंग रोड होते हुए तुपुदाना चौक से हटिया चांदनी चौक से प्रोजेक्ट भवन होते हुए धुर्वा गोलचक्कर से जवाहर स्टेडियम में पार्क होंगे।

-सिमडेगा, खूंटी, गुमला के वाहन रिंग रोड होते हुए तुपुदाना चौक से हटिया चांदनी चौक से प्रोजेक्ट भवन होते हुए जेएन कॉलेज मैदान में पार्क होंगे।

-वीआईपी के छोटे वाहनों के लिए धुर्वा गोल चक्कर से नेहरू स्टेडियम होते हुए मियां मार्केट के सामने से प्रभात तारा मैदान के दक्षिणी भाग में पार्किंग की व्यवस्था

-वीआईपी और मीडिया के छोटे वाहनों के लिए धुर्वा गोलचक्कर से नेहरू स्टेडियम होते हुए मियां मार्केट के सामने संत थॉमस स्कूल के पास पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

केदारनाथ धाम के लिए श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह, चारधाम के लिए अब तक 1066157 पंजीकरण

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इसको लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। केदारनाथ धाम के लिए श्रद्धालुओं में जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है। 10 मई से शुरू होने वाली यात्रा में केदारनाथ धाम के लिए सबसे अधिक पंजीकरण तीर्थयात्रियों ने कराया है। केदारनाथ के लिए अब तक तीन लाख 52 हजार 879 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं।

दरअसल,चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब के लिए 19 अप्रैल शाम छह बजे तक कुल 1066157 पंजीकरण हुए हैं। चारधाम और हेमकुंड साहिब के लिए 159054 तीर्थयात्री प्रतिदिन पंजीकरण करवा रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण 15 अप्रैल सुबह सात बजे से प्रारंभ किए गए थे।

चारधाम यात्रा पंजीकरण में यमुनोत्री के लिए 193998, गंगोत्री के लिए 200996, केदारनाथ के लिए 352879, बद्रीनाथ के लिए 304243 और हेमकुंड साहिब के लिए 14041 पंजीकरण हुए हैं। अब तक हुए पंजीकरण में टूरिज्म केयर उत्तराखंड मोबाइल ऐप से 137649 एवं registrationand-touristcare.uk.gov.in वेबपोर्टल से 832705 तो व्हाट्सएप से 95803 पंजीकरण हुए हैं। पंजीकरण के लिए ये विकल्प तीर्थयात्रियों के लिए काफी आसान है।

उत्तराखंड में 10 मई से चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। 10 मई को बाबा केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। अक्षय तृतीया पर 10 मई को ही मां गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के भी कपाट खुलेंगे। जबकि भगवान बद्रीनाथ धाम के कपाट 12 मई को खुलेंगे। यात्रा के लिए सरकारी स्तर पर सभी तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं हेमकुंड साहिब की यात्रा 25 मई को शुरू होगी।

चारधाम यात्रा के लिए टोल फ्री नंबर से भी पंजीकरण की सुविधा-चारधाम यात्रा शुरू होने से 25 दिन पहले पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की गई है। पंजीकरण के लिए नाम, मोबाइल नंबर के साथ यात्रा करने वाले सदस्यों का ब्यौरा, निवास स्थान का पते के लिए आईडी देना आवश्यक है। पंजीकरण के लिए पर्यटन विभाग की वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in पर लॉग इन करना होगा। व्हाट्स एप नंबर- 8394833833 पर यात्रा (yatra) लिखकर मैसेज करके भी पंजीकरण कराया जा सकेगा। जो यात्री वेबसाइट पर पंजीकरण नहीं कर पाते हैं, उनके लिए पर्यटन विभाग ने टोल फ्री नंबर 0135-1364 जारी किया है। इस नंबर पर कॉल करने पर पंजीकरण की सुविधा दी गई है।

धरती पर हर छठा इंसान भारतीय, 77 साल बाद 300 करोड़ हो जाएगी देश की आबादी

एजेंसी

नई दिल्लीः संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यू.एन.एफ.पी.ए.) द्वारा जारी हालिया वर्ल्ड पापुलेशन रिपोर्ट 2024 में बड़ा खुलासा हुआ है कि इस धरती पर मौजूद हर छठा इंसान भारतीय है। रिपोर्ट के मुताबिक 1950 से 74 वर्षों में देश की आबादी बढ़कर चार गुणा हो चुकी है। वहीं रिपोर्ट में यह भी अनुमान जताया गया है कि देश की यह बढ़ती आबादी अगले 77 वर्षों में बढ़कर दोगुनी हो जाएगी, यानी हैरत की बात है कि जनसंख्या वृद्धि की देश में यही रफ्तार रही तो आबादी 300 करोड़ के करीब पहुंच जाएगी।

महिलाओं की उम्र में साढ़े तीन वर्ष का इजाफा

यहां एक रोचक तथ्य भी सामने आया है कि भारत की बढ़ती हुई आबादी के साथ महिलाओं की उम्र में लगभग साढ़े तीन वर्ष की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट कहती है कि भारत में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 71 वर्ष और महिलाओं की 74 वर्ष है। वर्ष 2020 तक पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 67.8 और महिलाओं की 70.4 वर्ष थी।

सात दशकों में 100 करोड़ से ज्यादा बढ़ी आबादी

इंटरवॉवन लाइव्स, थ्रेड्स ऑफ होपः एंडिंग इनइक्वैलिटीज इन सैक्सुअल एंड रिप्रॉडक्टिव हेल्थ एंड राइटह्व नामक इस रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक 2024 में भारत की कुल आबादी चीन को पीछे छोड़ 144.17 करोड़ पर पहुंच गई। चीन की आबादी 142.5 करोड़ दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि धरती पर मौजूद कुल इंसानी आबादी बढ़कर 811.9 करोड़ पर पहुंच चुकी है, जिसमें से 17.8 फीसदी आबादी भारतीयों की है। देखा जाए तो 1950 में भारत की आबादी महज 35.3 करोड़ थी। सात दशकों से अब तक देश की आबादी में 100 करोड़ से ज्यादा का इजाफा हो चुका है। उललेखनीय है कि भारत में आधिकारिक तौर पर 2011 में की गई जनगणना में भारत की कुल आबादी 121.08 करोड़ दर्ज की गई थी।

देश में बुजुर्गों की आबादी 7 फीसदी

यू.एन.एफ.पी.ए. ने अपनी रिपोर्ट में यह भी जानकारी दी है कि देश में 7 फीसदी आबादी बुजुर्गों की है, जिनकी आयु 65 वर्ष या उससे अधिक है। वहीं दूसरी तरफ 24 फीसदी आबादी 14 वर्ष या उससे कम उम्र के बच्चों की है। वहीं 26 फीसदी आबादी की उम्र 10 से 24 वर्ष की है। वहीं 15 से 64 साल के लोगों की आबादी देश में 68 फीसदी है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में जहां पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 71 वर्ष, वहीं महिलाओं में 74 वर्ष दर्ज की गई है।

कांग्रेस को एक और झटका, प्रियंका गांधी के करीबी तजिंदर बिट्टू बीजेपी में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रियंका गांधी के करीबी तजिंदर बिट्टू कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए। प्रियंका गांधी के करीबी तजिंदर सिंह बिट्टू कांग्रेस से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद शनिवार को दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। यह घटनाक्रम कांग्रेस के लिए एक और झटका है, जिसने हाल के हफ्तों में लोकसभा चुनावों के बीच हाई-प्रोफाइल नेताओं का पलायन देखा है।

हिमाचल प्रदेश के प्रभारी कांग्रेस सचिव बिट्टू केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। इससे पहले दिन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को संबोधित एक पत्र में बिट्टू ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पत्र में कहा, मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता और एआईसीसी के अपने पद, हिमाचल प्रदेश के सचिव सह-प्रभारी पद से तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा देता हूं।

संक्षिप्त खबरें

कक्षा दशम के छात्रों को मोटिवेशनल कैरियर काउंसलिंग का आयोजन

मांडर : प्रखण्ड स्थित ऑक्सब्रिज स्कूल कंदरी मोड़ मांडर में शनिवार को ऑक्स ब्रिज स्कूल के सभागार में कक्षा दशम के छात्रों के लिए मोटिवेशनल कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया ।मेहमानों को स्कूल के हेड बॉय एवं हेड गर्ल के अभिभावकों द्वारा पुष्प गुच्छा भेंट किया गया ।इस मौके में जाने से डी॰ए॰वी॰ के प्राचार्य श्री टीपी झा (सेवा निवृत), श्री सरोज पाठक (आईआईटी रूरकी), श्री अभिषेक (आई॰आई॰टी॰ रुरकी)खुशबू पटेल(कैरियर काउंसलर) मौजूद थे। प्राचार्य श्री टी॰पी॰ झा(सेवानिवृत्त)ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उस उम्र में अपने मनोबल से पढ़ाई करते हुए बेहतर परिणाम कैसे हासिल किया जा सकता है ।श्री सरोज पाठक और श्री अभिषेक ने अपनी स्कूली पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं सफलता हासिल करने के सुझाव बताए। श्रीमती खुशबू पटेल ने अपने रुचि के अनुसार आज कैरियर का चुनाव का सुझाव दिया। इस मौके में दशवी कक्षा के छात्रों के अभिभावक स्कूल निदेशक टौफीक आलम प्राचार्या इवोन ई. एक्का शिक्षिका मनुजा सुप्रिया पुष्पा विवेक सर एवं अन्य शिक्षक गण भी मौजूद थे । समारोह का संचालन जितेंद्र सिंह ने किया।

जैक 10वी की परीक्षा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के बच्चों ने लहराया परचम

चान्हो। प्रखण्ड स्थित मैट्रिक परीक्षा में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बीजू पाड़ा विद्यालय का रिजल्ट शानदार रहा। शुक्रवार को जैक बोर्ड। का रिजल्ट प्रकाशित हुआ जिसमें सरस्वती शिशु बिद्या मंदिर बिजुपडा स्कूल के छात्र छात्रओं प्रथम स्थान प्रवीण उरांव 94 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल टॉपर बने वही दुतीय स्थान आँचला कुमारी 91,8 प्रतिशत लेकर दुतीय स्थान तृतीय स्थान खुशी साहू 91 प्रतिशत लेकर स्कूल में तृतीय स्थान प्राप्त की स्कूल शिक्षक शिक्षिका प्रधानाध्यपक नीरज तिवारी ने बच्चों उज्ज्वल भविष्य कमाना किये।

परीक्षा परिणामः जैक 10वीं के रिजल्ट में तक्षशीला इंस्टिट्यूट छात्र-छात्राओं का रहा जलवा

चान्हों : तक्षशिला के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का डंका बजाते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया है। चान्हो प्रखंड के सोंस में संचालित तक्षशिला इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों ने एक बार पुनः जैक बोर्ड की परीक्षा में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ज्ञातव्य हो कि इस बार सीबीएसई ने 10 वीं की परीक्षा में नए मानकों के तहत शुक्रवार की दोपहर परीक्षा परिणाम की घोषणा की है। विगत 6वर्षों से 10 वीं में इस इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राएं अव्वल अंकों से उत्तीर्ण कर रही हैं। 10 वीं के बोर्ड परिणाम पर हर्ष व्यक्त करते हुए तक्षशिला इंस्टिट्यूट के संचालक के अंगद कुमार सिंह ने कहा कि विद्यालय परिवार बच्चों के उज्वल भविष्य को लेकर दृढ संकल्पित है ।साथ ही साथ कहा कि सुपर-30 तर्ज पर चल रहे तक्षशिला इंस्टीट्यूट हर एक बच्चा आने समय का भारत का नया चाणक्य होगा। इंस्टिट्यूट के 30 छात्रों में 13 बच्चों ने 80 प्रतिशत से अधिक और 20बच्चों ने 70 प्रतिशत से अधिक वहीं 6 छात्रों ने 60%से अधिक एवं 2 छात्र ही 50प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इंस्टीट्यूट के सफल बच्चों नामउषा कुमारी(87%) ,अनिश प्रसाद गुप्ता (85.40%),अमित कुमार (85.40%), सिमरन कुमारी(82.20%), चंदन शाही(81.20%), निखिल भगत (79.80%),अनिसा कुमारी (78.80%), साह फैशल खान (74.20%), उजेश गुप्ता (73.60%),राहुल कुमार (71.20%), दीपरानी कुमारी(69.20%), रोहन उरांव(72%),अरमान राय(69%),जाहिद राय(60%), साद राय (63.40%),संगम कुमारी(77.60%),सुरजमनी कुमारी(60.60%),सरीता उरांव (78.78%),प्रियंका कुमारी (76.40%).....व अन्य।

फौजिया जरीन का भारतीय एकता कमेटी ने किया सम्मानित

रांची। जैक दसवीं की परीक्षा में सफल फौजिया जरीन को भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने उन्हें मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और हौसला अफजाई की। फौजिया जरीन उसुर्लाइन कॉन्वेंट गर्ल्स हाई स्कूल की छात्रा है। 95.80% लाकर अपने स्कूल अपने मां-बाप का नाम रोशन किया । फौजिया जरीन के पिता बुलंद अख्तर माता जेबा नूरी है। फौजिया जरीन रांची टॉप 10 में शामिल है । फौजिया ने बताया कि साइंस लेकर आगे की पढ़ाई करुंगी । फौजिया ने बताया कि स्कूल की टीचरों का भी बहुत बड़ा योगदान रहा मां-बाप का भी पूरा सहयोग रहा।

जी पी मध्य उच्च विद्यालय हेसल के संध्या कुमारी बनी स्कूल टॉपर

अनगडा : प्रखंड के हेसल पंचायत स्थित जी पी मध्य उच्च विद्यालय हेसल खोपी सरना के विद्यार्थियों ने मैट्रिक की परीक्षा में सत प्रतिशत सफलता हासिल की है संध्या कुमारी 89.60% लाकर स्कूल टॉपर बनी राहुल कुमार महतो 89.20% प्रतिशत द्वितीय टॉपर बना रिया कुमारी 88.6 प्रतिशत लाकर तृतीय टॉपर बनी शिवानंद पहान 88.40 % प्रतिशत सोनू कुमार महतो 88.20 प्रतिशत इन सभी छात्र छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव डॉ अमर कुमार चौधरी एवम प्राचार्य ब्रजेश कुमार महतो ने सफलता के श्रेय सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवम शिक्षककेतर कर्मचारियो को दी उज्जवल भविष्य की कामना किया।

पशुपतिनाथ मंदिर कांके से भव्य कलश यात्रा निकली

रांची सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सहित हजारों लोग हुए शामिल

बिहान भारत संवाददाता

कांके/रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्राचीन पशुपतिनाथ मंदिर के पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के पहले दिन शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकली जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया।

मंदिर परिसर से सुबह 7:00 बजे निकली कलश यात्रा कांके ब्लॉक चौक होकर जुमार नदी होचर की तरफ गई जहां से सभी श्रद्धालुयों ने जल भरकर वापस मंदिर परिसर आकर वहां कलश स्थापित किया। कार्यक्रम के संयोजक पंकज वत्सल ने बताया कि कलश यात्रा का नेतृत्व पांच तपस्वी यजमान जोड़ी- डॉ दयानंद तुरी एवं डॉ नरगिस कुमारी, डॉ सरोज ठाकुर एवं डॉ नंदनी कुमारी, रामप्रीत सिंह एवं शान्ति देवी, प्रभात कुमार एवं रेणु देवी तथा विजय रामानंदी एवं गीता कुमारी ने किया। इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देने के लिए रांची के सांसद संजय सेठ, कांके के विधायक समरी लाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, भाजपा नेता अनिल टाइगर, देवेंद्र स्वामी, बिन्दु भूषण दुबे, जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्र संयोजक संदीप उरांव, रांची जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव, भारतीय मजदूर संघ के प्रांत संगठन मंत्री ब्रजेश कुमार, वीएचपी के प्रांत गोरक्षा प्रमुख गिरजा शंकर पांडेय तथा पशुपतिनाथ टेंपल मैनेजमेंट सोसायटी के अध्यक्ष डॉ रामदेव प्रसाद गुप्त भी उपस्थित थे। कलश यात्रा में बीएयू के शिक्षकों, कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं के अलावा होचर, हुसीर, संग्रामपुर, दुबलिया, अरसंडे, सुकुरहुद्दू, पिठौरिया, पतराटोली, चूड़ी टोला, सेमर टोली,कांके, कदमा सहित एक दर्जन गांवों तथा रांची शहर के लोगों ने भाग लिया। साढ़े तीन किलोमीटर की यात्रा से लौटने पर मंदिर परिसर में सबके लिए भण्डारा प्रसाद की व्यवस्था की गई थी।

कलश यात्रा के बाद यज्ञशाला में वरुण पूजन एवं पंचांग पूजन तथा अपराह्न में हवन एवं आरती का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समस्त वैदिक अनुष्ठान पशुपतिनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सुनील कुमार पांडेय के नेतृत्व में सात सदस्यीय ऋत्विक मंडली द्वारा संपन्न किए जा रहे हैं। ऋत्विकों में आचार्य (डॉ) विमलेश द्विवेदी एवं आचार्य अतुल तिवारी (प्रयागराज), आचार्य अभिषेक पांडेय (वाराणसी), पंडित सुशील पांडेय (आरा), आशीष त्रिपाठी शास्त्री (मोतिहारी) तथा पंडित मृत्युंजय तिवारी (औरंगाबाद) शामिल हैं।

कलश यात्रा के आयोजन में डॉ आनंद कुमार सिंह, धर्मेंद्र रावल, मृत्युंजय कुमार सिंह, भारती कुमारी, संगीता विजया, सीता देवी, अमरजीत पासवान, विशु कुमार, संदीप उरांव, कन्हैया पासवान, रंजीत पासवान, चंद्रदीप कुमार, निखिल कुमार, दिव्यांश पांडेय, मिथिलेश यादव, सोनू कुमार, विकास विश्वकर्मा, सोनी लिंडा, करिश्मा गाड़ी आदि कई सक्रिय भूमिका रही।

शाम में कृषि विहार, अरसंडे की शिव चर्चा मंडली ने गायिका अंशु झा के नेतृत्व में भजन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

रविवार को सुबह 6 बजे से 9 बजे तक वेदी पूजन, अरणिमंथन (काष्ठ के घर्षण द्वारा अग्नि पैदा करने की क्रिया), अग्नि स्थापन एवं कर्मकुटी अनुष्ठान का कार्यक्रम है। अपराह्न में पूजन, हवन एवं आरती के पश्चात एकल कथाकार योजना की प्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री किशोरी एवं टीम द्वारा भजन संध्या का आयोजन है।

रांची पुलिस ने ड्रग की सप्लाई करनेवाले गिरोह का किया पदार्फाश, सरगना समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची : रांची पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करनेवाले सरगना समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. उनके कब्जे से एक बाइक (जेएच01 डी 4610), 1.56 ग्राम ब्राउन सुगर, 20500 नगद समेत अन्य समान जब्त किये हैं. पुलिस को अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े होने को जानकारी मिली है. गिरफ्तार आरोपियों में सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के आनंदपुरी निवासी मुकेश राय, विद्यानगर निवासी मुकेश तिर्की और रंजन कुमार सिंह के नाम शामिल हैं. मूलरूप से बिहार के वैशाली जिले के हरशिवनागर के रहनेवाला मुकेश राय सरगना है. वह बिहार के सासाराम से ब्राउन सुगर मंगवाता था. इसके बाद घूम घूम कर ब्राउन सुगर बेचता था. उसकी एक किराना की दुकान है, उस दुकान में भी बेचता था. अंजान लोगों को मुकेश राय ब्राउन सुगर नहीं बेचता था. पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के विद्यानगर में बड़ा पुल के पास कुछ लोग प्रतिबंधित नशीला पदार्थ का अवैध रूप से खरीद बिक्री कर रहे हैं।

छापामारी टीम ने मौके पर पहुंच तीनों को पकड़ा. मुकेश राय के पास में सिल्वर फाइल में लपेटा हुआ 5 पुड़िया ब्राउन सुगर, मोबाईल तथा बाइक (जेएच01डी4610), मुकेश तिर्की के पास से सिल्वर फाइल में लपेटा हुआ 10 पुड़िया ब्राउन सुगर एवं 20500 रुपया और रंजन कुमार सिंह के पास से सिल्वर फाइल में लपेटा हुआ 5 पुडिया ब्राउन सुगर बरामद किया गया. इस संबंध में सुखदेवनगर थाना (कांड संख्या 206/24) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया गया. मुकेश राय, मुकेश तिर्की ओर रंजन सिंह पहले भी एनडीपीएस मामले में जेल जा चुके हैं. रंजन कुमार सिंह को एटीएस ने भी गिरफ्तार किया था।

भाजपा मंडल की मंडल स्तरीय संगठनात्मक की बैठक संपन्न

चान्हो : चान्हो भाजपा मंडल की मण्डल स्तरीय संगठनात्मक बैठक ओपा विशाल गार्डन में मण्डल अध्यक्ष विजय महतो की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य लोकसभा चुनाव के संदर्भ में था,जिसे बुथ सशक्तिकरण एवम बुथ जीता तो चुनाव जीता के संकल्प के साथ कार्यकताओं को चुनाव कार्य मे लगने का आह्वन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद श्री दीपक प्रकाश उपस्तिथ रहे एवम कार्यकताओं को संबोधन किए। साथ मे पूर्व विधायक सह विधानसभा संयोजक श्रीमती गंगोत्री कुजूर,लोकसभा सह संयोजक श्री सन्नी टोप्पो, ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र महतो,प्रभारी श्री ओम सिंह,सह संयोजक अरविंद सिंह,विस्तारक ओम तिवारी,संजीव तिवारी, प्रदेश नेता सफीक अंसारी,प्रदेश नेत्री सोनी तब्बसुम,सतीश साह, कैलाश गुप्ता, सभी मण्डल पदाधिकारी, सभी मोर्चा के अध्यक्षगण,पंचायत प्रभारी, संयोजक,सह संयोजक एवम देवतुल्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच संचालन मण्डल महामंत्री विशेश्वर महतो एम धन्यवाद ज्ञापन सतीश साह ने किया।

श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम भंडारा भक्तिमय रंग में सम्पन्न

बिभा संवाददाता

रांची: श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक शनिवार को होने वाला 108 वा श्री श्याम भंडारा भक्तिमय रंग में सम्पन्न हुआ।

श्री श्याम मित्र मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली के नेतृत्व में एवं गिरिश अग्रवाल सरिता अग्रवाल एवम परिवार ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश रिद्धि सिद्धि शिव परिवार बजरंगबली लड्डू गोपाल शालिग्रामजी गरुडजी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित किया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी के लोकप्रिय भजन का गायन करके यजमानश्री अग्रवाल परिवार ने खाटूनरेश की मनोहर की । भोग अर्पित करने के समय पूरा मंदिर श्रध्दा में डूबा हुआ था। भोग लगे प्रसाद को अग्रवाल परिवार ने विशाल वृहद भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के साथ मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में यजमानश्री परिवार के गिरिश अग्रवाल सरिता अग्रवाल महेंद्र अग्रवाल ज्योति अग्रवाल रोहित अग्रवाल रेणु अग्रवाल रामचंद्र अग्रवाल स्वेता अग्रवाल ने श्री श्याम भंडारे का प्रसाद का वितरण प्रारंभ किया। आज के श्री श्याम भंडारे में पुलाव पूड़ी पंचमेला मिक्स सब्जी खीर चूरमा केसरिया जलेबी आम का शरबत का प्रसाद मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के दिशा निर्देश में श्री श्याम मंदिर में निर्मित किया गया था। लगभग 2500 से ज्यादा भक्त जनों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी श्रवण ढानढनिया प्रदीप राजगढ़िया अनिल नारनौली पूर्व सांसद अजय मारू वेद भूषण जैन पप्पू रंजना जैन अभिषेक सरावगी कौशल चौधरी रतन शर्मा अनुज मोदी अमित सरावगी कमलेश सावा कमल बिश्नोई अंकित सिंह मनोज खेतावत उपेंद्र पांडे मनीष वर्मा श्याम सुंदर जोशी सहित 50 से ज्यादा स्वयं सेवकों ने भंडारा वितरण में सहयोग किया।

मंगलवार को श्री सुंदरकांड पाठ श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा मंगलवार 23 अप्रैल को संध्या 4:30 बजे से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 98 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक संगीतमय पाठ का आयोजन होगा। मनीष सारस्वत ओम शर्मा व अन्य द्वारा पाठ करवाया जाएगा। प्रमोद पोद्दार पूनम पोद्दार अपने परिजनों के साथ बजरंगबली की पावन अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने सभी भक्तों को आमंत्रित किया है।

एनएसयूआई की एक दिवसीय प्रदेश कार्यकारिणी बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची : कांग्रेस कार्यालय रांची में एनएसयूआई के एक दिवसीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से एनएसयूआई के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी श्री कुणाल सहरावत उपस्थित थे

लोकसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों,महाविद्यालयों में किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर विचार विमर्श किया गया साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा छात्रों को संगठन से जोड़ने को लेकर चर्चा की गई

इस बैठक की अध्यक्षता एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आमिर हाशमी के द्वारा किया गया मौके पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा, ग्रामीण कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश किरण महतो, एनएसयूआई के प्रदेश पदाधिकारी,जिला पदाधिकारी विश्वविद्यालय पदाधिकारी उपस्थित थे।

मांडर पुलिस ने नाबालिग की होने वाली शादी को रोका

मांडर। प्रखंड अंतर्गत पचपदा गांव में शनिवार को पुलिस और डालसा की टीम द्वारा एक नाबालिग की होने वाली शादी को रोक दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पचपदा निवासी सोलह वर्षीय सोनाली का विवाह बेड़ो थाना क्षेत्र के रहने वाले युवक से परिवार वालों ने तय कर दिया था। विवाह 22 अप्रैल को होना था। कस्तूरबा स्कूल मांडर की नवीं कक्षा की छात्रा सोनाली ने बताया कि वह पिछले महीने की होली छुट्टी में घर गई थी। इसी दौरान उसका विवाह तय हो गया है उसने अपने सहेलियों से कहा कि वह अभी शादी नहीं करना चाहती है और आगे पढ़ाई कर कुछ बनना चाहती है। इसी दौरान शनिवार को पीएलवी सुमन ठाकुर लीगल लिट्रेसी क्लब में लीगल क्लास लेने पहुंची तो सोनाली के दोस्तों ने सारी बात उन्हें बताई, जिसके बाद डालसा सेक्रेट्री के माध्यम से जिले के आला अधिकारियों को नाबालिग के शादी की जानकारी दी गई। इसकी जानकारी मिलते ही कस्तूरबा स्कूल की वार्डन इंदु, नरकोपी पुलिस और पूर्व मुखिया बिरेंद्र उरांव सोनाली के घर पहुंचे और कानून का हवाला देते हुए शादी को रूकवाया गया।

सीसीएल में इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट का दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन का समापन

बिभा संवाददाता

रांची : सीसीएल मुख्यालय, रांची के कन्वेंशन सेंटर में इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) का दो दिवसीय (19 और 20 अप्रैल, 2024 को) पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन का आज समापन हुआ।

आज कांफ्रेंस तीन सत्रों में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में प्रतिभा प्रबंधन के माध्यम से मानव संसाधन उत्कृष्टता का प्रबंधन पर चर्चा हुई। निदेशक (कार्मिक), बीसीसीएल श्री मुरली कृष्ण रमैया ने इस सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में मानव संसाधन में प्रतिभा प्रबंधन पर प्रकाश डाला। प्रथम सत्र में निदेशक (कार्मिक), एनएचपीसी, श्री संजीव शेखर ने विषय विशेष पर व्याख्यान दिया वहीं प्रोफेसर वैष्णवी जगदीश साहू ने सबके सम्मुख रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया। इस सत्र के समन्वयक पूर्व महाप्रबंधक, सेल, डॉ. हरिहरन थे।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता निदेशक (तकनीकी), मेकॉन श्री अमित राज ने की। इस सत्र में मानव संसाधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी के नए आयाम पर चर्चा हुई। इस सत्र में सुजुकी के मानव संसाधन के प्रमुख श्री मुशर्रत हुसैन एवं टाटा कंसल्टेंसी के श्री शरत चंद्रा ने उपरोक्त विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत की। डॉ. कुमार मोहित स्प्रिंग ने विषय विशेष रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता पूर्व सीएमडी, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, श्री अरुण कुमार शुक्ला ने की। इस सत्र का विषय Sustainability and Exponential Growth था। इस सत्र में कार्यकारी निदेशक, आईआईसीएम, डॉ. कामाक्षी रमन एवं डॉ. रोहित कुमार ने सम्बंधित विषय पर व्याख्यान दी।

कार्यक्रम के अंत में समापन समारोह में झारखण्ड टेक्निकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी. के. सिंह, राष्ट्रीय ट्रेजरर, आईएसटीडी, श्री एन. पाणी एवं निदेशक (कार्मिक), सीसीएल श्री हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित थे।

श्री हर्ष नाथ मिश्र ने सभी वक्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस सम्मेलन का आयोजन का उद्देश्य मानव संसाधन विकास एवं प्रबंधन के क्षेत्र में आ रहे तकनीकी परिवर्तनों से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। सभी प्रतिभागियों को इस दो दिवसीय सम्मेलन के व्याख्यान एवं रिसर्च पेपर प्रस्तुतीकरण से निश्चित रूप से लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि तकनीकों के इस्तेमाल के बावजूद भी सफलता हेतु ह्यूमन टच जरूरी है।

इस सम्मेलन में विभिन्न कंपनियों के प्रतिभागियों एवं राँची के शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने शिरकत की। व्याख्यान के दौरान सीसीएल के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षगण एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में टीम सीसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बारेंदा चौक हर्षोल्लास के साथ लाठी खेल हुआ सम्पन्न

बिभा संवाददाता

सोनाहातू। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र के बारेंदा पंचायत के बारेंदा चौक में शनिवार को शाम 5 बजे से भव्य लाठी खेल का आयोजन किया गया। पश्चिम बंगाल से आये गुरूपद कुम्हार बिरगाम और नेहाल चन्द्र महतो, सिंदरी के टीम के द्वारा बारी-बारी से लाठी-तलवार से विभिन्न प्रकार का करतब दिखाया गया। इस लाठी खेल में सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरूष दर्शकों ने खूब आनंद लिया। बारेंदा चौक में लाठी खेल देखने के लिए देखते ही देखते दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी दर्शकों ने मंत्रमुग्ध होकर लाठी खेल का खूब आनंद लिये। इस आयोजन सफल बनाने में अशोक कुमार महतो, बुद्धेश्वर महतो, निमाई चन्द्र राय, गणेश तिवारी, विरेंची पुरान, गोपाल पुरान, लालजी पुरान तपन पुरान एवं कमिटी के सभी सदस्य संतोष कोइरी, मनोज साहू, सन्नीराज पुरान, प्रकाश पुरान, जीतू महतो, तरणी दास, ग्राम पुरान, दीपक महतो, प्रदीप कर्माकर, नवीन महतो, पंकज पुरान, श्रीमंत साहू, कालीपदो मिस्त्री, बॉबी पुरान, मेडिकल पुरान, मानिक तिवारी, मेथरा पुरान एवं बारेंदा चौक के सभी दुकानदारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

मास्टरमाइंड सद्दाम की रिमांड पूरी, भेजा गया जेल, 2 मई को अगली सुनवाई

रांची ।बड़गाईं अंचल जमीन घोटाला मामले में मास्टरमाइंड सद्दाम हुसैन की रिमांड पूरी होने के बाद आज धन शोधन निवारण अधिनियम कोर्ट में पेशी हुई। जिसके बाद कोर्ट ने जेल भेज दिया. बताते चलें कि मामले की अगली सुनवाई 2 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सद्दाम हुसैन की पेशी होगी। गौरतलब है कि इससे पहले ईडी दो बार रिमांड पर लेकर कुल 12 दिनों तक उससे पूछताछ कर चुकी है। मोहमद सद्दाम हुसैन की जानकारी पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जेएमएम नेता अंतू तिर्की समेत 4 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने ईसीआईआर 6/2023 दर्ज में सद्दाम हुसैन को प्रोडक्शन पर लिया है। इसी मामले में भानु प्रताप प्रसाद, हेमंत सोरेन समेत पांच के खिलाफ ईडी आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने की गौ सेवा

रांची : रांची समर्पण शाखा ने हर एकादशी गौ सेवा करने का मानस बनाया है ।जिसकी तहत आज शाखा ने एकादशी के शुभ दिन पर गौ सेवा की जिसमें अध्यक्ष विनीता सिंघानिया की अध्यक्षता में आज दिनांक 20 अप्रैल हरमू रोड़ गौशाला में गौ सेवा की गई। गौ माता की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है । गौ सेवा प्रभारी आशा संथोलिया एवं संयोजिका डॉली बंसल ने गौ सेवा की सारी तैयारियाँ की ।मौसम को देखते हुए गौ माता को खीरा और हरी सब्जियां खिलाया गया ।इसमें सभी बहनों ने साथ दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष विनीता सिंघानिया , शुभा अग्रवाल , आशा संथोलिया ,डोली बंसल , रितु पोद्दार , कोमल पोद्दार , पूजा तोदी मौजूद थी।

सम्पूर्ण भारत क्रांति पार्टी के प्रदेश कमिटी की घोषणा की

रांची : पार्टी के हरमू स्थित प्रदेश कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक मनोज कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें संगठन विस्तार पर चर्चा की गई तथा प्रदेश कार्यकारणी कमिटी का गठन किया गया साथ ही साथ यह भी तय किया गया की रांची लोकसभा से एक दमदार युवा चेहरा को प्रत्याशी के रूप मे उतारना है जिनके नाम की घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी.
प्रदेश कार्यकारणी समिति के सदस्यओं में .शिव उरांव (प्रदेश अध्यक्ष) 2.अजय कंडुलना (प्रदेश उपाध्यक्ष) 3.मैना उरांव (प्रदेश उपाध्यक्ष) 4.रोहित राज (प्रदेश उपाध्यक्ष) 5.पूनम सिंह (प्रदेश अध्यक्ष, महिला मोर्चा) 6.सुमन सिंह (प्रदेश उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा) 7.भवानी सिंह (प्रदेश अध्यक्ष, युवा मोर्चा) 8.लालचंद रजक (प्रदेश महासचिव) 9.सबरीना श्वेता टोप्पो (प्रदेश महासचिव) 10.डॉ. अभिषेक कुमार (प्रदेश महासचिव, युवा मोर्चा) 11.प्रवीण कच्छप(प्रदेश महासचिव) 12.लवली कुमारी (प्रदेश सचिव) 13.भोला उरांव (प्रदेश सचिव) 14.राजू कुमार (प्रदेश सचिव, युवा मोर्चा) 15.लक्ष्मी मेहता (प्रदेश सचिव, महिला मोर्चा) 16.कविता होरो (प्रदेश सचिव, महिला मोर्चा) 17.प्रदीप कुजूर (प्रदेश कोषाध्यक्ष) 18.अर्पणा बारला (प्रदेश प्रवक्ता) 19.अनिमेष सील उर्फ प्रेम कुमार(सदस्य) 20. उमा शंकर झा (सदस्य) 21.सुदर्शन महतो (सदस्य) 22.अशोक कुमार गुप्ता(सदस्य) 23.संजय कुमार (सदस्य) 24.आदिल हुसैन (सदस्य) 25.हाबिल कुजूर (सदस्य) 26. ममता ग्रेस (सदस्य) 27.नरेन्द्र साईं (सदस्य) 28. राजकुमार सिंह (सदस्य) 29.जॉर्ज कुजूर (सदस्य) 30.पुष्कर महतो (आमंत्रित सदस्य) 31.डॉ एस.बी सिंह (संरक्षक) शामिल हैं।

पाठ्य सामग्री वितरण कर मनाई गई समाजसेवी स्व.अनिल कु.साहू की पुण्यतिथि

रांची : छात्र क्लब ग्रुप के वरीय संरक्षक एवं प्रसिद्ध समाजसेवी स्व.अनिल कु.साहू (पिस्कामोड़ साहु गली निवासी) की पुण्यतिथि छात्र क्लब बाल गोपाल मंच की संयोजिका कुमारी श्राव्या सांची (परी) के अध्यक्षता मे मनाई इस मौके पर क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक सुमित कुमार,समाजसेविका देयमंती देवी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व.अनिल कुमार साहू जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण कर उनके सामाजिक विचारों को याद कर जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लेकर उन्हें नमन कर किया गया एवं मधुकम,साहु मुहल्ले के स्कूली बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री एवं टॉफी बिस्कुट आदि वितरण किया गया। मौके पर समाजसेविका देयमंती देवी ने कहा जन्म दिन,पुण्यतिथि,शादी की सालगिरह,गृह प्रवेश आदि आदि समारोह पर बेवजह फालतू खर्च ना करे,लोगों के तंदुरुस्ती के लिए निःशुल्क चिकित्सा कैंप लगाए,क्षेत्र में स्वच्छ जलवायु एवं हरियाली के लिए पौधारोपण करें एवं गरीबों जरूरतमंदों की खुशहाली के लिए उनके बीच आवश्यक सामग्री का वितरण करें।श्राव्या सांची ने कहा हमारे दादा जी स्व.अनिल कु. साहू टोले मुहल्ले के बच्चों को बेहद प्यार करते थे साथ ही जरूरतमंद बच्चों के पढ़ाई लिखाई में हर संभव मदद करते थे।आज उनकी कमी हम सभी को महसूस हो रही है। क्लब के सह प्रवक्ता कुमारी नीतू साहु के भक्तिमय संगीत के बाद कार्यक्रम की समापन हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्य रूप से संरक्षक अमित कुमार,प्रवक्ता कुमारी अनुजा,कुमारी शीला,कुमारी अनिता सहित गुनगुन कुमारी,ब्रजेश भारती,कृष्णा साहू,दिव्यज्योत,अभिनव कुमार अस्मित कुमार,आदि ने महत्तवपूर्ण भूमिका निभाई।

हटिया विधानसभा चुनावी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

रांची : हटिया विधानसभा चुनावी कार्यालय का उद्घाटन संपन्न हुआ कटहल मोड पर हटिया विधानसभा कार्यालय रांची लोकसभा के अंतर्गत खोला गया इस अवसर पर रांची के लोकप्रिय विधायक सी पी सिंह, विधायक नवीन जायसवाल, विधायक समरी लाल, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, संयोजक संजीव विजय वर्गीय ,सहसंयोजक रमाकांत महतो, विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी विधायकों ने अपने संबोधन में कहा यह चुनाव देश के दिशा और दशा तय करेगी इसलिए हम सबों को 25 मई को अपने-अपने बूथ पर ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की जरूरत है।

इंडी गठबंधन की रैली में देश और विकास विरोधियों का होगा जमावड़ा : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि रांची में इंडी गठबंधन की ओर से आयोजित रैली में देश विरोधी, सनातन विरोधी, झारखंड विरोधी, विकास विरोधी लोगों का जमावड़ा हो रहा है। इसमें वही लोग शामिल हो रहे हैं, जिन्होंने झारखंड को बेचने और खरीदने का काम किया है।
मरांडी शनिवार को पार्टी के मीडिया सेंटर में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रैली शामिल होने वाले लोग सत्ता में आने पर सारा समय लूटने में लगाते हैं। हेमंत सोरेन चार साल सरकार में रहे। आज वे जेल में हैं। जैसे जैसी करनी वैसी भरनी वाली कहावत उनपर पर चरितार्थ हो रही है। सत्ता मिलने के बाद नदी, बालू, पहाड़ तक नहीं छोड़ा। राजमहल के पहाड़

को खोद दिया।
मरांडी ने कहा कि राजमहल में 1000 करोड़ के पत्थर का अवैध खनन हुआ है। ईडी ने इसका उल्लेख अपने चार्जशीट में किया है। बालू, कोयला पत्थर की लूट की। जमीन में फजीर्वाड़ा का उसको बेचने का काम किया। सेना की जमीन को भी नहीं छोड़ा। आदिवासी जमीन का फर्जी कागजात बनाकर उसे बेचा। इस कार्य को सरकार का संरक्षण मिलता रहा। अब धीरे-धीरे ईडी ऐसा करने वाले सभी लोगों को जेल में डाल रही है।
प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड की जनता सब जानती है। जनभावना का सम्मान नहीं करने और हर तरह से जनता को लूटने वालों का जमावड़ा रैली में हो रहा है। ऐसे लोगों पर जनता कैसे विश्वास करेंगी। मरांडी ने कहा कि ये वही लोग हैं, जो आतंकी हमले को भगवा आतंकवाद कहते हैं। देश के जवान के आर्तकियों की गोली से मारे जाने पर राजनीति करते हैं। 'जी' लगाकर आतंकवादियों को सम्मान देते हैं। भारत के जवान के जवाबी कार्रवाई करने पर सबूत मानते हैं। देश को कमजोर करने का लगातार प्रयास करते हैं। ऐसे ही लोगों का जुटान रैली में हो रहा है।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 1962 में देश का बड़ा हिस्सा चीन को कांग्रेस सरकार ने दे दिया था। मोदी सरकार देश की एक-एक जमीन के लिए जान लगा रही है। किसी की भी हिम्मत नहीं है, जो देश का एक इंच भी जमीन कब्जा कर ले। गलवान घाटी और पूर्वोत्तर के क्षेत्र में यह नजारा देश की जनता देख चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले डिफेंस के क्षेत्र में हम सिर्फ आयात करते थे। आज निर्यात कर रहे हैं।
मरांडी ने कहा कि 2004 में अटल की सरकार जाने के बाद कांग्रेस सत्ता में आई। तब देश की अर्थव्यवस्था 11 स्थान पर थी। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में सुपर पीएम सोनिया गांधी थी। स्थिति यह रही देश की अर्थव्यवस्था मात्र एक पायदान ऊपर आई यानी 11 में से 10वें नंबर पर आई। मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था में बड़ी छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई। मोदी सरकार के तीसरे टर्म में देश की अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर आ जाएगी।

रांची में उलगुलान न्याय महारैली के मद्देनजर दो हजार अतिरिक्त सुरक्षाबल तैनात

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में रविवार को इंडी गठबंधन की उलगुलान रैली है। रैली में राहुल गांधी समेत देशभर के बड़े नेता शामिल होंगे। ऐसे में रैली स्थल, एयरपोर्ट, होटल और सर्किट हाउस में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं। सभी स्थानों की सुरक्षा के लिए 2,000 अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। साथ ही ट्रैफिक रूट निर्धारित किये गये हैं।
इसी क्रम में शुक्रवार को रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रभात तारा मैदान स्थित महारैली स्थल पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया था। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए थे। एसएसपी ने बताया कि महारैली स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राज्य के बाहर से आने वाले वीआईपी की सुरक्षा के लिए होटल से लेकर रैली स्थल तक जवानों के तैनाती

की गई है। ट्रैफिक को लेकर भी अलग व्यवस्था की गई है।
उल्लेखनीय है कि इस महारैली में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला, आम आदमी पार्टी की सुनीता केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवन्त मान, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन, माले के दीपांकर भट्टाचार्य सहित अन्य नेता शामिल होंगे।

मुडहर पहाड़ जैसे पर्यटन स्थल को बचाने की गई मांग, मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा , दिया आमंत्रण

बिहान भारत संवाददाता

रांची। महाराजा मदरा मुंडा सेवा संस्थान न्यास ट्रस्ट के पहलवान मुंडा एवं मीडिया प्रभारी सोमा उरांव के निवेदन पर आगामी चैत्र पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 23 अप्रैल माननीय मुख्यमंत्री चंपई सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। साथ ही साथ महाराजा मदरा मुंडा मुरहड़ पहाड़ मरंगबुरू विकास समिति के द्वारा एक आवेदन दिया गया , जिसमें मरंग बुरु को गोद लेने एवं महाराज मदरा मुंडा मरंग बुरू के पिलचु हड़ाम पिलचु बुढ़ही सहित 44 धार्मिक स्थलों का अतिक्रमण मुक्त कर सुरक्षित एवं संरक्षण करने का निवेदन किया गया तथा महाराजा मदरा मुंडा मुरहड़ पहाड़ मरंगबुरू को गोद लेने एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का निवेदन किया गया। पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने से स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार की भी प्राप्ति होगी।
माननीय मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि महाराज मदरा मुंडा के जन्मदिन के

शुभ अवसर पर 23 अप्रैल को मैं अवश्य शामिल होंगें एवं पिचलु हड़ाम पिलचु हड़ाम तथा मरंगबुरू से आशीर्वाद प्राप्त करूंगा।साथ ही 44 धार्मिक स्थलों का अतिक्रमण मुक्त कर संरक्षण एवं संरक्षित करूंगा एवं मरंगबुरु को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित भी करूंगा।
बताते चले की हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराजा मदरा मुंडा सेवा संस्थान न्यास ट्रस्ट के द्वारा प्रदीप पहान के नेतृत्व में ढोल ढाक बाजे गाजे के साथ रीति रिवाज रूढ़ि प्रथागत विधि विधान के साथ भेड़ा, बकरा, मुर्गा मुर्गी एवं फल फूल पत्ती के साथ दो दिनों तक 22 अप्रैल एवं 23 अप्रैल को पूजा की जाएगी 23 अप्रैल शाम में 4:00 बजे पूजा का प्रसाद वितरण किया जाएगा इसके बाद बा बाहा सरहुल मिलन समारोह एवं नृत्य किया जाएगा । कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के महेश्वर पहान, प्रवीण पहान, बलराम मंडा, सूरज मुंडा, विकास मुंडा, जगत मुंडा, डॉ प्रदीप मुंडा, जीतू साहू, पूरन गोप, मधु साहू, पंचम पहान, विनोद गोप, राजेंद्र सिंह मुंडा, राम लगन महली, मधुसूदन महली, विश्वनाथ मुंडा, विमल पहान, गुरुचरण मुंडा, ग्राम प्रधान शिव शंकर मुंडा, ग्राम प्रधान राम लगन मुंडा, रामकिसुन लोहारा, कैलाश महतो व अन्य गण मान्य कार्यकर्ता कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के पूजा धूम धाम से शांतिपूर्ण संपन्न

रांची : श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति, भुताहा तालाब का पूजा के आयोजन को धूमधाम और शांतिपूर्ण से सफल बनाने में समिति के मुख्य संरक्षक श्री किशोर साहू, राज कुमार गुप्ता, उदय साहू, रमेश सिंह ने लोगों का आभार जताया है। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति भुताहा तालाब ने जिला प्रशासन का भी जताया आभार। गुरुवार कि शाम निकाले गये माता कि विसर्जन शोभायात्रा का नेतृत्व राजकुमार गुप्ता अध्यक्ष शकर दुबे,कार्यकारणी अध्यक्ष दीपू सिंह,महामंत्री गोपाल पारीक, संरक्षक विकाश कुमार गुप्ता,टुन्ना सिंह, शंकर सिन्हा मुख्य आयोजक कुमार राजा, महेश चन्द्रा,सत्यनारायण सिंह, प्रियांश सिंह, नन्द किशोर सिंह चंदेल,राजेश वर्मा,कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू)ने किया। शोभायात्रा में गणेश सिंह, विनोद सिंह, सतीश सिंह,विनोद बर्मन,विवेक झा,राजू वर्मा, राजू चौरसिया, राहुल सिंह, शुभम वर्मा, संजय तिवारी, राहुल रजक, शेखर रजक, भोलू सिंह, सबलू मुंडा, विक्की सोनी, बंटी वर्मा,आदी शामिल हुए।

स्वीप के तहत जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) रांची, श्री उत्कर्ष कुमार द्वारा स्वीप के तहत जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से आज दिनांक-20 अप्रैल 2024 को न्यूक्लियस मॉल रांची में संत जेवियर कॉलेज रांची के छात्रों द्वारा बेहद ही आकर्षक तरीके से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यपालक दंडाधिकारी, श्री जफर हसनाथ एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।
संत जेवियर कॉलेज रांची के छात्रों द्वारा नाटक के जरिए लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें एक वोट की ताकत से रु बरू कराया। नाटक के दौरान लोगों में काफी ज्यादा उत्साह था। उन्होंने मतदान जरूर करने का भरोसा दिया साथ ही कहा की इस तरह के आयोजन से लोगों को काफी जानकारी मिलती है। वे मतदान 25 मई 2024 को करने को लेकर काफी उत्साहित है।
अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) रांची, श्री उत्कर्ष कुमार द्वारा लोगों से कहा की जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज आज तक नही हुआ है वह नाम दर्ज 25 अप्रैल 2024 तक जरूर से करा ले। ताकि इस लोकतंत्र के महापर्व में आप शामिल हो सके। उन्होंने सभी शहरवासियों से अपील करते हुए कहा की मतदान के दिन अपने-अपने घरों से निकल कर मतदान करें। ताकि शहरी वोट के प्रतिशत में बढ़ोतरी हो।

एएसपी निशा मुर्मू के घर में लगी आग

रांची। एंटी करप्शन ब्यूरो यानी एसएसबी रांची की एएसपी निशा मुर्मू के घर में आग लग गई। उनका घर काके रोड के मिशन गली में है। धधकती आग की चपेट में आकर लाखों रुपये के सामान जलकर राख हो गये। एएसपी निशा मुर्मू ने मीडिया को बताया कि उनके घर के पहले तल्ले पर एक कमरे में अचानक आग लग गयी। आग उनके ही कमरे में लगी थी, इस आग से उनके कमरे में रखें सभी सामान जलकर राख हो गये। बगल के कमरे में भी कुछ सामान जले हैं। गनीमत यह रही कि धधकती आग की लपटें ग्राउंड फ्लोर तक नहीं पहुंची। करीब 1 घंटे के मशक्क के बाद धधकते आग पर काबू पाया जा सका। आग कैसे लगी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

भाजपा ने आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन को लेकर आपत्ति दर्ज कराई

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा चुनाव आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल आज चुनाव आयोग पहुँच कर कल होने वाली उल्गुलान रैली मे हो रहे खुल्लम खुल्ला आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन को लेकर आपत्ति दर्ज कराई ।
प्रतिनिधिमंडल मे विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव और न्यायिक मामले के सह प्रमुख प्रकाश झा मौजूद थे।
रैली को लेकर जिस तरह इंडी गठबंधन के सहयोगी पार्टी ने झंडा बैनर का खुलेआम गाड़ीयों और पोस्टरों /होर्डिंग मे लगाया है वो आचार संहिता का उल्लंघन है।
सुधीर श्रीवास्तव ने बताया की सार्वजनिक संपति विरूपण एक्ट 1987 अभी रांची मे प्रभावी है क्योंकि यहाँ पर अभी चुनाव अधिसूचना जारी नहीं हुआ है। इस एक्ट के तहत कोई भी व्यक्ति किसी पार्टी का झंडा बैनर अपने घर या सार्वजनिक जगह पर नहीं लगा सकता है अगर अधिसूचना जारी होने के बाद व्यक्ति अपने घर और सार्वजनिक जगह पर झंडा बैनर को लगा सकते हैं।

महाराजा अग्रसेन भवन मे बहुउद्देशीय सभागार का हुआ उद्घाटन

अग्रवाल सभा सामाजिक एवं जनसेवा का उत्कृष्ट कार्य कर रहा है: ओम प्रकाश अग्रवाल

बिभा संवाददाता

रांची : अग्रवाल सभा द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन भवन मे बहुउद्देशीय सभागार का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित उद्घाटन समारोह मे बहुउद्देशीय सभागार का उद्घाटन अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने फीता काटकर एवं श्रीफल फोड़कर की।तत्पश्चात अग्रवाल सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया, पूर्व अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, विनोद कुमार जैन, पवन कुमार पोद्दार सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने श्री गणेशजी एवं महाराजा अग्रसेन जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प एवं प्रसाद चढ़ाकर सभागार का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उद्घाटनकर्ता ओमप्रकाश अग्रवाल ने बधाई देते हुए कहा अग्रवाल सभा विगत कई वर्षों से जनसेवा, कल्याणकारी, रचनात्मक एवं सामाजिक कार्यों को कर एक उत्कृष्ट पहचान बनाई

है। तथा बेहतर उल्लेखनीय कार्य कर रही है। तथा महाराजा अग्रसेन भवन को भी पूर्ण सुविधा युक्त बनाया है।
अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया ने कहा कि अग्रवाल सभा अग्रसेन भवन के आधुनिकरण हेतु निरंतर प्रयत्नशील है, इसी क्रम में भवन के आधार तल्ला मे एक बहुउद्देशीय सभागार का निर्माण कराया गया है। तथा और भी कई जन उपयोगी कार्य कराए जा रहे हैं।
समारोह की अध्यक्षता अग्रवाल सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया ने की संचालन- अग्रवाल सभा के मंत्री मनोज कुमार चौधरी ने तथा धन्यवाद- ज्ञापन पूर्व अध्यक्ष पवन कुमार पोद्दार ने की। कार्यक्रम मे सभी आगंतुक अतिथियों एवं अग्रसेन भवन के सभी कर्मियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।
उक्त जानकारी देते हुए अग्रवाल सभा के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर विनोद कुमार जैन, ललित कुमार पोद्दार,प्रमोद कुमार अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, मनोज चौधरी, पवन पोद्दार, अजय डीडवानिया, विजय खोवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, कमल खेतावत, संजय सर्राफ, कौशल राजगढ़िया, नरेश बंका, मनोज रूईया, शिवकुमार भावसिंहका, सुनील पोद्दार, राजकुमार मित्तल, विनोद टिबडेवाल ,सुरेश चौधरी, जितेश अग्रवाल, सुरेश पोद्दार, सौरभ बजाज, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

वीमेंस कॉलेज में आयोजित मतदान जागरुकता कार्यशाला में लॉन्च किया गया ऐंथम

बिभा संवाददाता

रांची : रांची वीमेंस कॉलेज का सभागार वोट करेगा रांची की आवाज से गूंज रहा था और कॉलेज की छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा था... मौका था, रांची वोटर्स ऐंथम की लॉन्चिंग का। श्री टू वन की काउंटिंग के साथ मतदाता जागरुकता कार्यशाला मं ऐंथम की लॉन्चिंग हुई। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची श्री राहुल कुमार सिन्हा, नोडल पदाधिकारी स्वीप-सह-उपविकास आयुक्त, रांची श्री दिनेश यादव, वीमेंस कॉलेज की प्रिंसिपल, प्रोफेसर, कॉलेज की छात्राएं एवं एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे।
जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि मतदाताओं को जागरुक करने और शहरी क्षेत्र में बेहतर मतदान प्रतिशत के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। उन्होंने कहा कि जिला की स्वीप टीम की ओर से मतदाताओं को जागरुक करने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। श्री राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि रांची के मतदाता एक वोट के महत्व को समझें, खुद भी वोट करें और अपने आसपास के लोगों को भी मतदान केन्द्र लेकर आयें। उन्होंने एक बार फिर से रांचीवासियों से अपील करते हुए कहा कि अब भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। 25 अप्रैल 2024 तक बीएलओ एवं वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर आवेदन दिया जा सकता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री राहुल कुमार सिन्हा कॉलेज की छात्रओं का उत्साह देखकर काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि आप एक कदम आप चलें, हम दो कदम चलेंगे। वोटरों से 25 मई 2024 को अच्छी तादात में अपने-अपने घरों से निकल वोट करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के पर्व में इस बार मिसाल कायम करें।
कार्यक्रम के दौरान वीमेंस कॉलेज की छात्रओं से नोडल पदाधिकारी स्वीप सह उप विकास आयुक्त श्री दिनेश कुमार यादव ने चुनाव प्रक्रिया से संबंधित सवाल भी पूछे। हर बार सवालों के जवाब जानने वाली छात्राओं की संख्या देखकर आला अधिकारी काफी प्रभावित हुए। सही जवाब देने वाली कई छात्रओं को उपहार भी दिया गया।
वीमेंस कॉलेज के सभी पात्र व्यक्ति एवं छात्राओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कर हो गया है। इस संबंध में कॉलेज की प्राचार्या ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री राहुल कुमार सिन्हा को घोषणा पत्र सौंपा। प्राचार्या ने बताया कि उनके कॉलेज में कार्यरत एवं अध्ययनरत सभी पात्र व्यक्तियों एवं छात्राओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कर लिया गया है। श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा इस पर खुशी जाहिर की गयी। उन्होंने कहा कि इसमें संबंधित बीएलओ का रोल महत्वपूर्ण रहा और भी शिक्षण संस्थानों में ऐसा किया जायेगा।
कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर कलाकारों द्वारा भयमुक्त एवं बिना प्रभावित हुए मताधिकार के इस्तेमाल का संदेश दिया गया। कलाकारों से अपनी प्रस्तुति से बताया कि मतदान स्वस्थ एवं स्वच्छ लोकतंत्र के निर्माण में अति महत्वपूर्ण है एवं वोटिंग डे पर मतदान अवश्य करें।
कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ भी दिलाई गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री राहुल कुमार सिन्हा ने सभी को लोकतंत्र के महापर्व में जिम्मेदार नागरिक होने के साथ मतदान करने की शपथ दिलाई।
आपको बतायें कि रांची वोटर्स ऐंथम को जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री राहुल सिन्हा एवं नोडल ऑफिसर स्वीप सह उपविकास आयुक्त श्री दिनेश यादव के मार्गदर्शन में तैयार किया गया। आवाज नेहा कौर एवं पार्थ गांधी की है जबकि क्रिएटिव डॉयरेक्शन शादाब हसन ने किया है।

संक्षिप्त खबरें

एसडीओ बेरमो ने की छापेमारी, कोयला लदा एक ट्रक भी किया जब्त

बोकारो : लोकसभा आम चुनाव 2024 को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देश पर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो श्री अशोक कुमार द्वारा नावाडीह के धतकीबेड़ा गांव में शनिवार तड़के छापेमारी की गई। इस दौरान भाड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारीत कोयला को जब्त किया गया। मौके से कोयला लदा एक ट्रक भी टीम द्वारा जब्त किया गया। ट्रक का पंजीयन संख्या बीआर 26 जी ऐ 4981 है। ट्रक को संबंधित थाने को सुपूर्द कर दिया गया है। संबंधितों के विरोध कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

छापेमारी में नावाडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री प्रशांत कुमार, अंचलाधिकारी श्री अभिषेक कुमार,कार्यपालक दंडाधिकारी एवं पुलिस जवान शामिल थे।

राहगीरों को राहत के लिए रोटरी क्लब चास ने प्याऊ की व्यवस्था किया

बोकारो : गर्मियों में जल पिलाना परोपकार संपत रोटरी क्लब चास ने चास में चल रही हीट वेव में राहगीरों को राहत देने की उद्देश्य से बाय पास रोड, चास में प्याऊ की व्यवस्था की। रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष ने कहा चास मुख्य बाजार होने के कारण बड़ी संख्या में यहां ग्रामीण खरीददारी करने आते हैं, परंतु भीषण गर्मी में उन्हें पीने के पानी की किल्लत झेलनी पड़ती है। पूजा ने कहा अब उन्हें परेशानी नही होगी। समाजसेवी संपत मल ने प्याऊ का शुभारंभ करते हुए जन-उपयोगी सेवा के लिए रोटरी क्लब चास की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के संयोजक धनेश बंका ने कहा की तेज धूप और गर्मी से परेशान लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। धनेश ने कहा कि अब राहगीरों को मटके का ठंडा पानी पीने को मिलेगा और उनका गला तर होगा। रोटरी क्लब चास की सचिव डिंपल कौर ने कहा कि रोटरी क्लब अपने कर्तव्य का पालन कर पथिको की सेवा कार्य कर रही है। डिंपल ने बताया कि यह अस्थाई प्याऊ गर्मी भर लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय बैद,मंजीत सिंह,बिनोद चोपड़ा,आनंद अग्रवाल,गणेश महतो,धनंजय शर्मा,मनोज चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

रामगढ़ पुलिस ने चोरी के तार के साथ टेंपो सहित दो को किया गिरफ्तार

रामगढ़: जिला के पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार को गुप्त सूचना मिली कि वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र से चोरी किए गए तार को टेंपो में लाद कर कुज्जू की ओर जा रहे हैं' पुलिस अधीक्षक ने इस सूचना पर कुज्जू ओपी प्रभारी को त्वरित करवाई करते हुए पकड़ने का आदेश दिया' पुलिस टीम नया मोड़ के निकट एक खड़े टेंपो को देखकर आगे बढ़ी' पुलिस को आता देख टेंपो लेकर भागने लगे' पुलिस की टीम ने पीछा कर टेंपो जे एच 24 सी 4145 को पकड़ा' पुलिस ने टेंपो पर से चोरी किए गए बिजली की तार को बरामद कर लिया है' पुलिस ने रोहित कुमार और मोहम्मद फिरोज नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने एक टेंपो और उसे पर लड़ा चोरी का तार बरामद किया है' गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से मोबाइल फोन जप्त किया गया है' गिरफ्तार मोहम्मद फिरोज का पुराना पुलिस में आपराधिक रिकार्ड दर्ज है' पुलिस के छापामारी दल में कुज्जू ओपी प्रभारी दिगंबर पांडे, अयोध्या प्रसाद और सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

कर्मचारी नेता ही एनजेसीएस में बैठे और गैर कर्मचारी नेता को प्लांट प्रवेश पर लगे रोकः प्रेम कुमार

बोकारो : भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ का एक बैठक बोकारो इस्पात संयंत्र के सीओ & सीसी विभाग के कैंटीन नंबर 1 में किया गया। बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र प्रसाद महतो और संचालन कमलेश कुमार ने किया संघ के महामंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि अब समय आ गया है कि एनजेसीएस में सिर्फ कर्मचारी नेता ही बैठे जो चुनाव जीतकर जाते हैं। मनोनीत सदस्य को। बैठने का इजाजत नहीं दिया जाय, सेल। प्रबंधन को यदि सुचारू रूप से प्लांट चलाना है तो ये बदलाव करना ही होगा। एनजेसीएस और नॉन एनजेसीएस के वैसे नेता जो कर्मचारी नहीं हैं, उनका प्लान घुसने पर प्रतिबंध लगाया जाए। इन्ही नेताओ के कारण नाईट शिफ्ट अलाउंस, एरियर एचआरऐ पर अब तक फैसला नही हो पाया। ये लोग निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं, जो कर्मचारियों के लीये नुकसानदेह हैं। ठेका मजदूरों के आश्रितों को भी नियोजन नीति में भी बदलाव किया जानी चाहिये। संघ लगातार मांग करते आ रही है। मुख्य रूप से। ये लोग उपस्थित रहे मधेस्वर पासवान, असगर इमाम, अमीर परवेज, राहुल कुमार, संतोष टाईगर, धीरेंद्र हेम्ब्रम, नुनूलाल टुडू, रूपेश मिश्रा, अरविंद लोहार, अजित कुमार, दीक्षित मरांडी, राजन कुमार, मंगल हेम्ब्रम, जगनाथ, रामनाथ, सिधु टुडू।

रामगढ़ पुलिस ने दो अपराधियों को हथियार के साथ किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस ने पतरातू थाना क्षेत्र से दो अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

पुलिस अधीक्षक डॉक्टर विमल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 अप्रैल को गुप्त सूचना मिला की जिला के पतरातू थाना क्षेत्र के सयाल क्षेत्र के कुछ अपराधी मोटरसाइकिल से उरीमारी क्षेत्र मैं किसी घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। घटना को अंजाम देने के बाद अपराध ही सयाल वापस लौट आएंगे । इस सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक ने पतरातू के पुलिस निरीक्षक योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया । इसके बाद सयाल उरीमारी चेक पोस्ट के निकट एंटी क्राइम चेकिंग चालू किया गया। इस दौरान एक हरे रंग के यामाहा मोटरसाइकिल जे एच 24 एल 0461 दो युवकों को आता देखा गया। दोनों ने जब पुलिस को देखा तो भागने लगे। पुलिस के द्वारा दोनों अपराधियों को पकड़ लिया गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार ने आगे बताया कि पकड़े गए अपराधियों से नाम पूछने पर एक ने अपना नाम राकेश कुमार उर्फ राजू पिता मनमोहन सिंह सयाल बताया गया। वहीं पकड़े गए दूसरे अपराधी ने अपना नाम प्रेम कुमार पिता स्वर्गीय बबलू राम सयाल बताया। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधी राकेश कुमार के पास से एक देशी पिस्तौल, जबकि प्रेम कुमार राम के पास से एक देसी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया। उनके यामाहा मोटरसाइकिल को भी जप्त कर लिया गया है । पुलिस के छापामारी दल में पतरातू के पुलिस निरीक्षक योगेंद्र सिंह,भुरकुंडा ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार,कुणाल कुमार और पुलिस बल शामिल थे।

लोकसभा चुनाव को लेकर बैंक प्रतिनिधियों/सीएसआर समिति के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी की बैठक

बिभा संवाददाता

रामगढ़: लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत 14 लोकसभा क्षेत्र हजारीबाग के लिए मतदान की तिथि 20 मई 2024 निर्धारित है। इस दौरान रामगढ़ जिले में लोकसभा आम निर्वाचन के सफल तथा स्वच्छ आयोजन को लेकर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने समाहरणालय सभाकक्ष में विभिन्न बैंक प्रतिनिधियों के साथ बैठक की वही इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त की अध्यक्षता में सीएसआर समिति की बैठक का भी आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के द्वारा रामगढ़ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पड़ने वाले बैंकों के प्रतिनिधियों से लोकसभा आम निर्वाचन के तहत मतदाता जागरूकता सहित अन्य विषयों पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उपायुक्त ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को उनके उनके क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केन्द्रों पर 20 मई 2024 यानी मतदान की तिथि के दिन दिव्यांग, बुजुर्ग सहित अन्य जरूरतमंद मतदाताओं का मतदान आसानी पूर्वक सुनिश्चित कराने को लेकर व्हीलचेयर सहित अन्य उपकरण उपलब्ध कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए वहीं उपायुक्त ने सीएसआर समिति की बैठक के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए एजेंसियों के अधिकारियों तथा प्रतिनिधियों से भी उनके द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता व नोडल पदाधिकारी मतदाता जागरूकता कोषांग सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक तिर्की के द्वारा निर्वाचन संबंधित महत्वपूर्ण विषयों, मतदाता जागरूकता आदि को लेकर आवश्यक जानकारियां सभी को दी गई। बैठक के दौरान वरीय पदाधिकारी कार्मिक कोषांग सह उप विकास आयुक्त ,जिला के वरीय अधिकारियों, विभिन्न एजेंसियों के पदाधिकारी, बैंक प्रतिनिधियों सहित अन्य उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय संस्कृत ओलंपियाड में डीपीएस बोकारो का ऐतिहासिक प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी कुशल मेधाविता का लोहा मनवाया है। इंटरनेशनल ओलंपियाड फाउंडेशन (आईओएफ) की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत ओलंपियाड में विद्यालय का ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता में पहली बार सर्वाधिक 85 छात्र-छात्राओं ने शानदार सफलता दर्ज की है। खास बात यह कि छह विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंक 1 पाई है और तीन को जोनल रैंक 1 मिली। इन्हें मिलाकर कुल 34 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने विद्यालय, बोकारो शहर एवं झारखंड का नाम गौरवान्वित किया है। इंटरनेशनल रैंक -1 पाने वालों में कक्षा छह से अदिरा दीप, सातवीं कक्षा के उज्ज्वल पांडेय, आराध्या सिंह एवं अवनी प्रियदर्शी तथा कक्षा 10 की प्राप्ति दास एवं अमोघ आनंद झा के नाम शामिल हैं। वहीं, कक्षा 8 के ओम प्रकाश पात्रा व संस्कृत सिंह तथा नौवीं कक्षा के छात्र कुणाल आनंद ने जोनल रैंक 1 हासिल की है। इन्हें गोल्ड मेडल, गोल्ड बैज, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट मिले हैं। इन विद्यार्थियों के अलावा प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक व गोल्ड बैज जीतने वालों में कक्षा 6 के कुंवर शौर्य व शशांक, कक्षा 7 से ऋध्वि, काव्या, आदित्य लाल, वंश राजवेद, अभिनीत महापात्रा, अक्षरा सिंह, शारदा नंदिनी व आरुष कुमार सिन्हा, कक्षा 8 से सौमिली मंडल, आयुषी श्री, अभिनव मंडल एवं पलक प्रिया, कक्षा 9 के अनिमेष आनंद, कक्षा 10 से अनुष्का प्रिया, मन्नत मनीष, आर्या सिंह, आरव यश, अर्पिता आर्या, तान्या श्री, शगुन वर्मा, शिप्रा सिंह, ऋद्धिम गुप्ता एवं आव्या सिंह के नाम शामिल हैं।

नौ दुकानों से कोटपा अर्थदण्ड के रूप मे 1150 रुपए वसूली

बिभा संवाददाता

बोकारो : चन्दनकियारी थाना क्षेत्र में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा- 2003) की धारा 4 व 6ए. 6 बी के तहत थाना प्रभारी सजल कुमार के निर्देशन में नियमित जांच अभियान के तहत जिला छापामारी दल के सदस्य मो० असलम के द्वारा चन्दनकियारी थाना क्षेत्र के चौक, हाईस्कूल चन्दनकियारी, नीचे मोहल्ला एवं चन्दनकियारी मार्केट क्षेत्र के कुल 43 दुकानों की जांच की गई जिसमें 9 दुकानों / व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लघंग करते हुये पाया गया जिनसे अर्थदण्ड के रूप में कुल 1150 रुपए अर्थदण्ड की वसूली की गई।

मो० असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो द्वारा बताया गया कि छापामारी के दौरान सभी दुकानों पर पाया गया कि लोग पोस्टर चिपका कर सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पाद का विज्ञापन कर रहे हैं जोकि कोटपा-2003 की धारा 5 के तहत प्रतिबंध है। छापामारी के दौरान सभी दुकानदारो को निदेशित किया गया कि जल्द से जल्द विज्ञापन वाले पोस्टर हटा दें अन्यथा कोटपा-2003 की धारा 5 के अन्तर्गत कानूनी कार्रवाई की जायेगी। कोटपा-2003 की धारा 5 क्या कहता है।

जिला परामर्शी के अनुसार कोटपा-2003 की धारा 6ए के तहत

सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले को 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू पदार्थ बेचना या बेचवाना कानूनन अपराध हैइ का पोस्टर अपने दुकान मे लगाना है लेकिन बहुत ही कम लोग इसका अनुपालन कर रहे है। साथ ही यह भी देखा गया कि बार बार दैनिक समाचार के माध्यम से सभी को अवगत कराया जा रहा है कि वह अपने दुकानो पर सिगरेट व तम्बाकू उत्पाद का प्रचार प्रसार का पोस्टर न लगायें फिर भी कुछ दुकानदार अभी भी दुकानों पर लगा रखें हैं उन्हें सावधान रहने का सुझाव दिया गया। गलोबल यूथ सर्वे 2019 के अनुसार 5.1 प्रतिशत ऐसे बच्चे है जो 13 से 15 आयु वर्ग में कोई न कोई तम्बाकू उत्पाद का उपयोग करते हैं। कोटपा अधिनियम-2003 की धारा 6ए व 6 बी क्या कहता है इस अवसर पर चन्दनकियारी थाना से छापामारी दल व स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो० असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम उपस्थित थे।

झारखंडनअभिभावक संघ के मांग पर शिक्षा विभाग ने की स्कूलों के समय पर बदलाव : महेंद्र राय

बोकारो : झारखंड अभिभावक संघ के बोकारो जिला अध्यक्ष महेंद्र राय ने कहा कि झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय द्वारा राज्य के शिक्षा सचिव से आग्रह किया था कि बढ़ते गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया जाए। आज शिक्षा सचिव द्वारा समय बदलाव की आदेश जारी की गई।महेन्द्र राय ने कहा कि पूरे राज्य में गर्मी के थपेड़े और गर्म हवा से आम लोग हलकान हैं ऐसे में राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन को बच्चो के स्वास्थ को ध्यान रखते हुए अपने-अपने तरीके से गर्मी का आकलन कर स्कूल बंद करने से लेकर समय में बदलाव किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अलग-अलग जिलों का तापमान में इतनी बढ़ोतरी हुई है की छोटे नौनिहालों को स्कूल भेज पाना मुश्किल सा प्रतीत हो रहा है। शिक्षा सचिव को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस आदेश से बच्चो के स्वास्थ को काफी लाभ मिलेगा जिस तरह लू बढ़ते जा रही थी बच्चो को जान का खतरा था।

जमीन कारोबारी के घर तीन राउंड फायरिंग, मौके से दो खोखा और एक जिंदा कारतूस मिला

बोकारो : सरस्वती नगर इलाके में बाइक सवार दो अपराधियों ने जमीन कारोबारी विनोद सिंह के घर के बाहर तीन राउंड फायरिंग की है। घटना बोकारो इलाके के चास थाना क्षेत्र की है। जांच के दौरान पुलिस को मौके से दो खोखा और एक जिंदा कारतूस मिला है। इस घटना को लेकर पीड़ित जमीन कारोबारी विनोद सिंह ने बताया कि वे जमीन का कारोबार करते हैं। जमीन विवाद के कारण इस घटना को अंजाम दिया गया है। विनोद सिंह ने बताया कि एक जमीन के मामले को लेकर उनका विवाद चल रहा है। पीड़ित बिनोद सिंह ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है और कहा कि जिस तरह से अपराधी घर पहुंचकर ऐसी घटना को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में पूरा परिवार दहशत में है। वहीं इस घटना को लेकर चास थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर खुर्शीद आलम का कहना है कि जिस वक्त फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया, उस समय घर में लगा हुआ सीसीटीवी बंद था, इसीलिए मामले की जांच की जा रही है।

वृद्ध महिला की मौत बहु पर पिटाई करने का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

बोकारो : बोकारो मे वृद्ध महिला की मौत उसकी बड़ी बहु के पिटाई कर देने के कारण उसकी मौत हो गई. मामला बोकारो के दुंडीबाग क्षेत्र की है दरअसल महिला ने अपने बड़े बेटे से इलाज के लिए पैसे की मांग की थी. घटना के बाद पुलिस ने मृतक महिला की बहु को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की सूचना मिलने के बाद इसकी जांच की जा रही है. मौत पिटाई से हुई है या फिर बीमारी से, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा. जानकारी के मुताबिक वृद्ध महिला का हार्ट का ऑपरेशन पूर्व में हुआ था. वह चेकअप कराने के लिए दोनों बेटों से एक हजार मांग रही थी. आज सुबह जब उसने पैसे की मांग की तो बड़ी बहू रेखा देवी ने उसके सीने में दो बार जोर से धक्का दे दिया. इसके बाद वह गिर पड़ी. इस घटना के बाद महिला अपने बड़े बेटे के दुकान में चली गई. उसके बाद मौके पर ही उसकी मौत हो गई. मृतक महिला के बेटे और पति ने बड़ी बहू पर पिटाई करने का आरोप लगाया है और कहा है कि इसकी पिटाई से ही हेमंती देवी की मौत हुई है.

चास बीडीओ व सीओ के पहल पर घटियाली में दोनों पक्षों के साथ हुई बैठक

बिभा संवाददाता

बोकारो : चास बीडीओ डॉ प्रदीप कुमार, सीओ दिवाकर दूबे तथा पुलिस निरीक्षक चास एवं थाना प्रभारी के पहल पर रामनवमी पर्व के दौरान चास प्रखंड के दो पक्षों में हुए विवाद का पटापेक्ष शुक्रवार को हो गया. पंचायत भवन में देर शाम दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई. दोनों पक्षों ने पिछले दिनों हुई घटना पर दुख जताया. कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था. इस तरह की कोई भी घटना भविष्य मेंटित नहीं होगी. इसके लिए दोनों पक्षों ने प्रशासन को आश्वस्त किया.

बैठक में दोनों समाज के सात-सात लोग शामिल थे. समाज का प्रतिनिधितत्व कर रहे हाजी हबीब एवं रवि केवट दोनों ने एक-दूसरे को गलें लगाकर, सौहार्दपूर्ण माहौल में एक बार फिर से सभी मिल- जुलकर रहने की बात स्वीकारी. चास सीओ, बीडीओ और पुलिस निरीक्षक चास तथा थाना प्रभारी ने कहा कि गांव का माहौल सामान्य है. सभी अपने-अपने दिनचर्या में लौट आएं हैं. कहीं कोई तनाव की बात नहीं है. सभी आपसी भाईचारे के साथ समय व्यतीत कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि, पिछले दिनों रामनवमी जुलूस के दौरान किसी बात को लेकर कुछ विवाद दोनों पक्षों में हो गया था. हालांकि, प्रशासन की तत्परता एवं समाज के लोगों के सहयोग से स्थिति तुरंत नियंत्रण में आ गई थी, जो वर्तमान में सामान्य हैं.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रामगढ़: लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत 14 लोकसभा क्षेत्र के लिए मतदान की तिथि 20 मई 2024 निर्धारित है। इसी क्रम में रामगढ़ जिले में सफलतापूर्वक, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराने, मतदान केन्द्रों पर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए सभी तरह की आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा निर्वाचन के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में बनाए जाने वाले इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम को लेकर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक रामगढ़ डॉक्टर बिमल कुमार के साथ रामगढ़ जिला अंतर्गत चितरपुर, गोला सहित अन्य क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों, विभिन्न विद्यालयों आदि का निरीक्षण किया। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक रामगढ़ द्वारा इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निदेर्शों के आलोक में भवन में उपलब्ध कमरों की संख्या, शौचालय, जलापूर्ति, विद्युत सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया वहीं उनके द्वारा संबंधित अधिकारियों को केंद्र को इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूप के रूप में तैयार करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए वहीं उन्होंने क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केन्द्रों में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का भी जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मतदान की तिथि के दिन सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं केंद्र पर सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी, संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

संत जेवियर्स में मेधावी छात्रों को एचीवर्स डे आयोजित कर दिया गया सम्मान

बिभा संवाददाता

बोकारो : संत जेवियर्स विद्यालय में 16 से 19 अप्रैल तक सत्र 2023 - 24 के प्रथम , द्वितीय , तृतीय , समग्र रूपेण अव्वल , साथ ही खेलकूद में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने वालों के लिए एचिवर्स डे के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्राथमिक इकाई , द्वितीय चरण में मध्य इकाई एवं तृतीय चरण में उच्च इकाई एवं ग्यारहवीं के उन मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर उनके मनोबल को बढ़ाया गया जिन्होंने अपनी कक्षा में शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त की इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के माता-पिता भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के पहले दिन प्राथमिक स्तर के बच्चों को पुरस्कृत किया गयो कार्यक्रम की शुरूआत छोटे बच्चों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक से की गई जिसमें वह बचपन के लड़कपन ,भोलेपन एवं माता-पिता के प्रति स्नेह को बात करते हैं कि कैसे आजकल के आधुनिक जीवन में बच्चों का बचपन व्यर्थ होता जा रहा है क्योंकि उनके माता-पिता अपने जीवन में ज्यादा व्यस्त हैं और बच्चों को समय नहीं दे पाते , जिसकी वजह से बच्चे अकेलेपन का शिकार होते जा रहे हैं। इस नाटक ने अभिभावकों के मन को छू लिया और एक लोक संदेश पहुँचाया। इसके पश्चात बच्चों को पुरस्कृत किया गया जिसमें कक्षा प्रेप में समग्र रूपेण प्रथम स्थान श्रेयांशी कुमारी ने अर्जित किया, कक्षा एक में प्रथम स्थान संस्कृति कुशवाहा ने तथा कक्षा द्वितीय में प्रथम स्थान वशिष्ठ नारायण ने अपने नाम किया। अचीवर्स डे के दूसरे दिन कक्षा तृतीय में समग्र रूप से अव्वल विद्यार्थियों में भव्या रंजन एवं ऋषित राज टोप्पो , कक्षा चतुर्थ से आदर्श प्रसाद , कक्षा पंचम से आभास कुमार गंझू एवं कक्षा षष्ठी से शुभजीत दत्ता समग्र रूप से अव्वल होकर अपने माता-पिता व शिक्षकों को गर्वित महसूस कराया। कार्यक्रम की तीसरे चरण में उच्च इकाई के विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया जिसमें कक्षा सातवीं से समग्र रूप प्रथम स्थान सुंदरम रंजन ने अपने नाम किया , कक्षा आठवीं से आरुष सिंह एवं कक्षा नवीं से अनन्या ने तथा कक्षा ग्यारहवीं के दीप्तेश गुप्ता समग्र रूपेण प्रथम स्थान अर्जित किया ।

संक्षिप्त खबरें

कड़िया मुण्डा को जन्मदिन पर अर्जुन मुंडा समेत अनेक लोगों ने दी बधाई

खूँटी । लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष व भारत सरकार में कई बार केंद्रीय मंत्री रहे खूँटी के आठ बार सांसद रहे कड़िया मुण्डा आज 88वर्ष आयु के होकर 89वाँ वर्ष के लिए आगे बढ़े। वहीं कड़िया मुण्डा को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा उनके घर जाकर जन्मदिन की बधाई दी। और उनके स्वास्थ्य के साथ दिघार्यु की कामना की। वहीं दिनभर देश के कई एक नेताओं ने जन्मदिन पर उन्हें बधाई दिया। राजनीति के पुरोधा रहे सामाजिक कार्यकर्ता आज भी समाज के बीच कार्य करने के लिए सक्रिय हैं। मौके पर बातचीत के क्रम में कड़िया मुण्डा ने कहा कि चुनाव की स्थिति पहले की अपेक्षा आजकल गड़बड़ हो गयी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का काम अलग है और केंद्र सरकार का काम अलग। राज्य सरकार का काम है कि क्षेत्र क विकास करना और केंद्र सरकार उस क्षेत्र के विकास के लिए फण्ड देती है। कुछ विंदुओं पर ही केंद्र सरकार सीधे किम करती से । लेकिन विपक्ष विकास किम नहीं करके दिग्भ्रमित करती है और सच बोलना नहीं चाहती है। राज्य सरकार काम नहीं की और फिर विकास नहीं होने की बात नहीं करती है। विधानसभा व लोकसभा में अंतर कोई समझना और समझाना नहीं चाहता है। इस मौके पर, भीमसिंह मुण्डा, छोटराय मुण्डा, विनोद प्रसाद सोनी, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, विनोद भगत, संतोष जायसवाल, ज्योतिष भगत, महेंद्र भगत, रमेश मांझी, परिमल घोष, उर्मिला देवी, रुक्मिला सारु, बासमती देवी लक्ष्मी बाखला सुदर्शन भोगता राजन मुण्डा आदि अनेक लोगों ने बधाई देकर शुभकामना की।

अर्जुन मुण्डा ने स्व दुर्गा भगत व स्व जानकी साव के परिजनों से मिले बंधाया ढांढस

खूँटी । भाजपा के दो कार्यकताओं के निधन की जानकारी पाकर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने शनिवार शाम उनके आवास पहुँचे व परिजनों को ढांढस बंधाया। जिसमें भाजपा के पुराने कार्यकर्ता रहे बाबा आग्रेश्वर धाम के संस्थापक सदस्य रहे स्व दुर्गा भगत के आवास पहुँचे व परिजनों से मुलाकात की। वहीं रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष स्व जानकी साव के घर खूँटी पहुँचे व परिजनों से जानकारी ली? व ढांढस बंधाया। मौके पर, जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, ज्योतिष भगत, संजय साहू, कैलाश महतो आदि अनेक भाजपा कार्यकर्ता साथ थे।

लोकसभा चुनाव का 04 अभ्यर्थियों ने खरीदा प्रपत्र

खूँटी । लोकसभा निर्वाचन में चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों का चुनावी मैदान में उतरने का सिलसिला जारी है। वहीं क्षेत्र में कुल 04 अभ्यर्थियों के द्वारा नाम निर्देशन प्रपत्र की खरीद की गयी। जिसमें झारखंड पार्टी उम्मीदवार अपर्णा हंस , भारत आदिवासी पार्टी उम्मीदवार बबीता कच्छप, अम्बेदकराईट पार्टी ऑफ इण्डिया के उम्मीदवार सामुएल पूर्ति और निर्दलीय प्रत्याशी बसंत कुमार लोंगा ने अपने चुनावी उम्मीदवार के लिए अभ्यर्थी प्रपत्र खरीदा है। इस प्रकार अब तक कुल दो राष्ट्रीय पार्टी समेत 12 लोग चुनावी दंगल में भाग्य आजमाने के लिए नामांकन प्रपत्र खरीदा है।

वृद्धजनों को मतदान करने के लिए चलाया गया जन-जागरण

खूँटी । जिले भर में आंगनबाड़ी सेविकाओं ने वृद्ध जनों के बीच मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर मतदाताओं को जागरूक किया। अभियान का उद्देश्य है कि शत प्रतिशत बुजुर्ग मतदाताओं को जोड़ा जाय। हम सभी को मतदान के प्रति सजग और जागरूक बनने की आवश्यकता है। एक सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में मतदान के महत्वों को साझा किया गया। साथ ही सभी ने मतदाता जागरूकता प्रतिज्ञा ली। जिले भर में विशेष रूप से बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

आज से होगा पंचमुखी हनुमान मंदिर वर्षगाँठ का दो दिवसीय अनुष्ठान कार्यक्रम

रनिया । पंचमुखी हनुमान मंदिर कोटांगेर का दूसरा वर्षगाँठ 21और 22 अप्रैल को मनाया जाएगा। वर्षगाँठ की तैयारी को लेकर मंदिर समिति के सदस्यों का बैठक मंदिर परिसर में आयोजित हुआ। बैठक मौजूद सदस्यों के द्वारा कार्यक्रम का रूपरेखा तैयार किया गया।बताया गया की 21अप्रैल को हजारों श्रद्धालु भक्तों के मौजूदगी में कलश यात्रा कोयल नदी से प्रारंभ होकर मंदिर परिसर तक पहुँचेगी।साथ ही, अखंड हरि कीर्तन प्रारंभ होगा। वहीं कार्यक्रम के दूसरे दिन 22 अप्रैल दिन सोमवार को अखंड हरी कीर्तन का समापन एवं महाप्रसाद का वितरण श्रद्धालु भक्तों के बीच किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा द्वितीय वार्षिक उत्सव में खूंटी सिमडेगा गुमला पश्चिमी सिंहभूम सहित विभिन्न जिलों के कीर्तन मंडलीय भाग लेंगे।

संस्कृति का सम्मान करना आदिवासी समाज का है पहचान : अर्जुन मुण्डा

बिभा संवाददाता

तोरपा । प्रखंड क्षेत्र के मरचा में पंचायत स्तरीय सरहुल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि खूँटी सांसद सह केंद्रीय कृषि कल्याण एवं जनजाति मामले मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए। अर्जुन मुंडा सहित कार्यक्रम में पहुँचे मुख्य अतिथि का स्वागत आयोजन समिति के सदस्यों के द्वारा सखुआ फूल देखकर व गमछा ओढ़ाकर मंदिर की थाप में सरहुल गीत गाकर किया गया। मौके पर मरचा पंचायत के विभिन्न टोला से पहुंचे मंडलियों को द्वारा सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। अर्जुन मुंडा ने सरहुल मिलन समारोह में पहुँचे पाहन व पुजार को

अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और सरहुल की शुभकामना देते हुए अपने संबोधन में कहा कि पूर्वजों की परंपरा जल जंगल व जमीन से जुड़ी है।हमारी संस्कृति का सम्मान करना आदिवासी समाज का पहचान है। जंगल के निकट के क्षेत्र में आदिकाल से आदिवासी समाज के लोग रहकर अपना जीवन यापन करते रहे हैं। जल जंगल व जमीन हमारे जीवन का आधार है। जंगल हमें जीवन जीने का ऑक्सीजन देता है। यह धरती हमें माता के रूप में मिली है। मौके पर मंत्री ने कल्याणकारी योजना की जानकारी लोगों के बीच साझा किया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, नीरज पाढ़ी, बृजेंद्र हेंब्रम अरुण चंद्र गुप्ता, निखिल कंडोला केशव कुमार भूपेंद्र कुमार नारायण साहू, राजन मुंडा, शशांक शेखर राय, दीपक तिग्गा, संतोष जायसवाल, नीरज जायसवाल, आशुतोष सिंह, कारण रजक आदि अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा बड़ाईक के द्वारा किया गया।

मुरहू के सरहूल मिलन समारोह में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा लेंगे भाग

खूँटी । मुरहू में आज सामुहिक सरहूल मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें जनजातीय समुदाय के हजारों लोग उपस्थित होंगे । मौके पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी इस जनजातीय धार्मिक पर्व के मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। जिसमें पाहनों द्वारा विधि विधान से सारजोम बहा का पूजा अर्चना किया जाएगा। इस दौरान प्रकृति के अनुपम वरदान को यह ईस्वर के प्रति कृतज्ञता न्यौछावर करते हुए नाच गान किया जाएगा। जिसमें जनजातीय परम्परा परिधान में ढोल नगाड़ों के साथ नाच गान व शोभायात्रा निकाला जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के उपस्थिति की जानकारी सांसद प्रतिनिधि महेश चौधरी ने दी।

पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया खतरों से निपटने का प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी लोकसभा आम चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय खूंटी के सभागार में शनिवार को क्रमवार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें चुनाव के दौरान पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों को सुरक्षा से सम्बंधित जरुरत पड़ने वाले कार्य के निष्पादन करने के तरीकों की जानकारी दी गई। एसपी अमन कुमार ने बताया कि आगामी लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर पुलिस प्रशासन स्वयं और जनता को खतरों से बचाव के लिए क्या क्या तैयारियाँ होनी चाहिए। इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें क्रमवार प्रशिक्षण चल रहा है। वहीं मौके पर, चिकित्सकों द्वारा चुनाव में अकस्मात घटना होने पर प्राथमिक चिकित्सा करने की जानकारी दी गयी। जिसमें सीआरपीएफ के एक्सपर्ट द्वारा

आई0ई0डी0 से बचाव के तरीकों की जानकारी दी गयी ताकि किसी बड़ी वारदात होने पर उसके खतरे से भी बचाया जा सके। इसी क्रम में आदर्श आचार संहिता से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें जिलेभर के सभी थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोकसभा निर्वाचन का एग्जिट पोल को लेकर किया गया दिशा-निर्देश जारी

खूँटी । भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार 19 अप्रैल शुक्रवार को पूर्वाह्न 07:00 बजे और प्रथम जून शनिवार को अपराह्न 06:30 बजे की अवधि के दौरान लोकसभा के साधारण निर्वाचन और इसके साथ आयोजित करवाए जाने वाले विभिन्न विधानसभाओं के निर्वाचन तथा उप-निर्वाचनों के संदर्भ में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने और प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से उसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। अधीन उपर्युक्त साधारण निर्वाचनों एवं उप-निर्वाचनों के संबंध में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाली 48 घंटों की अवधि के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर भी प्रतिबंध रहेगा।

अर्जुन मुंडा 23 अप्रैल को करेंगे पर्चा दाखिल, भाजयुमो ने की बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अर्जुन मुंडा 23 अप्रैल को खूँटी लोकसभा सीट से पर्चा दाखिल करेंगे। इसे लेकर कार्यकताओं में उत्साह है। 23 अप्रैल को ऐतिहासिक बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह खूंटी आनेवाले हैं। वहीं खूँटी जिला से काफी संख्या में कार्यकर्ता जुटेंगे। 23 अप्रैल की तैयारियों को लेकर शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के खूँटी जिलाध्यक्ष राजेश महतो की अध्यक्षता में तोरपा में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रभारी अमिताभ सेनापति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा के पर्चा दाखिल करने और लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। मौके पर अमिताभ सेनापति ने कहा कि खूँटी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे गाँव-गाँव में जाएँ और मोदी सरकार की उपलब्धियाँ गाँव के लोगों को बतलाएँ। साथ ही बताएँ कि नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए क्या-क्या काम किया है। भाजयुमो के जिलाध्यक्ष राजेश महतो ने कहा कि पार्टी के युवा पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ काम में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमें खूँटी से एक कमल नरेंद्र मोदी को देना है। बैठक में जिला महामंत्री दीपक तिग्गा , उपाध्यक्ष सत्यम मिश्र, जिला आईटी सेल प्रभारी सुमित जायसवाल, चेपा मुंडा, तोरपा मंडल अध्यक्ष नीरज जायसवाल, खूँटी नगर मंडल अध्यक्ष शुभम जायसवाल, गोविंदपुर मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता, आशुतोष कुमार सहित अन्य भाजयुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अफीम डोडा व शराब के साथ दो विभिन्न स्थानों से पकड़े गए दो लोग गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शुक्रवार को मुरहू थाना क्षेत्र के पसराबेड़ा के निकट अपराध कार्य के विरुद्ध जाँच अभियान चलाया गया । इसी क्रम में मोटरसाईकिल नं0- जेएच 01बीए-2410 पर सवार व्यक्ति पसराबेड़ा निवासी पोगरो मुण्डा को अवैध 40 लीटर महुआ शराब चोरी-छुपे परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जिसके आधार पर मुरहू थाना कांड सं0-32/24 धारा 272/273 एवं 47 (ए) उत्पाद अधिनियम दर्ज किया गया और शनिवार को गुप्त सूचना के आधार पर वरीय पदाधिकारी के निदेर्शानुसार मुरहू थाना क्षेत्र के ग्राम-जाते मधु टोली, निवासी

विलियम बोदरा के घर छापामारी कर करीब 960 ग्राम अफीम एवं 65 कि०ग्रा० डोडा बरामद किया गया। जिसके आधार पर मुरहू थाना कांड सं0-33/24 पर 15(सी)/17(सी)/18(बी)/22/25 धारा दर्ज किया गया। साथ ही, दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस छापामारी दल में मुरहू थाना प्रभारी पु०अ०नि० नायल गोडवीन केरकेट्टा, पु०अ०नि० रौशन कुमार, मुरहू थाना सशस्त्र बल एवं सैट-117, जैप-07 शामिल थे।

मुरहू के उत्कृष्ट विद्यार्थियों का बेहतर प्रदर्शन पर प्रखंड विकास पदा. ने किया सम्मानित

खूँटी । झारखंड अधिविध परिषद् द्वारा आयोजित मैट्रिक के परीक्षा में सभी टॉपर छात्र छात्राओं को ट्रॉफी एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी उपस्थित रहे। इस दौरान कोचिंग सेंटर में पढ़नेवाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिसमें छात्रा जरीन परवीन 441(88.20%) लाकर कोचिंग टॉपर बनी, स्वर्णलता नाग 410(82%) तथा साहिल बोदरा 402(80.40%) अंक अर्जित कर कोचिंग के टॉप 3 में शामिल रहे। मौके पर सभी छात्र छात्राओं के साथ साथ शिक्षिका रिया एवं सावित्री मौजूद थे। यह जानकारी संस्थान के सकलदीप भगत ने दी।

मुरहु में सजा खाटू श्याम का भव्य मनमोहक दरबार

बिभा संवाददाता

खूँटी । मुरहू के प्रखण्ड के शारदा साबू जी के आवासीय प्रांगण में शनिवार को खाटू श्याम जी का मनमोहक दरबार सजा। इस दौरान आधी रात तक चिरकुंडा आसनसोल रामगढ़ के कलाकारों ने भजन गायकों द्वारा भजन गायन के लय से लोगों को आनन्द विभोर कर दिया। इस दौरान लोग भजनों की धुन पर खूब झूमें। शारदा साबू ने कहा कि हम ही केवल नहीं बल्कि पूरे जीवमंडल ईश्वर की कृपा से है। हमें उनके इन सुकृत्य पर उपकार मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे धर्म अनुष्ठान करने से मन को शांति तो मिलती ही है। साथ ही घर में सुकर्म का वाश होता है। ? वहीं अंत में आरती गायी गयी। मौके पर, भजन संध्या

में सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। वहीं इस धार्मिक कार्यक्रम साथ भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख अरुण साबू , शारदा साबू , श्याम सुंदर माहेश्वरी सरला साबू पुरुषोत्तम साबू ओम साबू अंजू साबू विककी साबू अरुण साबू शंकर साबू, विहान साबू, उत्सव साबू आदि सारे परिवार ने भूमिका निभाई।

पत्नी के दूसरी शादी की बात सुनकर सूरज ने फंदे में झूलकर दी जान

खूँटी । एक नवविवाहिता ने अपने माँ पिताजी की खोज से दूसरी शादी करने के लिए तैयार हो गयी। वहीं युवती का शादी दूसरे लड़के से ठीक कर लिया गया तो उसके पति ने अपने खूँटी के पीढ़ीटोली स्थित डेरे के कमरे में फंदा डालकर आत्महत्या कर लिया। घटना शुक्रवार रात की है। जो मुरहू थाना क्षेत्र के दरला गाँव निवासी दीनेंद्र नाथ कर का 22 वर्षीय पुत्र सुरज कुमार कर ने ऐसी बात सुनी तो उससे रहा नहीं गया और देर शाम घर में ही फाँसी लगा ली। सूरज की शादी खुशी नाम की लड़की से सभी के रजामंदी से हुई थी। लेकिन खुशी अपने मैके चली गयी थी। इसी क्रम में उसकी शादी एक लड़के से ठीक कर दिया गया । जिसकी जानकारी सूरज और उसके परिवार को मालूम चला तो इसी क्रम में सूरज व्यथित हो गया और घर में फाँसी लगाकर अपनी जान दे दी। वहीं घर के लोग व अन्य लोग उसे फंदे से उतारा और सदर अस्पताल ले गये। तब तक सूरज की जान जा चुकी थी। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया । वहीं खूँटी पुलिस द्वारा शनिवार को शव का यूडी काण्ड दर्ज करते हुए पंचनामा लिखकर अन्त्यपरिक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया। वहीं दर्रा गाँव में मातम छाया हुआ है।

मैट्रिक प्रखण्ड टॉपर अड़की का कर्ण बना अनाथ जयप्रकाश मुंडा

चिकित्सक बन अड़की प्रखण्ड में चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ करना चाहता है कर्ण

बिभा संवाददाता

खूँटी । सुकर्म व मेहनत के साथ साधना लक्ष्य प्राप्त करने में सार्थक सिद्ध होता है ऐसा ही एक अड़की प्रखण्ड का विद्यार्थी महाभारत का कर्ण साबित हुआ। जिसके भी माँ पिताजी का साथ उसके साधना काल में ही साथ नहीं रहे। इस प्रकार कहा जाता है कि जिनके हौसले बुलंद होते हैं उन्हें कोई भी बाधा नहीं रोक सकता है। इस प्रकार कृष्ण बल्लभ उच्च विद्यालय का छात्र जयप्रकाश मुंडा ने माँ बाप का साया नहीं होते हुए भी कड़ी मेहनत से प्रखंड टॉपर बनने का उपलब्धि हासिल किया। जयप्रकाश मुंडा आगे चलकर चिकित्सक बनने का सपना देखा है। जिसके माँ पिताजी का असमय मृत्यु हो गया। इसलिए वह अपने प्रखंड क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ करके सूवा देने का विचार

रखता है। जयप्रकाश मुंडा ने कहा कि बड़ा होकर चिकित्सक बनेगा और अड़की के सुदूरवर्ती लोगों के लिए सहयोगी बनेगा।

वहीं बिरसा उच्च विद्यालय जोजोहातु की अमिषा नायक ने 89% अंक के साथ दूसरे एवं उत्क्र० उच्च०वि० सिंदरी के संदीप अहीर ने 88.8% अंक लाकर तीसरे टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। मैट्रिक परीक्षा में इस बार भी अड़की प्रखंड के विद्यार्थियों परीक्षा परिणाम शानदार रहा। जिसमें पूरे प्रखंड में 88.98 प्रतिशत विद्यार्थियों ने विभिन्न श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में 02% परीक्षाफल

में गिरावट देखी गई। प्रखंड क्षेत्र के सभी 13 उच्च विद्यालयों के 481 छात्र-छात्राओं ने इस वर्ष परीक्षा लिखे थे। जिनमें 180 परिक्षार्थी प्रथम श्रेणी, 218 द्वितीय श्रेणी एवं 30 परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण किया। वहीं 11 परीक्षार्थी अनुतीर्ण हो गये। बोर्ड परीक्षा में सबसे बेहतर प्रदर्शन कृष्ण बल्लभ उच्च विद्यालय अड़की का रहा। परीक्षा में सम्मिलित हुए सभी 48 विद्यार्थियों में 20 प्रथम श्रेणी 21 द्वितीय श्रेणी एवं 03 तृतीय श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। इसी तरह आवासीय उच्च विद्यालय हूँट के 16 छात्रों ने परीक्षा दी जिनमें 10 प्रथम श्रेणी 06

द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण रहे। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के 69 छात्राओं में 36 प्रथम श्रेणी 32 द्वितीय श्रेणी एवं एक तृतीय श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। सोनिया कुमारी को सर्वाधिक 81.8% अंक प्राप्त हुए। प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय के 29 में से 7 प्रथम श्रेणी से 18 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण किये। इसी तरह उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिंदरी के 92 छात्र छात्राओं में 37 प्रथम श्रेणी 46 द्वितीय श्रेणी एवं 1तृतीय श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। संदीप अहीर को 88.8% अंकों के साथ विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त हुए। उत्क्रमित उच्च विद्यालय पूरनानगर से 36 परीक्षार्थियों में 10 प्रथम व 23 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। उत्क्रमित उच्च विद्यालय डोरेया के 10 परीक्षार्थियों में 2 प्रथम, 5 द्वितीय एवं एक तृतीय श्रेणी से जबकि उत्क्रमित उच्च विद्यालय तूबिल के 25 परीक्षार्थियों ने 2 प्रथम, 11 द्वितीय एवं 4 तृतीय श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। जनजातीय आवासीय उच्च विद्यालय उलीहातू के 22 छात्रों में 10 प्रथम, 8 द्वितीय एवं 4 तृतीय श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। बिरसा उच्च विद्यालय जोजोहातु के 108 छात्र-छात्राओं में 49 प्रथम, 56 द्वितीय एवं 2 तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। मॉडल स्कूल अड़की के 5 परीक्षार्थियों में 4 प्रथम एवं 1 द्वितीय श्रेणी से, उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोटा के 21 छात्र-छात्राओं में 13 प्रथम व 8 द्वितीय श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण किया। इसी तरह उत्क्र० उच्च० विद्यालय हूँट के 5 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें 5 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए।

दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया महावीर स्वामी ने!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

जैनियों के आचार-विचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढिवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती।

तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्होंने एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया।उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो हैं- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। सभी जैन मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका को इन पंचशील गुणों का पालन करना अनिवार्य है। महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया।भगवान महावीर का जन्म तकरीबन ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था। महावीर को वीर, अतिवीर और सन्मति भी कहा जाता है। यद्यपि उनकी धर्मयात्राओं का ठीक वर्णन कहीं नहीं मिलता तो भी उपलब्ध वर्णनों से यही विदित होता है कि उनका प्रभाव विशेष रूप से क्षत्रियों और व्यवसायी वर्ग पर पड़ा, जिनमें शूद्र भी बहुत बड़ी संख्या में सम्मिलित थे।समाज मे अहिंसा, सद्भावना, सत्यता और सात्विकता का संदेश देकर समाज को समर्द्ध बनाने वाले महावीर स्वामी ने अपने जीवन में पूरे समाज को हमेशा सन्मार्ग दिखाया है। उन्होंने हमेशा जियो और जीने दो का संदेश दिया। जैन धर्म के लोग ही नही अपितु सर्वसमाज के लोग की जयंती को बहुत धूमधाम और व्यापक स्तर पर मनाते हैं। उन्होंने हर भक्त को अहिंसा, सत्य अचौर्य, बह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करने को कहा है।महावीर स्वामी ने कहा है कि मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म अहिंसा है। अतः हमें हमेशा जियो और जीने दो के संदेश पर कायम रहना चाहिए।महावीर ने हमें स्वयं के दोषों से लड़ने की प्रेरणा दी है। वह कहते हैं- स्वयं से लड़ो, बाहरी दुश्मन से क्या लड़ना? वह जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी।मनुष्य की आत्मा अपने आप में सर्वज्ञ (परिपूर्ण) और आनंदमय है। आनंद को कभी बाहर से

प्राप्त नहीं किया जा सकता। आत्मा अकेले आती है और अकेले चली जाती है, न कोई उसका साथ देता है और न ही कोई उसका मित्र बनता है।के हमेशा दुखी होने की वजह खुद की गलतियां ही हैं, जो मनुष्य अपनी गलतियों पर नियंत्रण पा लेता है। वही मनुष्य सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है।जीवित प्राणी के प्रति दयाभाव ही अहिंसा है। घृणा से हम ना केवल अपना विनाश करते हैं बल्कि दूसरों के लिए भी कष्टकारी हो सकता है।

महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उसको भी नम्रता और मधुरता से ही समझाते थे। इससे परिचय हो जाने के बाद लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे

महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव कितने ही क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां पर इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किये गये हैं। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध महाराज चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयायी बन गये थे और उन्होंने दक्षिण भारत में आकर जैन मुनियों का तपस्वी जीवन व्यतीत किया था।

उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। इसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों ने जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में बहुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिंदुओं में मिल जुल गये।

महावीर स्वामी का सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा का है, जिनके समस्त दर्शन, चरित्र, आचार-विचार का आधार एक इसी अहिंसा सिद्धांत पर है। वैसे उन्होंने अपने अनुयायी प्रत्येक साधु और गृहस्थ के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक बताया है, पर इन सबमें अहिंसा की भावना सम्मिलित है। इसलिए जैन विद्वानों का प्रमुख उपदेश यही होता है- अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही परम ब्रह्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है। अहिंसा जैनाचार का तो प्राण ही है।

जैनियों के आचार-विचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढिवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती। यद्यपि अहिंसा का प्रतिपादन सभी धर्मोपदेशकों ने अपने-अपने ढंग से किया है, पर जिस प्रकार महावीर और बुद्ध ने अहिंसा पर सबसे अधिक बल देकर उसी को अपने धर्म का मूलमंत्र बनाया, ऐसा किसी अन्य धर्म संस्था ने नहीं किया और यही जैन धर्म की विशेषता भी बनी।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

भरोसे का आधार

सर्वोच्च न्यायालय ने लोक सभा सभा के प्रथम चरण के मतदान से एक दिन पहले चुनावी मशीन की विसनीयता के बारे में यही कहा। एडीआर और अन्य की तरफ से जारी जनहित याचिकाओं पर दूसरे दिन सुनवाई करते हुए ईलेक्ट्रिक वोटिंग मशीन पर संदेह जताने को सही नहीं बताया। इस पर फैसला अभी आना है। पर इन टिप्पणियों से ईवीएम पर न्यायालय के रु ख का पता चलता है। स्वदेश निर्मित ईवीएम मशीन से चुनाव बीसवीं सदी के नौवें दशक से ही कराया जा रहा है। इसके पहले, 1982 में केरल की परवूर विधानसभा उपचुनाव में उसे कुछ बूथों पर आजमाया गया था। इसकी खामियों को दुरु स्त कर इसे प्रयोग-सक्षम बनाया गया। ईवीएम के जरिए यूपीए ने दो आम चुनाव जीते हैं और केंद्र में उनकी दो सरकारें बनी हैं। इसके पहले एनडीए की भी सरकार बनी है।

विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव ईवीएम से ही हुए हैं। इसके बावजूद हारे हुए दल या गठबंधन हर आम चुनाव के वक्त ईवीएम को हटाने या उसे वीवीपीएटी से लैस करने की मांग चुनाव आयोग से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक करते रहे हैं। आयोग की तरफ से हर चुनाव के पहले उनके समक्ष ईवीएम के फूलप्रूफ डेमो के जरिए चिंताओं के निराकरण के बावजूद सवाल उठाते रहना एक रस्मी कवायद है। उनका आरोप होता है कि इसमें डाले गए वोट भाजपा को मिलते हैं। पहले के कुछ उदाहरण इसकी तस्दीक भी करते थे पर यह तो मशीनी गड़बड़ी हो सकती थी। अब तो इसमें पर्याप्त सुधार किया गया है। तभी तो सर्वोच्च न्यायालय ने चार करोड़ टेस्टेड डेटा पर अपना भरोसा जताया है। यह सही भी है। ऐसा नहीं होता तो यूपीए ही लगातार जीतता होता या एनडीए का राज बदस्तूर रहता। दलों को चुनावों में इतना पैसा और पसीना नहीं बहाना पड़ता। ईवीएम अपने आका को तश्तरी में नतीजे परोस देती। न्यायालय ने रस्मी याचियों से स्पष्ट कर दिया है कि बैलेट पेपर और बक्से की झीना-झपटी वाले प्रतिगामी चुनावी दौर में भारत जैसे 'महादेश' को नहीं लौटाया जा सकता। यह जर्मनी नहीं है। अलबत्ता, इस मसले पर फिर उंगली न उठे इस लिहाजन हर वोट का हिसाब रखने के लिए ईवीएम को वीवीपीएटी के साथ जोड़ने पर विचार किया जा सकता है। अंतिम परिणाम में देरी के बावजूद। चुनाव बिल्कुल शुद्ध-पवित्र तरीके से होना चाहिए ताकि उसके जनादेश की 'गारंटी' हो। सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी में अवाम का मत है।

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षो में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

सियासत के किले हैं , तो वे ढहेंगे भी...

राकेश अचल

देश -दुनिया में दुर्ग यानि किले सत्ताधीशों के ही बनते आये है। लेकिन ये दुर्ग जब लोकतंत्र में सियासी दल भी बनाते हैं तो उन्हें ढहाने का उपक्रम भी लगातार चलता रहता है। सियासत के दुर्ग या तो राजनीतिक दल की विचारधारा के आधार पर बनाये जाते हैं या फिर व्यक्तित्व के आधार पर। आजादी के बाद यदि किसी राजनीतिक दल का सबसे मजबूत किला था तो वो था कांग्रेस का । लेकिन बाद में अधिकांश राजनीतिक दलों ने अपने-आपने इलाकों में किलों के बजाय छोटी-छोटी गढ़ियाँ बनाना शुरू कर दीं। आजकल देश में कहते हैं कि सबसे ज्यादा मजबूत किला भाजपा का है और उसे ढहाने में कांग्रेस समेत देश के तमाम छोटे-बड़े राजनीतिक दल लगे हुए हैं।

अतीत में झांके तो पाएंगे कि पहले सियासी किले अभेद्य हुआ करते थे। उनके ऊपर किसी भी तरह के हमलों का असर नहीं होता था ,क्योंकि ये किले विचारधारा की नींव पर खड़े किये गए थे। कांग्रेस,भाकपा,समाजवादी और दक्षिण पंथियों ने समय-समय पर अपने किले बनाये। इन किलों के जरिये देश में आरसे तक राजनीति भी खूब फली-फूली ,लेकिन जब किलों के ढहने का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर रुका नहीं। एक जमाने में जहाँ-जहँ कांग्रेस के किले थे वहां-वहां क्षेत्रीय दलों ने उनके ऊपर कब्जा कर लिया। ये क्षेत्रीय किले कहीं-कहीं कांग्रेस के साथ भी खड़े हुए और कहीं एकदम अकेले।

पश्चिम बंगाल में वामपंथ का किला 25 साल तक अभेद्य रहा। उसे कांग्रेस से अलग हुई तृणमूल कांग्रेस की संस्थापिका सुश्री ममता बनर्जी ने तोड़ा। दक्षिण के क्षेत्रीय किले तोड़ने के लिए कांग्रेस और भाजपा लगातार कोशिश करती रही ,लेकिन उन्हें ध्वस्त नहीं कर पायी। कर्नाटक में किले ढहाने और उन पर कब्जे करने का सनातन खेल जारी है। भाजपा ने 2014 में कांग्रेस के किले को ही नहीं ढहाए बल्कि कांग्रेस की गढ़ियाँ भी ध्वस्त कर दीं। लेकिन अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों के किले आज भी सुरक्षित हैं। मिसाल के तौर पर ओडिशा में बीजू जनता दल का किला। इन दिनों भाजपा का किला ढहाने के लिए कसबल लगाया जा रहा है। 2024 में भाजपा का किला ध्वस्त करने के लिए जगह-जगह सेंधमारी की जा रही है। कहीं कामयाबी मिल रही है और कहीं नहीं भी। दिल्ली और झारखण्ड कि किलेदारों को जेल की हवा भी खिला दी गयी है किन्तु ये किले यानि गढ़ियाँ जीती नहीं जा सकीं।

भाजपा का किला राम नाम की ईंटों से बनाया गया है अभी ये किला 44 साल पुराना ही है। इस किले को बनाने में राम जी बार-बार काम आये लेकिन इस बार भाजपा के किले की अनेक बुर्जों पर विरोधियों ने जमकर सेंधमारी की है। लोकतंत्र में सियासी किले ढहाने के लिए मतदान सबसे बड़ा जरिया है । वोट के बम किले की किसी भी बुर्ज को ध्वस्त कर सकते हैं और इन्हीं क्षतिग्रस्त बुर्जों से किले के भीतर जाने के रस्ते बनाये जानते हैं। सियासी किलों की मरम्मत और हमलों का काम हर पांच साल में होता है। इस साल भी किले फतह करने, किले कमजोर करने की कवायद चल रही है । पहले हमले में 102 ठिकानों पर जोर -आजमाइश हुई है। अभी इसी तरह के छह हमले और किये जाने है।

सियासी किले बचने के लिए साम-दाम-दंड भेद के सात गोधन,गजधन ,बाजधन और रतनधन के अलावा इलेक्ट्रोरल बांड से मिले धन का भी इस्तेमाल किया जाता है। बाहुबल अब गौण हो गया है ,हालाँकि बंगाल जैसे राज्यों में अभी भी ये बाहुबल भी प्रचलन में हैं। जिसके पास जितना ज्यादा धन होता है वो उतना ज्यादा ताकतवर माना जाता है। इस समय भाजपा धनबल के मामले में सबसे ज्यादा मजबूत है। उसकी अक्षोहणी सेना में संघ दीक्षित स्वयं सेवकों के साथ अंधभक्तों की तादाद दूर दलों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। अंधभक्तों की टुकड़ी सबसे ज्यादा ताकतवर मानी जाती है ,क्योंकि इसे अपने राजा के अलावा कोई दूसरा सूझता ही नहीं।

मैंने अपने जीवन में अनेक मजबूत से मजबूत किले ध्वस्त होते देखे है। मैंने अनेक गढ़ियाँ बनते -बिगड़ते देखीं हैं। आपने भी देखी ही होंगीं लेकिन आपने शायद इनके बारे में ज्यादा गौर नहीं किया। जनता जनार्दन अक्सर इन किलों में या तो कैद रहती है या फिर अपने आपको महफूज महसूस कर इनसे बाहर नहीं निकलती। इन किलों में गरीबी परिवारों को पेट की आग बुझाने के लिउए मुफ्त का राशन और भाषण दोनों मिलता है । मनोरंजन के लिए रामधुन,आत्मशांति के लिए मंदिर की सुविधाएं भी मुहैया कराई जातीं है। कांग्रेस के किलों में मंदिर,मस्जिद,गुरुद्वारा और गिरजाघर सब होते हैं। पहले इन्हीं सुविधाओं की वजह से कांग्रेस के किलों में ज्यादा लोग बसते थे । लेकिन बाद में कांग्रेस के किले में भगदड़ मची । हाल के दिनों में टोकांग्रेस का किला छोड़कर भाजपा के किले में लगे शरणार्थी शिविर में सबसे ज्यादा आमद दर्ज कराई है।

भाजपा की अपनी ताकत से किसी को इंकार नहीं है और होना भी नहीं चाहिये । लेकिन भाजपा इस बार अपना किला बिभीषणों के जरिये बचाये रखना चाहती है। भाजपा ने अपने शरणार्थी शिविरों में आने वाले कांग्रेसियों को सम्मान और सामान दोनों दिए है। उनके तमाम पाप क्षमा कर दिए हैं ,लेकिन बात बनती दिखाई नहीं दे रही। भाजपा को अपना किला महफूज बनाये रखने के लिए कम से कम 400 गढ़ियाँ चाहिए। इन्हें हासिल करने के लिए भाजपा ने हर नाजायज तरीके को जायज मानकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भाजपा को अपने दरबार के लिए जो नायब हीरे चाहिए वे जनता को ही चुनकर देना है। लेकिन चुनाव के पहले दौर में लक्षण अच्छे नहीं दिखाई दिए। आगे के छह चरणों में क्या होगा ,ये राम ही जानें ? मै राम की बात इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि भारत में एक दशक से सब कुछ राम के नाम पर ही हो रहा है। कभी-कभी भोले बाबा और योगाधीश कृष्ण का भी नाम लिया जाता है ,अभी राम का नाम सबसे ज्यादा चल रहा है।

हम तुलसी और कबीर के वंशज महासंग्राम के टीकाकार से ज्यादा कुछ नहीं है। हम ज्यादा से ज्यादा तुमुल ध्वनि कर सकते है। हमारी बिरादरी के कुछ लोग बाकायदा जिरह-बख्तर पहनकर भाजपा के लिए लड़ भी रहे हैं। किन्तु असल लड़ाई जनता लड़ रही ह। यदि कोई किला ढहता है या और मजबूत होता है तो इसका श्रेय किसी की गारंटी को नहीं बल्कि जनता की उदारता को दिया जाना चाहिए। अब देखिये आगे-आगे होता है क्या ?

धूम्रपान : हर लिहाज से खतरनाक है ये शगल

रजनीश कपूर

साल 1961 की बहुचर्चित फिल्म 'हम दोनों' का गाना 'हर फिक्र को धुएं में उड़ाता' सबने सुना होगा। धूम्रपान करने वालों ने भी इसे अवश्य सुना होगा।

फिल्म में गाने के बोल इस तरह दर्शाए गए कि फिल्म का हीरो अपने सभी फिक्र और चिंताओं को धुएं के कश में उड़ा देता है और चिंता मुक्त हो जाता है, परंतु क्या यह सही है कि मात्र सिगरेट के कश भरने और धुआं उड़ाने से आपकी चिंताएं खत्म हो जाएंगी? इसका उत्तर है नहीं। बल्कि यदि आपको धूम्रपान की लत लग जाए तो आपकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ जरूर जाएंगी।

आज जानते हैं कि ऐसा क्या है, इस चंद लम्हे की मामूली सी खुशी में, जो लाखों करोड़ों को इसकी लत लगा देती है। दरअसल, सिगरेट में मौजूद तंबाकू में निकोटीन पाया जाता है जो कश लेते ही बड़ी तेजी से आपके फेफड़े में समा जाता है और कुछ ही क्षण में दिमाग तक पहुंच जाता है।

दिमाग में पहुंचते ही इसका संपर्क 'नर्व सेल' से होता है और इसके असर से डोपामाइन नाम का रसायन बाहर आता है। यह रसायन आपके दिमाग को संकेत देता है कि कुछ अच्छा करने से आपको इनाम मिल सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो, यह रसायन आपको ऐसा इशारा देता है कि आप एक बार दोबारा सिगरेट का कश भर लेते हैं। एक शोध के अनुसार सिगरेट

की लत से प्रभावित लोगों, जिन्हें गले का कैंसर हुआ था, की गले की नली को काट कर अलग करना पड़ा। उपचार के बाद भी इस लत ने उनका पीछा नहीं छोड़ा और वे दोबारा धूम्रपान करने को मजबूर थे। विशेषज्ञों के अनुसार दिमाग के जिस हिस्से को 'एनिमल पार्ट' कहा जाता है, उससे ही निकोटीन की लत पर काबू पाया जा सकता है। नशीले पदार्थ हमारे दिमाग के 'एनिमल पार्ट' को इस कदर उकसाते हैं कि वो ऐसे संदेश भेजता है कि हम ऐसा बार-बार करें। वहीं दिमाग का दूसरा हिस्सा हमें ऐसा करने से रोकता भी है। नशे की लत की गिरफ्त में लोग अक्सर इस संघर्ष से जूझते रहते हैं।

इस लत का इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि आप कितने समझदार हैं, बल्कि आपका दिमाग निकोटीन या अन्य नशीले पदाथरे पर किस तरह प्रतिक्रिया देता है। यदि समय रहते और सही संगति के चलते नशा या धूम्रपान रोक दिया जाए तो बेहतर हो परंतु ऐसा बहुत कम होता है। सिगरेट की लत के लिए केवल निकोटीन ही जिम्मेदार नहीं होती। इसके लिए एक प्रमुख भूमिका सिगरेट बनाने वाली कंपनियों और उनके द्वारा जारी किए भ्रामक विज्ञापन भी उतने ही जिम्मेदार हैं। पश्चिमी देशों में जैसे ही निकोटीन की लत को लेकर सवाल उठने लगे तो कुछ लोगों ने इसकी जड़ तक जाने की सोची।

उन्होंने वैज्ञानिक तरीकों से साबित कर दिया कि सिगरेट के धुएं में कुछ भी लाभदायक नहीं होता। इतना ही नहीं, यह न केवल धूम्रपान करने वाले, बल्कि उसके आस-पास के लोगों के लिए भी काफी हानिकारक साबित हो सकता है। जैसे-जैसे यह अभियान तेजी पकड़ने लगा, धूम्रपान पर सार्वजनिक जगहों पर प्रतिबंध भी लगने लगा। सिगरेट पर अतिरिक्त और बढ़े हुए कर भी लगाए जाने लगे जिससे इसकी कीमत में भी बढ़ोतरी हुई। साथ ही, सिगरेट के डब्बों पर भी स्वास्थ्य संबंधित चेतावनियां भी छापी जाने लगीं परंतु इन सबके चलते भी पश्चिमी देशों की बड़ी-बड़ी सिगरेट कंपनियों ने हार नहीं मानी। ज्यादा मुनाफा कमाने की नीयत से इन कंपनियों ने विकासशील देशों और उन देशों का रु ख करना शुरू कर दिया जहां नियम और कानून सख्त नहीं थे।

इन देशों में आम नागरिक धीरे-धीरे इन कंपनियों की मार्केटिंग के मायाजाल में बड़ी आसानी से फंस गए। देखते ही देखते इन कंपनियों की फिर से चांदी होने लगी। सोचने वाली बात यह है कि लोग धूम्रपान के आदी कैसे बन जाते हैं? कुछ लोग सिगरेट पीने को ह्यस्टेटस सिंबलह्व या सामाजिक स्थिति का संकेतक मानते हैं। समझते हैं कि धूम्रपान करना ऐसी आदत है जो किसी विशेष वर्ग में आपको बड़ी आसानी से स्थान देती है, परंतु इस स्थान पाने की होड़ में आप अपनी सेहत से खिलवाड़ कर लेते हैं।

इस लत के चलते न सिर्फ आप अपनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं, परंतु अपने घरेलू बजट का भी नुकसान कर रहे हैं। ज्यों-ज्यों आपकी यह लत बढ़ती जाएगी आपकी जेब पर भार भी बढ़ेगा। धूम्रपान करने से मिलने वाला आंशिक 'सुकून' बड़ी मात्रा में आपके स्वास्थ्य पर असर करता है, और यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। इसलिए आप जब भी धूम्रपान करते किसी व्यक्ति को देखें या स्वयं अगला कश लगाने लगें तो यह सवाल अवश्य पूछें कि क्या वास्तव में धूम्रपान करने से फिक्र धुएं में उड़ रहे हैं? कहीं ऐसा तो नहीं फिक्र उड़ने की बजाय और बढ़ रहे हों?

खून का रिश्ता

दिलीप जैन

बहुमंजिला इमारत के किसी फ्लेट के बाथरूम में फ्लेट के सभी मच्छरों की आपातकालीन मीटिंग आहूत की गई । मीटिंग का एकमात्र एजेंडा था उस घर के एक मेहमान युवक को राहत पहुंचाना जिसकी सेहत मलेरियाग्रस्तम होने के कारण दिन पर दिन गिरती जा रही थी। था। स्वांभाविक है मलेरिया मच्छारों के काटने से ही हुआ था। कुछ बुजुर्ग मच्छरोंकी नाराजगी का कारण युवा मच्छरों का एक कीड़ीछाप नवयुवक पर लालची मनुष्यों की तरह टूट पड़ना था। इसी कारण युवक के शरीर में खून की कमी हो गई थी1 तत्कुाल जरूरत थी उसे खून चढ़ाने की। इसके समाधान के रूप में एक बुजुर्ग मच्छ र ने सभी से रक्तादान की अपील की। कई मच्छनर तैयार भी हो गए लेकिन कुछ ने इस बात पर आपत्तिन उठाई कि जिस जीव की जात हमारी जान की दुश्मभन है, हम क्यों उनके लिए अपने रक्तू का दान दें? उन्हों बुजुर्ग मच्छैर ने समझाईश दी झ

सभी मनुष्य हमारे दुश्मुन नहीं होते। कुछ भले भी होते हैं। खाक भले होते हैं। हमसे बचने के लिए पहले वे मच्छेरदानियां तानने लगे। जब हम उसमें भी छेद ढूंढकर घुसपैठ करने लगे तो ये हमें दम घोटकर मारने के लिए कछुआ छाप अगरबत्तिूयां जलाने लगे। हमने जब उनसे बचने के लिए इम्युानिटी पैदा कर ली तो ये खतरनाक रासायनिक टिकिया या द्रव ले आए। हमें इसकी भी चिंता नहीं है। हम इनके भी अभ्यास्तट हो जाएंगे। पर अब तो ये हमें रेकेट से करेंट लगाने लगे हैं। ये हमारा कत्लेआम करवाने के लिए डी डी टी छिड़कवाते हैं। यह तो भला हो नगर निगम का कि अव्वलल तो जहां हमारा जमावड़ा होता है, वहां वे इसे छिड़कते ही नहीं और जो छिड़कते भी हैं वह नकली या मिलावटी होता है। ये जालिम तो हमें तालियां बजाकर या मेजें थथपाकर बेरहमी से कुचल मसल देने में भी संकोच नहीं करते। अरे नादान, ये तुम्हें कुचलने मसलने के लिए ऐसा नहीं करते। वे तुम्हें देखकर खुश होते हैं। इसी ,खुशी में ताली बजाकर, मेजें थपथथपाकर तुम्हा रा स्वोगत करते हैं। एक विदूषक मच्छ र ने अपनी उपस्थितति दर्ज कराई। एक सुधारवादी मच्छ्र ने इस टिप्प णी को नजरअंदाज करते हुए अपना मत रखा-

मारेंगे क्यों नहीं? जब हम डंक मारकर उनका खून चूस लेते हैं तो वे हमसे क्याण गंगा जमुनी संस्कृकति निभाएंगें। वे जब उनींदे होते हैं तो तुम उनके कान के पास भिनभिनाकर उनकी नींद नहीं उड़ा देते हो?

अरे हम उनकी नींद उड़ाने नहीं बल्कि उन्हें लोरी सुनाने जाते हैं। विदूषक ने फिर टांग फंसाई जबकि युवा तुर्क का कहना था-

उनका खून तो हमारा एकमात्र आहार है। हम वह भी नहीं पीएं तो क्याो भूखों मर जाएं? फिर हम तो उनके खून की एक बूंद चूसते हैं, पर वे तो हमारे शरीर को रक्तयहीन ही कर देते हैं। दरअसल हम उनके कातिल नहीं वे हमारे कातिल हैं। उनका खून पीओ खूब पीओ। यहां के वाशिंदों का खून तुम प्रतिदिन पीते हो, कौन रोकता है? लेकिन कम से कम मेहमानों को तो छोड़ दिया करो। खास तौर पर तब जब मेहमान स्वदयं खून की कमी का शिकार हो।

तुम ठीक कहते हो। लेकिन घरवालों के खून में वह स्वायद कहां जो इस मेहमान के खून में है। इसके खून की गंध ही हमें अपनी ओर खींचती है।

गंभीर मसला मजाक में उड़ता देख एक बुजुर्ग मच्छसर ने फिर से मोर्चा संभाला-

देखो, सभी मनुष्यए हमें मारने की फिराक में नहीं रहते। कुछ अहिसंक प्रवृत्तिै वाले लोग हमें हाथ बिजनी या पल्लू से उड़ाकर ही संतुष्टफ हो जाते हैं।

लेकिन इस फ्लेट वाले तो ऐसे नहीं हैं।

इसीलिए तो उनका खून पीने की तुम्हें छूट है। लेकिन किसी का खून इतना तो नहीं पी जाना चाहिए कि उसे खून चढ़ाने की नौबत आ जाए। जब हम उनका खून पीकर जिंदा हैं तो क्याह यह हमारा फर्ज नहीं बनता कि जब उन्हें खून की जरूरत है तो हम भी उनके लिए खून दें। आखिर हम मच्छरर हैं कोई आदमी थोड़े ही हैं, जो एहसान फरामोश हो जाएं। बागी मच्छदर इस दलील से संतुष्टं तो नहीं हुए लेकिन गुट में अनुशासन बनाए रखने के लिए उन्हें भी सहमत होना पड़ा।

तब प्रश्नआ उठा कि इनके खून को मरीज के शरीर में चढ़ाया कैसे जाए? उनके पास इसके लिए आवश्यआक उपकरण नहीं थे। इसके निदान स्व रूप सवार्नुमति से यह तय किया गया कि देर रात एक एक कर सभी मच्छनर मरीज तक जाएं और इस बार उसका खून चूसने की बजाय अपने डंक से एक एक बूंद खून उसके शरीर में इंजेक्ट करें। मच्छ रों का ऑपरेशन रक्त दान सफल रहा और अगली सुबह तक मरीज की कमजोरी दूर हो गई। लेकिन इसका आनुषंगिक परिणाम यह हुआ कि उसके बाद से वह शख्सु जमीन पर पैर जमाकर नहीं बल्किग उड़ते हुए सा चलता है। जब फुल स्पीबड से पंखा चलता है तब वह फर्नीचर या पर्दों की ओट ढूंढता है।

अकेलापन

शम्भुनाथ मिस्त्री

पड़ोस के दयाल का बुलावा बहुत अचम्भित करने वाला तो न था ; किन्तु इस तरह दयाल विरले ही कभी बुलाता था। दरवाजे से प्रवेश करते ही लालदे ने देखा, दयाल बैठक में अकेला निढाल पड़ा हुआ था।

अरे, क्या हुआ ?

नहीं लालदे, कुछ हुआ-उवा नहीं।

तो फिर इस तरह अकेले पड़े.....कोई दिखता नहीं.....

बच्चों को लेकर मायके ......

ओऽऽ....तो अब समझ में आ गया था लालदे को कि क्यों.......। जनाब को समय गुजारना था, सो बुलवा लिया था।

फिर वो सब बातें हुई थीं जो आपस में कभी होती नहीं थीं। वे बातें भी जो दयाल ने बड़े झिझक से कहीं और वो बातें भी जो लालदे ने सुनकर भी अनसुनी कर दी।वो सब बातें भी हुईं जो एक पड़ोसी के नाते नहीं , मित्रवत अंतरंगता के नाते की जा सकती थीं।

कुछ बातों से रस मिला तो बाकी की बोरियत से अपने माथे को झटकने के लिए बहाने बनाकर रात नौ के पहले ही लालदे अपने घर लौट आया था।

आज लालदे को , उस दिन की एक-एक करके सब बात दयाल की , घूरने लगी थी। किन्तु आज दयाल की किसी भी बात से बोरियत जैसी कोई अनुभूति नहीं हो रही थी। पता नहीं क्यों ? शायद दयाल की स्थिति से स्वयं गुजरने के कारण या फिर किसी और कारण.......। दयाल कहीं बाहर गया था, सो वह दयाल की तरह बुलावा तो नहीं भेज सकता था , पर दयाल का प्रतिबिम्ब सामने कर उस दिन की उसकी स्थिति का बड़ी बारीक अध्ययन तो कर ही रहा था......

हठात....किशोरवय में खेले गये उस गिल्ली-डण्डे का घाव की तरह टीसने वाला दृश्य उभर आया जिसमें रनरनाकर चारा मारने का परिणाम बड़ा भयानक रूप से सामने आया था।चरनवाँ के माथे पर गिल्ली जा लगी थी और माथा फूट गया था। घर लौटने पर हंगामा........

गजल

निवेदिता श्रीवास्तव गार्गी

नजर से नजर वो मिलाते रहे हैं,
इस तरह मेरे दिल में आते रहे हैं।

किसी और की बात करते बहुत ही,
मुझे इस तरह वो सताते रहे हैं।

जिनसे गिला ढूंढती भी उन्हीं को,
यही राज दिल में छुपाते रहे हैं।

बदलती रही है जमाने की चाहत,
मेरे दिल को वो ही भाते रहे हैं।

सताए गए हैं जमाने से हम भी
मगर गीत उल्फत के गाते रहे हैं।

अभी चांद को चांदनी मिल गई है,
सितारों को भी आजमाते रहे हैं।

संभल गार्गी किससे उम्मीद वफा की,
हर एक रंग जिनको लुभाते रहे हैं।

गजल

नजर से नजर वो मिलाते रहे हैं,
इस तरह मेरे दिल में आते रहे हैं।

किसी और की बात करते बहुत ही,
मुझे इस तरह वो सताते रहे हैं।

जिनसे गिला ढूंढती भी उन्हीं को,
यही राज दिल में छुपाते रहे हैं।

बदलती रही है जमाने की चाहत,
मेरे दिल को वो ही भाते रहे हैं।

सताए गए हैं जमाने से हम भी
मगर गीत उल्फत के गाते रहे हैं।

अभी चांद को चांदनी मिल गई है,
सितारों को भी आजमाते रहे हैं।

संभल गार्गी किससे उम्मीद वफा की,
हर एक रंग जिनको लुभाते रहे हैं।

निवेदिता श्रीवास्तव गार्गी

चांद का पहला मिशन. यादें और आज का चांद

पद्मा मिश्रा

जब चाद पर मानव के पहले कदम पड़े .तो मेरे घर में आनेवाली पत्रिकाओं धर्मयुग और हिंदुस्तान में इसका विस्तृत समाचार छपा था.सन 1969 ..मैं तब पांच छः वर्ष की थी.पिताजी अति उत्साह में मां को और हम बच्चो को वे चित्र दिखा रहे थे .वे बहुत खुश थे. हमारे मकान में रहने वाले दूसरे किरायेदार भी आ गये थे ..जिनमें एक दादी अम्मा भी थीं जो रोज चंद्रमा को जल देकर पूजा करती थीं. जब उन्हें ये बताया गया कि चांद पर पहाड. पत्थर और ढेर सारे गड्ढे हैं तो वह नाराज हो गई..नाहीं तू सबै झूठ बोलत हौ ..चनरमा माई हियां केहू ना जा पाईहम लोग बहुत दिनो तक हंसते रहे ..तब न चांद की लैडिंग को प्रत्यक्ष देख पाने के साधन थे न लोगो में उतनी रूचि या जागरुकता..बच्चों के चंदा मामा के घर कोई गया है .कब.कहां.किससे मिला?.क्या वहां कोई खरगोश या चरखा चलाती बुढिया दिखी थी अजीब कल्पनायें ..अजीब से सवाल..और उत्तर देने वाला कोई नहीं..।

आज जब चंद्रयान-3 के चांद पर उतरने की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना टीवी पर देखी .कविता भी लिखी .तब उस पुराने दौर को याद किया. ।हमारे एक एक प्रश्न की उत्सुकता शांत करने के लिए गूगल बाबा भी हैं .पुस्तके भी और टीवी तो है ही..लेकिन हमारे बचपन के चंदा मामा कब मिशन-चांद में बदल गये और चांद कब और कैसे कवियों की लेखनी से निकल कर ज्ञान विज्ञान और शोध का विषय बन गया कि पता ही नहीं चला। आज चांद को देखना और उसकी कहानियों को दोहराना तो.पुरानी बात लगती है .पर यह भारत है यहाँ जब तक.संस्कृति है.धर्म है तो आस्था भी जीवित रहेगी और करवा चौथ. तीज त्योहारों पर वह पूजा भी जायेगा।..और मेरे.बचपन की सुकदेव की मौसी की चनरमा माई बनकर मुसकरायेगा भी और आशीषें भी देगा।

कभी यह चांद मां के प्यारे दुलारे बेटे का प्रतीक था क्योंकि वह अप्रतिम. दुर्लभ और आकर्षक लगता था जैसे हर मां को अपना बेटा लगता है.चंदा है तू..मेरा सूरज है तू

कभी प्रेमियो के मन में बसी प्रेमिका की सूरत में नजर आता चांद आज अपने प्रिय की मृदुल मूर्ति की कल्पना भी नहीं कर सकता . क्योंकि पथरीली.गडढो भरी धरती की तुलना किसी कोमल कांत मुख से कैसे की जा सकती है? समय बदला..युग बदले.परिस्थितियां बदलती चली गई. पर वों चांद है कि आज भी मुसकरा रहा है .आकाश का एकमात्र सौदर्य. आकर्षण और उत्सकता का प्रतीक बनकर।

किसी कवि की रचना मन को छू गई--

चांद को ये बिल्कुल भी नहीं
अहसास
कि वो हमें कभी छोटा.
कभी बडा दिखाई देता है.
क्योकि वो तो रोज पूर्ण ही निकलता है ।ये तो धरती छुपा लेती.है..
उसे सूरज की उष्मा से .
जैसे मां छिपा लेती है अपने आंचल मे.
नन्हे बच्चे को
.दुनिया की नजरों से बचाकर)

चांद का एक नाम मित्र भी है.और मित्र चांद के एक गड्ढे पर स्वामित्व पाने वाले बंगाली वैज्ञानिक मित्र भी.हैं. ।चांद भी निकट भविष्य में धरती सा आभास दे या धराधाम में परिवर्तित हो जाये ..जिसकी कल्पना भी कठिन लगती है ।कल्पना से याद आया कि कल्पनाओं के वायु-रथ पर चांद ने हमेशा सवारी की है..वह कभी.कवि की कपोल कल्पित कल्पना की उडान का सहयात्री बना तो कभी भूखे को चांद में रोटी नजर आई। रोटी मिले न मिले पर चांद में रोटी की कल्पना किसी की आंखों की नींद जरुर बन सकती है।

बडे देशों की नजर में चांद पर अपने यान भेजने और उसे स्थापित करने की जगह तलाशती नजरें हैं. तो राजनेताओ को चांद की रोशनी में अपनी जीत की रोशनी नजर आती है।

ओ मेरे चांद !..तुम हमेशा खुश. जीवंत और जगमगाते रहना .मां का लाल .और सुहागनों का सुहाग बने रहना ।भूखे की रोटी और मन की उडान बने रहना .यदि ये भावनाए नहीं.रहीं तो एक पूरी संस्कृति विनष्ट हो जायेगी।

उपहार प्यार का

नीता सागर चौधरी

लघु कथा

आज रिद्धि लाल रंग की एक भड़किला साड़ी पहनी थी। जिसमें जड़ी का काम किया हुआ था। साड़ी बहुत खूबसूरत थी। लेकिन एक पचास साल की औरत को ऐसी साड़ी शोभा नहीं दे रही थी। पर क्या करें ,अशोक (रिद्धि के पतिदेव) बहुत प्यार से लाए थे। और कहा, इसे पहन कर जाओ।

रिद्धि ऑटो वाले को बोली चलिए श्याम नगर। और ऑटो में बैठ गई। मैं भी 11:00 बजे स्कूल के लिए निकली ही थी। उसी ऑटो पर बैठी , जिस ऑटो पर रिद्धि भाभी भी बैठी थी। मुझे देखकर एक मुस्कुराई रिद्धि भाभी। अरे मिना! गुडमॉर्निंग। स्कूल जा रही हैं ना?

हां, मैं तो स्कूल जा रही हूं। पर आप कहां जा रहे हैं?

मैं तो श्याम नगर जा रही हूं, अपना मैका।

ओ हो आज कोई पार्टी शार्टि होनेवाली है क्या?

हां है ना, मेरी छोटी बहन विदेश से आई हैं। उसकी बेटी का बर्थडे है!

मैं कैसी लग रही हूं?

यह साड़ी मेरी उम्र में पहनने लायक नहीं है। पर क्या करें, पतिदेव इसे ही पहन कर जाने को कहा। यह उनका गिफ्ट है ।तो मैं ना नहीं कर सकी। हां ,रात के लिए ठीक है। पर दिन में?मुझे ही थोड़ा अजीब लग रहा है।

अरे नहीं नहीं! आप अच्छी लग रही है। आपको 50 साल कौन बोलेगा?40 से ज्यादा दिखती नहीं है आप। रिद्धि भाभी जरा फिर मुस्कुराई।

और कौन क्या समझेगा इससे आपको क्या लेना देना? आपका पति आप को प्यार करते हैं, आपने उनका कहना माना। यही तो सही है।

मेरी बहनें हसेंगी तो नहीं मुझ पर?

अच्छा भाभी, यह बताइए--- आपका दोनों बहनें इतनी अमीर है, कभी आपको उन्होंने कुछ गिफ्ट किया ?या आपका तकलीफ के समय दोनों आपको साथ दिया? आपके साथ तो भैया ही खड़े रहे ना?

जब आपकी जिंदगी में उन्होंने दुख के समय आपका साथ नहीं दिया। तो आपका मजाक उड़ाने का भी उन लोगों का कोई हक नहीं है। मैं आप को, जब भैया के साथ शादी करके एक कपड़े में मायके से चली आई थी,तब से आपको देख रही हु।भैया किराना दुकान चलाते हैं ।पर आपको हमेशा खुश रखा। है कि नहीं?

हां ,सही बोल रही हो। मैं उनसे प्यार करके घर से भाग आई थी। छोटा-मोटा किराने का दुकान है, पर हम दोनों बहुत खुश हैं। मायके में दोनों बहनों से मेरा हैसियत बहुत कम है। इसलिए तुम्हारे भैया कभी मेरा मायके नहीं जाते हैं। भले आज सब कुछ ठीक हो गया। फिर भी वह नहीं जाते हैं।

यह साड़ी उन्होंने दिया की मैं भी उनके बराबरी में अच्छी लगूं। और इतनी पसंद से लाएं तो मैं इसे पहनने से इनकार भी नहीं कर सकी।

आपने बहुत अच्छा किया इसे पहना। क्योंकि प्यार से दी हुई चीज की इज्जत करना चाहिए। किसी की परवाह क्यों करना? आपकी जिंदगी में भैया का महत्व सबसे ज्यादा है। इसलिए आपने उनका मान रखा। इसे ही तो प्यार कहते हैं।

खुशी खुशी जाईए मैका। रिद्धि भाभी मुस्कुराने लगी। तुम मुझसे छोटी हो, पर कितनी अच्छी-अच्छी बातें तुमने की। मुझे यह साड़ी पहनकर शर्म लग रही थी। तुम्हारी बातों से मेरे मन में अलग तरह की खुशी जागी हैं। थैंक यू। और श्यामनगर आते ही भाभी उतर गई और बोली टा टा फिर मिलेंगे।

मैं नोट हूं।

मैं नोट हूं।
कड़कड़ाती पांच सौ का नोट।
किसी की जेब से मैं गिर गई,
और किसी ने मुझे उठा लिया।

मुस्कुराया, पोछा, चारों ओर देखा
और चुपके से जेब में रख लिया।

ना उसने पूछा क्या है मेरी जात?
ना उसने पूछा क्या है मेरा धर्म?
न जाने कितने हाथों ने मुझे छुआ
न जाने कितने जेवो में मैं घूमा।

क्यों पूछेगा भला!
पांच सौ का बड़ा नोट हूं।
मुझे देखकर कितनी खुशी मिली
जात-पात धर्म में क्यों उलझता ?

नोट से बड़ा कौन है?
देश बिक जाती हैं।
सरकार बदल जाती हैं।
नेता मंत्री बिक जाते हैं।
रिश्ते बदल जाते हैं।
सिक्को से खनखनती जेब
किसे ना सुहाता हैं ?
कागज का हूं नोट----
पर वजनदार हूं मैं,
हल्के में न लीजिए,
मैं नोट हूं।
कड़कड़ाती पांच सौ की नोट।

नीता सागर चौधरी

उमंग

जब प्रफुल्लित होता मन
तब उत्साहित होता तन

नया जज़्बा तब हर कदम
भर देता मन में उमंग

नए-नए विचार हैं आते
आती नई-नई योजनाएँ

कुछ कर गुजरने की चाहत
आती तब कोमल भावनाएँ

जोश से भरपूर हो जाता मन
सब कुछ लगता तब अच्छा

हृदय झरना सा बहने लगता
दिल हो जाता फूलों का गुच्छा

उमंग बढ़ा देता उत्साह को
अभी तक दबा हुआ था कहीं

खुशियों को आमंत्रण देता
सबको आनंदित करता सखी

हे मेरे राम!

अविराम, अभिराम, मयार्दा पुरुषोत्तम राम
मयार्दा से परिपूर्ण, पुरुषों में सर्वोत्तम हे मेरे राम !

आपकी महिमा का मैं क्या करूं गुणगान
सूरज को दीया दिखाना कर ना सकूं मैं बखान

त्रेता युग में किया आपने दुष्ट राक्षसों का संहार
इस कलयुग में भी प्रभु करो कुरीतियों पर प्रहार

हे ईश्वर ,जमीं पर आओ ले लो फिर से अवतार
विश्व के इन संकटों से मुक्त हो यह संसार

आज आवश्यकता आन पड़ी ऐसे बलशाली कंधों की
जो सही राह दिखाए और आंखें बन जाए अंधों की

मानव संवेदनाएं खत्म हो रही खत्म हो रहे शिष्टाचार
आकर फिर से कर दो रगो में जोशीले रक्त का संचार

कर जोड़ प्रभु आपसे हम करते हैं यह वंदन
अवतरित हो फिर से दुखों को दूर करो रघुनंदन

हे मेरे राम

रेखा जैन

सजल

सन-सन,सन-सन लू चलती है
तवे सरीखी भू लगती है

ठंडक है कुछ अमराई में
दावानल बस्ती - बस्ती है

खूँटे पर गौधन पगुराता
बंजर - बंजर अब धरती है

भोर सुखद होती निशांत में
यह शाश्वत है माँ कहती है

मलयानिल - सी याद तुम्हारी
शीतलता मन में भरती है

लोकतंत्र से प्यार अगर है,तो करना मतदान
देश-धर्म की आन बचेगी, और बचेगी शान

जातिवाद से ऊपर उठ कर,करना है मतदान
एक रंग हो, एक सोच हो,एक रहे पहचान

लोकतंत्र मजबूत रहेगा,होगा तभी विकास
तभी पूर्ण होगी भारत के,जन गण मन की आस
-वसंत जमशेदपुरी

जागो मतदाता जागो

पहन नवल परिधान चलो हम,
चलें बूथ की ओर
उदित जहाँ से होगा सूरज,
होगी स्वर्णिम-भोर

मत हम देंगे तभी खिलेगा,
मन-मानस का पद्म
तभी घटेगा जोर तमस का,
और अधर्मी-छद्म

गंगा, गीता, गायत्री का,
तभी बढ़ेगा मान
जब मतदान करेंगे मिलकर,
बूढ़े और जवान
-वसंत जमशेदपुरी

बचने के लिए

अब अकेला कोई नहीं बच सकता
ना गांधी
ना सुभाष
ना पटेल
वे सबको मूर्ति बना देंगे

अब सबको साथ आना होगा
एक साथ आना होगा
बचने के लिए

वह अकेला करना चाहते हैं
मुझे उसे तुम्हें

अकेला-अकेला करके
वे मारना चाहते हैं
सबको

अकेला होकर कोई नहीं बच सकता ना
मैं ना तुम ना वह

अकेला करके वे घेरेंगे हमें
और मार डालेंगे
एक-एक कर

आओ रहमान हो या सरयू या बुश
हम सब एक साथ हो जाएं
और सब के सब बच जाएं

हम एक साथ होंगे तो
वे डर जाएंगे
और भाग खड़े होंगे
वे हमें मूर्ति नहीं बनाएंगे।

गांधी

गांधी में ही
बचा है गांधी

किसी आदमी में नहीं
किसी साधु में
किसी संत में
नहीं दिखता है गांधी

किसी चौराहे पर
किसी वीराने में
निमग्न
अपनी मूर्ति में
दृढ़ता से बचा है गांधी।

अशोक शुभदर्शी

निवेदिता (एकाकीपन)

माधुरी मिश्रा

निवेदिता जी अपने लिए सोचिए ,आपको पहले ही सोचना चाहिए था । ज़िंदगी में एक साथी की जरूरत होती है।₹ निवेदिता की सहकर्मी सीमा ने कहा।

निवेदिता हमेशा की तरह मुस्कुरा के रह गई।इस तरह के सवालों का सामना उसे बराबर की करना पड़ता था।उसे आदत हो गई थी।

लेकिन कुछ दिन से हाल ही में कोलकाता से ट्रांसफर हो कर आये समीर सर नजदीकियां बढ़ा रहें थे।

एक दिन हंसते-हंसते बोल दिये ।₹मैडम ! मैं भी बिहार के बिहार शरीफ से हूं और सजातीय भी हूं ।लगता आपके लिए ही कुंआंरा बैठा हूं।₹

आज बैंककर्मी ने पिकनिक का प्लान बनाया । कहां चला जाए । कोई निर्णय नहीं ले पा रहा था ।तभी निवेदिता बोली ₹ तीन दिन की छुट्टी है । क्यों न नेतरहाट चला जाए।₹सब एक साथ हां हां बोले ।

समीर सर निवेदिता से बोले_मैं नहीं पूछूंगा कि अब तक आपकी शादी क्यों नहीं हुई। मेरे बालों में सफेदी आ गयी है।अब पचास में तो आ ही जाता न!₹

निवेदिता_अरे नहीं नहीं!ऐसी कोई बात नहीं। मेरे पापा एस बी आई में मैनेजर थे।इतने ईमानदार कर्मचारी थे कि कभी छुट्टी नहीं लेते थे ।हम तीनों बहनों के लिए उन्हें लड़का देखने का फुर्सत ही नहीं मिला और हम बहनों ने भी प्यार व्यार नहीं किया।नतीजन तीनों बहन बिन ब्याही रह गई। पापा तीनों बहनों में बराबर धन का बंटवारा भी कर दिया ।सबका अपना-अपना घर है। किसी को कोई दिक्कत नहीं है और तब नहीं सोची तो अब क्या सोचूं।कह कर निवेदिता मुस्कुरा दी।

समीर गंभीर होकर बोला_अच्छा ! इतना ईमानदार कर्मचारी तो आज तक मैंने नहीं देखा । निवेदिता जी आपकी जब तक हां नहीं होगी मैं बस बात करके मन बहलाता रहूंगा । आपके घर अगले सन्डे कोआ रहा हूं।भगाईगा तो नहीं।₹कहकर समीर हंस दिया।

निवेदिता भी हंस दी।

रातभर निवेदिता सो नहीं पायी । सोचती रही इस उम्र में शादी करूंगी, लोग क्या कहेंगे।अब तक तो मन को काबू में रखा ।ये समीर सर , न सब गड़बड़ कर रहे हैं। फिर मन में ख्याल आया।अभी तो समीर सर बोल रहे हैं।आगे से कोई नहीं मिलने वाला। ज़िंदगी अभी बाकी है।वह सुबह-सुबह नहा कर सुंदर लाईट ऐलो सिफॉन की साड़ी पहन ली।

समीर का गर्म जोशी से स्वागत की।

समीर सर क्यों ना आज का दिन बाहर बिताया जाए।सर्दी की धूप अच्छी लगती है न।

समीर हां हां बिलकुल।चलिए। दोनों निकल गये।

मतदान

आज तो हरिया बहुत खुश था। उसके शरीर पर उसका धराऊ कुर्ता था जो खास मौके पर ही पहनता था। मतदान केंद्र पर किसी ने पूछ ही लिया,

आज तो बड़े खुश नजर आ रहे हो!

खुश काहे न होंगे साहेब! एतना बड़का परब जो है!

परब...? आज कौन-सा परब है?

मतदान का परब।

तो इसमें इतना खुश होने की क्या बात है? कोई जीते या हारे, तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा?

काहे नहीं फरक पड़ेगा साहेब...! पाँच बरीस में ए गो दिन तऽ अइसा आता है जब हमन लोग भी बड़का लोगन के साथ एक तराजू में बइठ सकत हैं।

— गीता चौबे गूँज

लघुकथा : सेल्फी

अनिता रश्मि

वे नामी पशु प्रेमी! अनेक पुरस्कारों से सज्जित, अनेक संस्थाओं से सम्मानित! घर में सम्मान पत्रों से दीवारें अटीं पड़ीं। समाचार पत्रों की कतरनों से कबर्ड भरा-पूरा।

उस दिन रास्ते में कई लोग मिलकर एक व्यक्ति की मरम्मत कर रहे थे। वह चिल्ला रहा था। रिरियाहट, गिड़गिड़ाहट उसकी आवाज में

₹छोड़ दो।...हमको छोड़ दो। अब ऐसा नहीं करेंगे।...मेरा बच्चा भूखा था, इसलिए ब्रेड लिया था। मत मारो। हम बहुत दूर से भूखे-पियासे पैदल चलकर आ रहे हैं।₹ सामने ब्रेड कुचला पड़ा था। और भी कुचलनेवाले पाँव उस पर पड़ रहे थे। उन्होंने देखा, आगे बढ़ गए।

बढ़ते गए, आवाजों को अनसुना कर। थोड़ी ही दूर पर बिल्ली का एक बच्चा नाली में गिरा नजर आया। कुछेक क्षणों बाद उसे नाली से बाहर निकालते हुए वे सेल्फी पर सेल्फी ले रहे थे।

एक चार वर्षीय पुत्र का अपनी स्वर्गवासी माँ के नाम पत्र

उपासना सिन्हा

माँ

तुम कहाँ चली गयी माँ?
मुझे दिखती क्यों नहीं माँ?
मेरे सभी दोस्तों के पास उनकी माँ है
तुम मेरे पास क्यों नहीं हो?
मैं जब सुबह उठता हूँ तो खुद से स्कूल के लिए तैयार होता हूँ। पापा मेरा बैग पैक करते हैं टिफिन में हमेशा बिस्किट केक यही सब देते हैं। बाकी दोस्तो के टिफिन मे उनकी माँ के हाथ के बने हुए नाश्ते होते है। सबकी माँ स्कूल आती हैं उन्हें लेने के लिए तुम क्यों नही आती हो माँ?
पापा से पूछता हूँ तो पापा बोलते हैं तुम आकाश गयी हो भगवान जी से मिलने। आ जाओगी बस यही बोलते हैं। कब आओगी ये नही बोलते हैं।
भगवान जी तो बड़े है फिर वो तुम्हे क्यों बुला लिए? मै तो छोटा हूँ मुझे तुम्हारी जरूरत है। मुझे तुम्हारे साथ खेलना है। तुम्हारी गोद मे सोना है। तुम मेरे पास वापस आ जाओ। माँ मुझे अपनी गोद में ले लो ना माँ।
तुम्हारा बेटा।

नरेश अग्रवाल
साहित्य संयोजक बिहान भारत

पंजाब में दो मंजिला मकान गिरा, पांच मजूदर दबे, तीन की मौत

रूपनगर। पंजाब में रूपनगर में एक बड़ा हादसा हुआ जहां एक मकान में काम कर रहे मजदूर मकान गिरने से दब गए जिसमें तीन मजूदरों की मौत हो गई। एक मजदूर के अभी दबे होने की आशंका है। मजदूर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव-अभियान जारी है। जानकारी के मुताबिक पंजाब में रूपनगर जिले की प्रीत कॉलोनी में दो मंजिला मकान ढह जाने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक अभी भी मलबे में फंसा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मलबे में फंसे मजदूर को बाहर निकालने के लिए दूसरे दिन भी बचाव-अभियान जारी है। यह घटना गुरुवार को उस वक्त हुई जब मजदूर मकान का लेंटर ऊंचा कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि इस मामले में ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मकान मालिक फरार है। रूपनगर के एसएसपी गुलनीत सिंह खुराना ने बताया कि मकान ढहने से कुल पांच मजदूर मलबे में दब गये थे, जिसमें से तीन की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जब मजदूरों को बाहर निकाला गया, तो दो की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक मजदूर का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि एक मजदूर अभी भी मलबे में फंसा हुआ है और उसे बाहर निकालने के प्रयास किये जा रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि हरियाणा के एक ठेकेदार ने मजदूरों को इस काम पर लगाया था। जब इमारत गिरी तो जोर से धमाके की आवाज सुनाई दी। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस घटना की गहन जांच कर रही है। मकान ढहने की सूचना मिलने के बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, पंजाब पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पर बचाव-अभियान के लिए पहुंची गई।

दिल्ली में भाजपा की टीमें नुक्कड़ नाटक कर करेंगी चुनाव प्रचार

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा की 163 टीमें 1 से 23 मई तक सातों सीटों पर 8000 नुक्कड़ नाटक से प्रचार करेंगी। ये टीमें शहरी इलाके में अंग्रेजी व अनधिकृत कॉलोनियों में प्रादेशिक भाषाओं में प्रधानमंत्री के विकास के संदेश व केजरीवाल सरकार की कमियों से जनता को रूबरू कराएंगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी कार्यालय के बाहर नुक्कड़ नाटक का ट्रॉयल भी देखा। इस दौरान चुनाव संचालन समिति प्रमुख अजय महावर, सह प्रमुख योगिता सिंह एवं गजेंद्र यादव, मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर एवं विक्रम मित्तल के अलावा नुक्कड़ नाटक समिति के प्रमुख सदस्य अनुज शर्मा के साथ ही पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर सचदेवा ने बताया कि नुक्कड़ नाटकों के साथ ही पपेट शो, मैजिक शो, कवि गोष्ठी, म्यूजिक बैंड और फ्लैश मॉब से मोदी सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाया जाएगा। इसके अलावा केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की भी पोल खोली जाएगी। नाटकों के कुछ शो अंग्रेजी एवं प्रादेशिक भाषाओं में भी होंगे। यह सांस्कृतिक अभियान एक मई को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में प्रारंभ होगा। इससे पहले 21 अप्रैल को आईजी स्टेडियम में मंदिर प्रकोष्ठ के माध्यम से एक कार्यक्रम होगा। इसमें भजन गायक हंसराज रघुवंशी प्रस्तुति देंगे और लोगों को विकसित भारत का संदेश दिया जाएगा।

संघ के खिलाफ बयान देकर फंसे संजय सिंह, चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाल ही में जमानत पर बाहर आए आम आदमी पार्टी नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने आरक्षण को खत्म करने की बात कही है, संघ आरक्षण विरोधी है। संजय सिंह संघ परिवार के निशाने पर आ गए हैं। उनके खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह अपने पक्ष को मजबूत दिखाने के लिए संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य का एक पुराना वीडियो भी चलाया। जिस पर विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि आप नेता संजय सिंह बयानों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर रहे हैं और देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। इस मामले में बंसल ने चुनाव आयोग से संजय सिंह की शिकायत भी की है। विनोद बंसल ने ट्वीट कर कहा कि लगता है बेल पर छूटे झूठे नेता संजय सिंह फिर जेल जाने की जल्दी में हैं! इस बार उन्होंने अपनी गंदी जुबान से जिस पर कीचड़ उछला है वह विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। संजय सिंह और आम आदमी पार्टी ने माफी नहीं मांगी तो दिल्ली की जनता भी उन्हें नहीं छोड़ेगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2 अप्रैल को ईडी द्वारा रियायत दिए जाने के बाद दिल्ली शराब नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह को जमानत दे दी। हाल ही में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को भी ईडी ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इस मामले में मनीष सिसोदिया भी न्यायिक हिरासत में हैं।

नागालैंड में अलग राज्य की मांग के चलते किसी ने नहीं डाला वोट

कोहिमा। पूर्वी नागालैंड के छह जिलों में अलग से राज्य बनाने की मांग लंबे समय से उठ रही है। नागा संगठनों द्वारा चुनाव से दूर रहने के आह्वान के कारण क्षेत्र के लगभग चार लाख मतदाताओं में से कोई भी नहीं आया। अन्य जगहों पर, राज्य की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत हुए मतदान में लगभग 57 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नागा निकायों द्वारा गुरुवार शाम से अनिश्चितकालीन बंद के आह्वान के बावजूद, चुनाव आयोग ने राज्य के 60 विधानसभा क्षेत्रों में से 20 को कवर करने वाले छह जिलों में मतदान कराने के लिए सभी प्रयास किए। पूर्वी नागालैंड क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 विधायकों ने भी छह जिलों की सात जनजातियों की शीर्ष संस्था ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के मतदान से दूर रहने के आह्वान का जवाब देते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया ईएनपीओ को कारण बताओ नोटिस में, नागालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर व्यासन ने आदिवासी निकाय द्वारा दिए गए विरोध आह्वान के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत उचित कार्रवाई करने का संकेत दिया है।

सलमान खान ने दुबई से वीडियो शेयर किया, बोले- फायरिंग पर कुछ नहीं बोलूंगा...

मुंबई। मशहूर फिल्म अभिनेता सलमान की सुरक्षा को लेकर उनके फैंस काफी चिंतित है। बीते रोज बुलट प्रूफ गाड़ी से मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे खान दुबई के लिए रवाना हो गए हैं। बॉलीवुड के 'दबंग खान' ने अपना वीडियो दुबई से शेयर किया है। हाल ही में टाइट सिक्योरिटी के बीच अपनी बुलेट प्रूफ गाड़ी से मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे थे, जहां से दुबई के लिए रवाना हुए। हर कोई ये जानने के बेकरार था कि आखिर भाईजान दुबई क्यों जा रहे हैं? अब उन्होंने इस वीडियो से साफ किया है कि आखिर क्यों वह दुबई पहुंचे हैं। सलमान खान एक बड़े इवेंट में शामिल होने के लिए दुबई पहुंचे हुए हैं। इस इवेंट का नाम कराटे कॉमबैट है। इस इवेंट ने शामिल

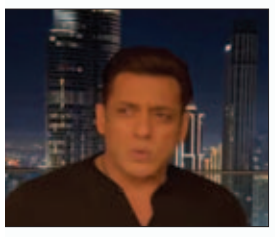

होने के लिए जिस शख्स ने उन्हें बुलाया था, उससे एक्टर का सालों पुराना कनेक्शन निकला, जिससे खुद दबंग खान हैरान थे। ये इवेंट आज होने वाला है। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसको शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है- 'उम्मीद है कल आपसे मुलाकात होगीज' वीडियो में सलमान कहते हैं, 'तो मैं अभी दुबई में हूं और मैं कराटे कॉम्बैट नाम के इस इवेंट में शामिल होने जा रहा हूं। मैं उस घटना के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा जो आपने स्वयं देखी है, लेकिन मैं आपके साथ एक कहानी साझा करना चाहता हूं। मैं इस बच्चे को जानता हूं, जब वो 2 साल का था और इसी उम्र से ताइक्वांडो, जुजित्सु कर रहा था और फिर एक दिन हमारा संपर्क टूट गया।उन्होंने आगे कहा- 'आज ही मुझे पता चला कि कराटे कॉम्बैट का अध्यक्ष वही लड़का है और उसका नाम आसिम है'। इसके बाद सलमान ने वीडियो में आसिम से अपने फैंस को भी मिलवाया। आसिम ने बताया कि सलमान ने उन्हें एक्शन करने में काफी मदद की और मेंटॉर किया। सलमान ने आसिम की इस बात के लिए तारीफ करते हुए बताया कि वह बड़ी आसानी से मेरे तक पहुंच सकता था, लेकिन उन्होंने उन तक वापस पहुंचने के लिए सही सोर्सस का इस्तेमाल किया, जो प्रोसेस होता है, उसे फॉलो किया। आपको बता दें कि इससे पहले सलमान ने एक और वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था, जिसमें बताया गया था कि सलमान दुबई अपनी कंपनी बीइंग स्ट्रॉन्ग के फिटनेस डॉक्यूमेंट लॉन्च करने दुबई जा रहे हैं।

अपनी कमाई से अर्जित संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट के तहत नहीं कर सकते कुर्क

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीएम के आदेश को मनमाना मानते हुए किया रद्द

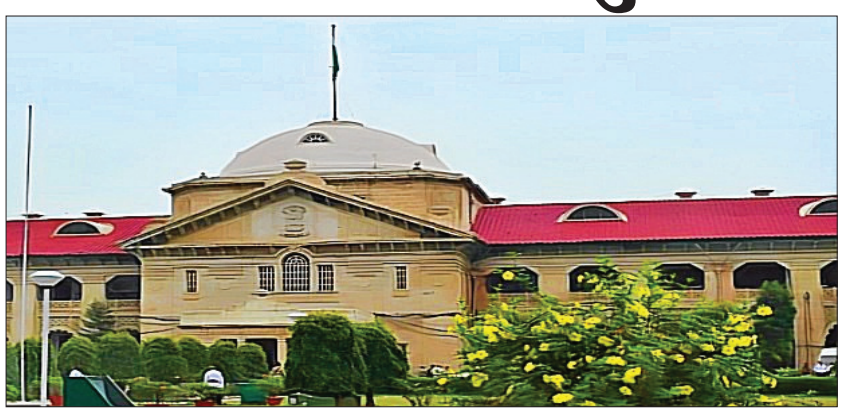

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीएम के आदेश को मनमाना मानते हुए उसे रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि अपनी कमाई से अर्जित की गई संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने डीएम से इस मामले में नए सिरे से विचार कर आदेश पारित करने को कहा है।

संभल जिले के हजरत नगरगढ़ी थाने में गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी पर डीएम के आदेश को कोर्ट ने रद्द कर दिया गया। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति गजेंद्र कुमार की खंडपीठ ने रजी हसन और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने डबल स्टोरी मकान खुद की कमाई से बनाया है। न कि गैंगस्टर रहबर हसन द्वारा अवैध तरीके से एकत्र किए धन से। डीएम ने उक्त मामले में पुलिस रिपोर्ट को आधार मानते हुए संपत्ति कुर्की का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है, जिसका पालन किया जाना अनिवार्य था। डीएम ने यह आदेश बिना सोचे समझे यांत्रिक तरीके से पारित कर दिया जो कि मनमाना है।

मामले में याचिकाकर्ता पर आरोप था कि उसने डबल स्टोरी का मकान अवैध रूप से अर्जित संपत्ति से बनवाया है। वह एक गिरोह का सक्रिय सदस्य है, जो लोगों को डराना, धमकाने के साथ पैसे की वसूली करवाता है। लोगों में भय और आतंक फैलाता है, यही वजह है कि कोई भी उनके खिलाफ गवाही देने की हिम्मत नहीं करता। वे लगातार अपराध में लिप्त हैं और उन्हें स्वतंत्र रखना सुरक्षित नहीं है। लिहाजा, प्राथमिकी दर्ज कर आरोप पत्र दाखिल किया गया था। डीएम ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर उसकी संपत्ति को कुर्क करने का आदेश पारित कर दिया। डीएम के आदेश को याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी जिस पर कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद डीएम के आदेश को रद्द कर दिया।

ओडिशा में नाव पलटने से सात लोगों की मौत, सीएम ने की सहायता की घोषणा

- नाव में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 50 लोग सवार थे, मछुआरों ने 40 को बचाया

झारसुगुड़ा। ओडिशा के झारसुगुड़ा में एक नदी में नाव पलटने से उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। नाव में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 50 लोग सवार थे। कई लोग लापता भी हो गए थे। घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने दुख जताया है और दुर्घटना में मृतक के परिवार को 4 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। सूत्रों के अनुसार घटना झारसुगुड़ा के लखनपुर ब्लॉक के सारदा के पास महानदी नदी में घटित हुई। बताया जा रहा है कि एक नाव बच्चों और महिलाओं को लेकर जा रही थी, जो अचानक पलट गई। इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई है। नाव जैसे ही पलटी, चीख-पुकार मच गई। रोने-चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं स्थानीय मछुआरों ने तुरंत लोगों को बचाने में जुट गए। डीजी ने बताया कि सूचना के बाद रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा गया था। रेस्क्यू अभियान गोताखोरों की मदद से चलाया गया। दो स्पेशलिस्ट स्कूबा गोताखोरों को पानी के नीचे कैमरों के साथ उतारा गया। रेस्क्यू के लिए झारसुगुड़ा के लिए भुवनेश्वर से टीम भेजी गई। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बरगढ़ जिले के बांधीपाली क्षेत्र से एक नाव यात्रियों को लेकर जा रही थी। जब नाव पलटी, उस समय कुछ स्थानीय मछुआरे मौजूद थे, जिन्होंने नदी मे डूब रहे 40 से अधिक लोगों को बचाया। वहीं जो लोग लापता हो गए थे, रेस्क्यू टीम को उनके शव मिले हैं।

लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच मुकाबला : अजित पवार

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को कहा कि यह लोकसभा चुनाव पारिवारिक संबंधों को लेकर नहीं बल्कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच एक मुकाबला है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पुणे जिले की बारामती लोकसभा सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की उम्मीदवार हैं। सुनेत्रा ने शनिवार को कन्हेरी में हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर आधिकारिक तौर पर अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया।

चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत के लिए अजित पवार, उनके बेटे पार्थ और जय के अलावा पार्टी के कई स्थानीय नेता भी मौजूद थे। सुनेत्रा और उनकी ननद एवं तीन बार की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने क्रमशः राकांपा और राकांपा (शरदचंद्र पवार) की उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अजित पवार ने भी इस सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया है। राकांपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि उनकी पत्नी का नामांकन खारिज होने अथवा उसमें कोई विसंगति पाए जाने की स्थिति में इसे एक वैकल्पिक योजना के रूप में तैयार किया गया है।

अजित पवार ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''हम भगवान हनुमान से प्रार्थना करने के बाद आधिकारिक तौर पर अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू कर रहे हैं। यह चुनाव पारिवारिक रिश्तों को लेकर नहीं है। यह लोकसभा चुनाव पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी के बीच का मुकाबला है।''

इससे पहले, सुप्रिया सुले ने शुक्रवार को अपने पिता, राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार और पवार परिवार के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में हनुमान मंदिर में पूजा करके अपना चुनाव अभियान शुरू किया। अजित पवार ने कहा, ''कल, पवार परिवार के सभी सदस्य शरद पवार साहब के बगल में बैठे थे। उन्होंने यह दिखाने का प्रयास किया कि पूरा परिवार एकजुट है। उनमें से एक व्यक्ति ने यह दावा किया कि शरद पवार ने बारामती में सभी विकास कार्यकिए। उस स्थिति में, मैंने पिछले 30 वर्षों में क्या किया है?''

राकांपा महायुति गठबंधन का एक घटक दल है, जिसमें शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी शामिल हैं।जबकि राकांपा (एसपी), शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने एकजुट होकर महा विकास आघाडी (एमवीए) नामक गठबंधन बनाया है। शरद पवार परिवार के गढ़ माने जाने वाले बारामती में सात मई को मतदान होगा।

अशोक चव्हाण को जेल भेजने का वादा कब पूरा होगा, कांग्रेस ने पीएम मोदी से पूछा

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप का उल्लेख कर कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि क्या वह चव्हाण को जेल भेजने का अपना 10 साल पुराना वादा पूरा कब करने वाले है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, शनिवार को प्रधानमंत्री नांदेड़ और परभणी में सभा को संबोधित करने जा रहे हैं। उनसे हमारे सवाल हैं। क्या प्रधानमंत्री भाजपा के राज्यसभा सदस्य चव्हाण को जेल में डालने का अपना वादा निभाएंगे? मराठवाड़ा में सूखे और पानी की कमी से निपटने के लिए भाजपा के पास क्या योजना है? नांदेड़ मंडल में भारतीय रेलवे इतनी खराब स्थिति में क्यों है? उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को 30 मार्च, 2014 को नांदेड़ में दिए गए अपने भाषण के शब्दों को याद करना चाहिए। तब उन्होंने तब के कांग्रेस नेता चव्हाण पर तीखा हमला बोला था, जो अब भाजपा वाशिंग मशीन योजना के नए लाभार्थी हैं। प्रधानमंत्री ने चव्हाण को आदर्श उम्मीदवार बताकर कहा था कि अगर वे प्रधानमंत्री बने, तब चव्हाण को छह महीने के भीतर जेल भेज दूंगा। चव्हाण का नाम महाराष्ट्र के बहुचर्चित आदर्श सोसाइटी घोटाले में आया था।

कांग्रेस नेता रमेश ने सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री मोदी भाजपा को भी बेशर्म मानते हैं? क्या वह चव्हाण को जल्द ही क्लीन चिट दिलाने की तैयारी कर रहे हैं। क्या वे भाजपा के राज्यसभा सदस्य चव्हाण को जेल में डालने का अपना वादा पूरा करने वाले हैं।

कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र के कुछ इलाकों के सूखाग्रस्त होने को लेकर भी प्रधानमंत्री से सवाल किए। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीने से सूखे की स्थिति से जूझने के बाद मराठवाड़ा क्षेत्र अब बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की चपेट में आ गया है।

सिसोदिया की जमानत अर्जी का विरोध कर सीबीआई ने कहा, वे घोटाले के मास्टरमांइड, कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की अर्जी पर सुनवाई हुई। सीबीआई ने सिसोदिया की जमानत अर्जी का पुरजोर विरोध करते हुए उन्हें घोटाले का मास्टरमाइंड और किंगपिन करार दिया। जांच एजेंसी की दलीलों को सुनने के बाद ट्रायल कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अब अदालत 30 अप्रैल को फैसला सुनाएगी। दिल्ली की निरस्त आबकारी नीति मामले में सिसोदिया महीनों से जेल में बंद हैं।

सिसोदिया ने लोकसभा चुनाव में प्रचार में शामिल होने की मांग करते हुए ट्रायल कोर्ट में अंतरिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। सिसोदिया के वकील ने कहा कि अब अदालत नियमित जमानत पर फैसला सुरक्षित कर चुकी है, इसकारण अंतरिम जमानत की याचिका वापस ले रहे हैं। दूसरी ओर, सीबीआई ने सिसौदिया की नियमित जमानत अर्जी का विरोध कर कहा कि उन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए। सीबीआई ने उन्हें शराब घोटाले का मास्टरमाइंड बताया। सिसोदिया फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। सीबीआई ने कहा कि सिसोदिया घोटाले के किंगपिन हैं, इसलिए इन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए। जांच एजेंसी ने दलील दी कि जमानत दी गई तब सिसोदिया सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। सीबीआई ने कहा कि सिसोदिया किंगपिन हैं, वह मास?टरमाइंड हैं। फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है।

हम जेल से नहीं डरते, हमें जांच और जेल से धमकाने की कोशिश मत कीजिए

-केरल के सीएम पिनाराई विजयन का राहुल गांधी के बयान पर पलटवार

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि ऐसा क्यों है कि ईडी ने उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी नहीं की। इससे एक दिन पहले, राहुल ने विजयन पर निशाना साधते हुए कहा था कि जब वह भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं तो केरल के सीएम विजयन उन पर हमले क्यों कर रहे हैं। राहुल ने यह भी कहा था कि ईडी ने उनसे 55 घंटे तक पूछताछ की थी, उनकी लोकसभा सदस्यता और घर भी छीन लिया और वर्तमान में विपक्ष के दो मुख्यमंत्री जेल में बंद है, लेकिन केरल के सीएम विजयन के साथ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कोझिकोड की एक चुनावी जनसभा में राहुल गांधी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान उनको और वामपंथी नेताओं को जेल में डाल दिया था। विजयन ने कहा आपकी दादी ने हममें से ज्यादातर लोगों को डेढ़ साल से अधिक समय तक जेल में रखा था। विजयन ने कहा हमने पूछताछ और जेल जाने का अनुभव किया है और देखा है। हम जेल से नहीं डरते हैं। इसलिए हमें जांच और जेल से धमकाने की कोशिश मत कीजिए।

विजयन ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का हवाला देते हुए तंज कसा कि हम वामपंथी नेता अशोक चव्हाण की तरह रोने वाले नहीं हैं और यह नहीं कहते हैं कि हम जेल नहीं जा सकते। उन्होंने प्रियंका गांधी पर भी हमला बोला और उनके पति रॉबर्ट वाद्रा और एक रियल एस्टेट कंपनी से संबंधित चुनावी बॉण्ड के मुद्दे का उल्लेख किया। विजयन ने कहा कि प्रियंका गांधी के पति के खिलाफ आरोप और मामले थे, लेकिन कंपनी द्वारा 2019-2022 के दौरान भाजपा को चुनावी बॉण्ड के रूप में 170 करोड़ रुपये दिए जाने के बाद वे खत्म हो गए। राहुल गांधी और राज्य के 17 यूडीएफ सांसदों पर तीखा हमला करते हुए विजयन ने कहा कि उनमें से किसी ने भी संसद में केरल के अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठाई।

अश्लीलता में बच्चों के इस्तेमाल पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अश्लील सामग्री के निर्माण में बच्चों के उपयोग पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने चिंता जाहिर की है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाले गैर सरकारी संगठनों (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस ऑफ फरीदाबाद और नयी दिल्ली स्थित बचपन बचाओ आंदोलन) की अपील पर फैसला सुरक्षित रखते हुए ये टिप्पणियां कीं। दोनों संगठन बच्चों के कल्याण के लिए काम करते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ क अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हो सकता है कि एक बच्चे का अश्लील सामग्री देखना अपराध नहीं हो, लेकिन अश्लील सामग्रियों के निर्माण में बच्चों का इस्तेमाल किया जाना अपराध हो सकता है और यह गंभीर चिंता का विषय है।' मद्रास उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि केवल बाल अश्लील सामग्री डाउनलोड करना और देखना बच्चों का यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कानून के तहत अपराध नहीं है।

शीर्ष अदालत ने बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को मामले में हस्तक्षेप करने और 22 अप्रैल तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने की अनुमति दी। सीजेआई ने कहा, 'बहस पूरी हो गई और फैसला सुरक्षित रख लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को भयावह करार दिया था, जिसमें कहा गया है कि बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) को केवल डाउनलोड करना और उसे देखना पॉक्सो अधिनियम और आईटी कानून के तहत अपराध नहीं है। हाईकोर्ट के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनाई करने के लिए भी उच्च न्यायालय राजी हो गया था।

हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को 28 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द भी कर दी थी, जिस पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री डाउनलोड करने का आरोप लगाया गया था। दो संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का ने उच्च न्यायालय के फैसले से असहमति जताई और पॉक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों का हवाला दिया। पीठ ने कहा कि यदि किसी को इनबॉक्स में ऐसी सामग्री मिलती है तो संबंधित कानून के तहत जांच से बचने के लिए उसे हटा देना होगा या नष्ट कर देना होगा। पीठ ने कहा कि अगर कोई बाल अश्लील सामग्री को नष्ट न करके सूचना प्रौद्योगिकी प्रावधानों का उल्लंघन करना जारी रखता है तो यह एक अपराध है। कथित क्लिप 14 जून 2019 को उसके पास आई थी। उच्च न्यायालय ने आरोपी को बरी कर दिया था और आरोपी के वकील ने कहा कि सामग्री उसके

व्हाट्सऐप पर ऑटोमेटिकली डाउनलोड हो गई थी। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि आजकल के बच्चे अश्लील सामग्रियां देखने की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं और समाज को वैसे बच्चों को दंडित करने के बजाय शिक्षित करने को लेकर पर्याप्त परिपक्वता दिखानी चाहिए। अदालत ने 28 वर्षीय एस हरीश के खिलाफ कार्यवाही भी निरस्त कर दी थी, जिस पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री डाउनलोड करने का आरोप था। अदालत ने कहा था कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 ऐसी सामग्री को केवल देखने को अपराध नहीं बनाता है।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का भारत दौरा टला

- भारत में हो सकता है टेस्ला का प्रवेश

नई दिल्ली ।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का भारत दौरा फिलहाल टल गया है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी दी गई है। बता दें कि मस्क 21 से 22 अप्रैल दो दिनों के लिए भारत के दौरे पर आने वाले थे। इस दौरान वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करने वाले थे। इस मुलाकात को लेकर मस्क ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके लिखा था कि के कि वे पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्साहित हैं। वहीं मस्क के भारत दौरे को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि इस दौरे में भारत में टेस्ला का प्रवेश, निवेश और एक नई फैक्ट्री खोलने को लेकर कोई बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं। ऐसा अनुमान था कि इस दौरे के बाद से उपग्रह आधारित मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवा स्टारलिंक को देश में शुरू करने के एजेंडे को भी आगे बढ़ा सकते हैं। स्टारलिंक दुनिया के 70 देशों में पहले से ही सेवाएं दे रही है। कंपनी ने जीएमसीएस लाइसेंस के लिए नवंबर 2022 में आवेदन किया था लेकिन अभी तक उसे सरकार से हरी झंडी नहीं मिली है। मस्क के लिए यह उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा है। 2021 में मस्क

ने देश में शोरूम खोलने और टेस्ला की कारें आयात कर देश में बेचने की योजना बनाई थी। इसके लिए टेस्ला ने बेंगलूरु में टेस्ला इंडिया मोटर्स ऐंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई बनाई थी। इसे सरकार से कंपनी की दो कारों मॉडल 3 और मॉडल वाई के लिए होमोलॉगेशन प्रमाण पत्र भी मिल गया था। होमोलॉगेशन प्रमाणपत्र का मतलब है कि उक्त कारें भारत की सड़कों पर चलने के लिए उपयुक्त हैं।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट

- पाकिस्तान के भी हालात ठीक नहीं

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 793 अंक टूट गया था। इसका असर देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दिखा है। बीते 12 अप्रेल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 5.401 बिलियन डॉलर ` गिरकर 643.162 बिलियन डॉलर का ही रह गया है। इससे पहले, पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी हालात कुछ ठीक नहीं हैं। बीते 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। यह ऑल टाइम हाई है। इससे पहले अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में भी कमी हुई है। बीते 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां में 6.513 बिलियन की कमी हुई है। इन दिनों भारतीय रिजर्व बैंक सोने का स्टॉक बढ़ा रहा है। तभी 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह गोल्ड रिजर्व में 124 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना सोने का भंडार 55.798 बिलियन हो गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में भी कमी हुई है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है। हालात ऐसे हैं कि वहां काम की चीजें मंगाने लायक भी विदेशी मुद्रा का भंडार नहीं बचा है। इसलिए बेहद संभल कर आयात करना पड़ता है। बीते 12 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 48 मिलियन डॉलर घट गया। इससे पहले बीते 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के भंडार में बढ़ोतरी हुई थी। अब वहां 13.37 अरब डॉलर का ही विदेशी मुद्रा भंडार रह गया है।

देश के कुछ राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली ।

इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से वै श्विक बाजार में कच्चे तेल में तेजी का रुख जारी है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 90.20 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बंद हुआ।

हालांकि क्रूड में आई इस तेजी का पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 20 अप्रैल के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को जारी कर दिया है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में ईंधन की कीमतों में इजाफा हुआ है जबकि असम, बिहार, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक समेत अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.94 रुपये और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 106.06 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है।

विप्रो के 6 हजार कर्मचारियों की संख्या घटी

नई दिल्ली ।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी विप्रो के कर्मचारियों की संख्या मार्च तिमाही में 6,180 घट गई। आंकड़ों पर नजर डालें तो यह लगातार छठवीं तिमाही है, जब विप्रो के कर्मचारियों की संख्या में गिरावट देखी गई है। ये ऐसा समय जब है जब इस सेक्टर की कंपनियां कर्मचारियों के यूटिलाइजेशन को बेहतर बनाने और एट्रिशन रेट को कम करने पर फोकस कर रही हैं। विप्रो का एट्रिशन रेट तिमाही आधार पर 14.2 फीसदी के सपाट रहा। बता दें कि कर्मचारियों के खुद से नौकरी छोड़ने यानी रिजाइन करने की दर को एट्रिशन रेट कहते हैं। इससे पहले इंफोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी दूसरी बड़ी आईटी कंपनियों में यही दौर देखने को मिला था। टीसीएस में भी कर्मचारियों की संख्या में वित्त वर्ष 2024 में कमी आई थी, कंपनी के 13,249 कर्मचारी घटे थे। वहीं इंफोसिस के कर्मचारियों की संख्या में 25,994 की गिरावट आई। ये साल विप्रो के लिए चुनौती भरा रहा है। साल 2023 में कंपनी के टॉप मैनेजमेंट के करीब 10 फीसदी से अधिक कर्मचारियों ने नौकरियां छोड़ीं। इसमें कंपनी के चीफ ग्रोथ ऑफिसर स्टेफनी ट्रौटमैन, चीफ फाइनेंस ऑफिसर जतिन दलाल, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर संजीव सिंह, अमेरिका-2 बिजनेस के चीफ बिजनेस ऑफिसर नितिन वी जगनमोहन आदि शामिल हैं। यहां तक इसके सीईओ थिएरी डेलापोर्टे ने भी हाल ही में कंपनी से अचनाक इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया।

बजाज समूह करेगा बजाज ऑटो क्रेडिट में 2 हजार करोड़ का निवेश

मुंबई ।

देश के अग्रणी कॉरपोरेट समूहों में शुमार बजाज ग्रुप की बजाज ऑटो ने अपनी इकाई बजाज ऑटो क्रेडिट में 2 हजार करोड़ से अधिक का निवेश की घोषणा की है। बजाज ऑटो को ऑटो सेक्टर में लोन देने वाली अपनी ईकाई बजाज ऑटो क्रेडिट में 2250 करोड़ रुपये निवेश करने की मंजूरी मिल गई है। एक्सचेंज फाइलिंग में बताया गया है कि बजाज ऑटो के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से निवेश की मंजूरी मिली है। बता दें, बजाज ऑटो क्रेडिट, बजाज ऑटो के पूर्ण मालिकाना हक वाली ईकाई है। बजाज ऑटो क्रेडिट, बजाज ऑटो और इसकी सब्सिडियरीज की गाड़ियों को खरीदने के लिए ग्राहकों को लोन की सुविधा मुहैया करती है। कंपनी की वित्तीय सेहत की बात करें, तब वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इसका टर्नओवर 16.65 करोड़ रुपये था। वहीं इसकी नेटवर्थ 258 करोड़ रुपये है। वहीं बजाज ऑटो जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ साल-दर-साल 35.1 प्रतिशत बढ़कर 1,936 करोड़ हो गया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन का श्रेय बढ़ी हुई मात्रा, उच्च-मार्जिन वाले उत्पादों की अधिक हिस्सेदारी, जैसे फैक्टर्स को जाता है। बजाज

ऑटो के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक उछलकर 9,129 प्रति शेयर के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। इस वर्ष अब तक स्टॉक की कीमत 33 प्रतिशत से अधिक और पिछले 30 सत्रों में लगभग 7 प्रतिशत बढ़ी है।

सिप्ला पर 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना

मुंबई ।

दवा कंपनी सिप्ला ने कहा कि उत्पाद शुल्क से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर अमान्य क्रेडिट (ट्रांजिशनल) का दावा करने के लिए जीएसटी प्राधिकरण ने उस पर 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सिप्ला ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मुंबई, महाराष्ट्र के प्रधान आयुक्त से 1,83,17,388 रुपए का जुर्माना लगाने का आदेश मिला है। यह आदेश केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और महाराष्ट्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया। यह आदेश जारी करते हुए जीएसटी प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2017-18 में उत्पाद शुल्क व्यवस्था से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर संक्रमणकालीन यानी ट्रांजिशनल क्रेडिट का दावा किया है, जो मान्य नहीं था। प्राधिकरण ने जुर्माने के साथ इसकी वसूली का आदेश दिया। सिप्ला ने कहा कि तथ्यों के आकलन और प्रचलित कानून के आधार पर वह इस संबंध में अपीलीय प्राधिकार के पास अपील दायर करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि उक्त आदेश के कारण उसकी वित्तीय स्थिति या परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री ने ओपेक महासचिव से की बात, कच्चे तेल की कीमतों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ओपेक महासचिव हैथम अल-घैस के साथ बातचीत के दौरान कच्चा तेल बाजार में स्थिरता और समुचित कीमत के महत्व पर जोर दिया। पुरी ने चर्चा के दौरान कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में, भारत वैश्विक ऊर्जा बाजारों में संतुलन हासिल करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ओपेक के लिए दूसरा सबसे बड़ा आयातक है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत ने ओपेक देशों से 120 अरब डॉलर के कच्चे तेल, एलपीजी, एलएनजी और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया। इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ मिसाइल हमला शुरू करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तीन डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई, जिससे भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई, जिससे कच्चे तेल के शिपमेंट में बाधा आ सकती है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल हो गई। अमेरिका का वेस्ट टेक्सास लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। अमेरिकी भंडार बढ़ने और धीमी अर्थव्यवस्था के कारण चीनी मांग में गिरावट के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई थी। चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, वैश्विक तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से देश आयात खर्च बढ़ सकता है और विदेशी मुद्रा के बड़े व्यय के कारण रुपया कमजोर हो सकता है।

आईफोन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में हिस्सेदारी खरीद सकता है टाटा समूह

नई दिल्ली । टाटा समूह भारत में आईफोन का मैन्युफैक्चरिंग करने वाली पेगाट्रॉन कॉरपोरेशन पेगाट्रॉन के साथ डील कर सकता है। जानकारी के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि ये डील मई महीने में फाइनल हो सकती है। अगर ये डील होती है तो माना जा रहा है कि एपल इंक और टाटा ग्रुप के बीच के संबंध और मजबूत होंगे। एपल का हैंडसेंट एसेंबल करने वाली इस ताइवानी कंपनी में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने का प्रोसेस अंतिम चरण में हैं। बता दें कि आईफोन का प्रोडक्शन प्लांट चेन्नई के पास है, जबकि एक और प्लांट लगाने के लिए काम चल रहा है। सूत्रों के मुता बिक इस डील के बाद पेगाट्रॉन टाटा ग्रुप को मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में मदद कर सकती है। डील पूरी होने के बाद टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड पेगाट्रॉन के ऑपरेशंस को चलाएगी। बता दें कि इससे पहले भी दोनों इकाइयों के बीच बातचीत की खबरें आई थीं। वहीं इस ताजा खबर को लेकर टाटा ग्रुप और पेगाट्रॉन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

घरेलू शेयर बाजारों में पूरे हफ्ते गिरावट बनी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में युद्ध की आशंका ही हावी रही। ईरान और इजरायल के तनाव के बीच बाजार में गिरावट देखने को मिली। एफआईआईएस ने जोरदार बिकवाली की, जिससे दुनिया भर के बाजारों में गिरावट नजर आई। घरेलू शेयर बाजारों में पूरे हफ्ते गिरावट बनी रही। बीते सप्ताह बुधवार को रामनवमी पर्व के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच में से केवल चार दिन ही घरेलू शेयर बाजार में कारोबार हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में भारी बिकवाली दिख रही है। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेसेक्स और निफ्टी फिसल गए हैं। बीएसई का सेंसेक्स 757.55 अंकों की गिरावट के साथ 73,487.35 पर खुला और 845.12 अंकों की गिरावट के साथ 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 242.61 टूटकर 22,276.80 के स्तर पर खुला और 246.91 अंक टूटकर 22,272.50 पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार में एक बार फिर कमजोर शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 346.34 अंकों की कमजोरी के साथ 73,071.29 पर खुला और 461.78 अंकों की बढ़त के साथ 72,938.00 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 93.35 अंक फिसलकर 22,179.15 पर खुला और 124.60 अंक फिसलकर 22,147.90 पर बंद

हुआ। गुरुवार को बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। सेंसेक्स 14.50 अंक फिसलकर 72,924.01 पर खुला और 454.69 अंकों की गिरावट के साथ 72,488.99 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी 18.35 अंकों की बढ़त के साथ 22,166.25 पर खुला और -152.06 अंक टूटकर 21,995.85 पर बंद हुआ। लगातार पांचवें दिन प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। शुक्रवार को सेंसेक्स करीब 600 अंक फिसलकर 72,000 पर खुला और 599.34 अंकों की बढ़त के साथ 73,088.33 पर बंद हुआ। निफ्टी करीब 150 अंक टूटकर 21800 पर खुला और 151.16 अंक मजबूत होकर 22,147.00 पर बंद हुआ।

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटैल को बोर्ड से मिली डिमर्जर की मंजूरी

मुंबई । आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के निदेशक मंडल ने मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल कारोबार को अलग करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि उसकी योजना कंपनी के अलग होने के 12 महीनों के भीतर 2,500 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने की है। बयान के अनुसार एबीएफआरएल के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई बैठक में आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड (एबीएलबीएल) के अलग होने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। विभाजित होने की प्रक्रिया पूरी होने पर एबीएलबीएल अलग से सूचीबद्ध होगी। एबीएफआरएल ने कहा कि इस प्रक्रिया को एनसीएलटी व्यवस्था योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा और इसके पूरा होने पर एबीएफआरएल के सभी शेयरधारकों के पास दोनों कंपनियों में समान शेयरधारिता होगी। कंपनी ने बयान में कहा कि प्रक्रिया के पूरा होने के 12 महीनों के भीतर एबीएफआरएल ने अपने बहीखाते को मजबूत करने और शेष इकाइयों की वृद्धि को जरूरी कोष उपलब्ध कराने के लिए 2,500 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने की योजना बनाई है। मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल व्यवसाय में चार फास्ट फैशन ब्रांड लुई फिलिप, वैन ह्यूसेन, एलन सोली और पीटर इंग्लैंड के साथ-साथ अमेरिकन ईगल और फॉरएवर 21 जैसे कैजुअल वियर ब्रांड शामिल हैं। इसके पास स्पोर्ट्सवियर ब्रांड रीबॉक और वैन ह्यूसेन के तहत इनरवियर व्यवसाय के लिए एक ब्रांड लाइसेंस भी है, जिसे एक अलग सूचीबद्ध इकाई में विभाजित किया जाएगा।

नारायण मूर्ति का 5 महीने का पोता बना करोड़पति

- डिविडेंड के रूप में मिलेंगे 4.2 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के पांच महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को हाल ही में उनके दादा ने उन्हें 15 लाख शेयर तोहफ़े में दिए थे। अब इन शेयरों ने एकाग्र को करोड़पति बना दिया है। दरअसल, इंफोसिस कंपनी ने हाल ही में 28 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बंपर अंतिम और स्पेशल डिविडेंड की घोषणा की है। यानी कि एकाग्र को इन शेयरों से कुल मिलाकर 4.20 करोड़ रुपये का फायदा होगा। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी रकम हासिल करने के चलते एकाग्र भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी का सबसे कम उम्र का करोड़पति शेयरधारक बन गया है। गौरतलब है कि जब नारायण मूर्ति ने अपने पोते को 15 लाख शेयर गिफ्ट किए थे तब उनकी कीमत 240 करोड़ रुपये थी। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024 के लिए शेयरधारकों को डिविडेंड देने की सिफारिश की है। डिविडेंड दो भागों में दिया जाएगा 20 रुपये प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड और अतिरिक्त 8 रुपये प्रति शेयर का विशेष डिविडेंड। इस तरह कुल मिलाकर, इंफोसिस के शेयरधारकों को प्रति शेयर 28 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। गौरतलब है कि यह कंपनी की पहले से घोषित पूंजी आवंटन नीति के तहत किया

जा रहा है, जिसके अनुसार कंपनी अपने फ्री कैश फ्लो का 85 फीसदी हिस्सा शेयरधारकों को लौटाने का वादा करती है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 31 मई, 2024 को आयोजित की जाएगी और लाभांश का भुगतान 1 जुलाई, 2024 को किया जाएगा। इस घोषणा से एनआर नारायण मूर्ति के पांच महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को 4.2 करोड़ रुपये मिलेंगे। एकाग्र इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के तीसरे पोते हैं। उनके माता-पिता रोहन मूर्ति और अपर्णा कृष्णन हैं।

दुबई में भारी बारिश से भारतीय विमानन कंपनियों का परिचालन प्रभावित

नई दिल्ली । दुबई में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से वहां हवाई अड्डे पर व्यवधान आने के बाद भारतीय विमानन कंपनियों का परिचालन प्रभावित हुआ है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट ने दुबई हवाई अड्डे पर प्रतिबंध के कारण या तो अपनी सेवाएं रद्द कर दी हैं या उनका समय बदल दिया है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), विशेषकर दुबई के बीच व्यस्त हवाई यातायात है। दुबई हवाई अड्डा दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। जहां एयर इंडिया ने हवाई अड्डे पर परिचालन संबंधी व्यवधानों का हवाला देते हुए दुबई से अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दीं, वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो ने अपनी कुछ उड़ानें निरस्त कर दी हैं। सूत्रों ने बताया कि दुबई हवाईअड्डे ने एक नोटोम जारी किया है, जिसमें गैर-यूएई संचालकों द्वारा उड़ानों के संचालन को 21 अप्रैल की सुबह तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अनुसार 24 घंटे में दो से अधिक उड़ान वाले गैर-यूएई संचालकों को दी गई समयावधि के दौरान परिचालन में 50 प्रतिशत की कटौती करने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि नोटोम के बाद भारतीय वाहकों का उड़ान संचालन बाधित हो गया है और वे अपनी सेवाओं को रद्द और पुनर्निर्धारित कर रहे हैं। इस कदम से एयरलाइंस का परिचालन खर्च बढ़ेगा।

सनड्रीम नोएडा परियोजना में 250 करोड़ का करेगी निवेश

नोएडा । रियल एस्टेट कंपनी सनड्रीम ग्रुप ने कहा कि वह वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी नोएडा स्थित परियोजना एंथुरियम बिजनेस पार्क में 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी सेक्टर 73 स्थित इस परियोजना के पहले चरण में 250 करोड़ रुपये का निवेश कर चुकी है। एक बयान के मुताबिक ताजा निवेश पहले चरण के निवेश के अतिरिक्त है और अब दूसरे चरण का निर्माण शुरू हो गया है। कंपनी ने बताया कि परियोजना की कुल अनुमानित लागत 522 करोड़ रुपये है। सनड्रीम ग्रुप के एक वरिष्ठ अधिकारी

पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस दोनों की जीत की राह पर लौटने उतरेगी आज

मुंबई (एजेंसी)। लगातार हार के बाद अंकतालिका में नीचे खिसकी चुकी पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस रविवार को जब आमने सामने होंगी। तब दोनों का इरादा जीत की राह पर लौटने का होगा। पूर्व चैम्पियन गुजरात टाइटंस पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हारने के बाद आठवें स्थान पर आ चुका है। और चार मैचों में यह उसकी तीसरी हार थी। पंजाब किंग्स नौवें स्थान पर है जिसे मुंबई इंडियंस ने नौ रन से हराया। सात मैचों में पांच हार और दो जीत से टीम का आत्मविश्वास डिगा हुआ है, लेकिन विरोधी टीम का भी वहीं हाल है। पंजाब को प्रभारी कप्तान शिखर धवन की कमी खल रही है और उनका रविवार के मैच में खेल पाना निश्चित नहीं है। नकी जगह सैम कुरेन कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे हैं। धवन ने पांच मैचोंमें 125.61 की औसत से 152 रन ही बनाए है, लेकिन उनकी मैदान पर मौजूदगी जीतने का तरीका भूल चुकी टीम के लिये टॉनिक का काम करती।

पिछली बार आठवें स्थान पर रही पंजाब के लिये इस बार भी कुछ बदलता नजर नहीं आ रहा। प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन और रिली रोसोयू जैसे उसके बल्लेबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके। शशांक और आशुतोष ने हालांकि निचले क्रम पर बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। गुजरात ने अभी तक तीन मैच जीते और चार हारे हैं। दिल्ली के खिलाफ शर्मनाक प्रदर्शन को भुलाकर गुजरात को नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। कप्तान शुभमन गिल, साइ सुदर्शन, डेविड मिलर और राशिद खान जैसे सितारों की मौजूदगी के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी की कमी खल रही है जबकि उमेश यादव काफी महंगे साबित हुए हैं।

टीम

गुजरात टाइटंस– शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुथार।

पंजाब किंग्स– शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व टाइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयू।

ऋषभ को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में देखना चाहते हैं ब्रॉड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जरुर शामिल किया जाना चाहिए। ब्रॉड के अनुसार आईपीएल में विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और शिवम दुबे के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए इन्हें भी टीम में जगह के लिए दावेदार माना जा रहा है पर उनका मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ की बात अलग है।

ब्रॉड ने कहा, भारतीय टीम के लिए चयन काफी कठिन होने वाला है। अभी भी कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जिनपर फैसला लेना है। ऋषभ ऐसे खिलाड़ी हैं जिनको लेकर बहुत बात हो रही है।

ब्रॉड ने आगे कहा, वह लंबे समय से खेल से दूर थे इसके बाद भी वह बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग काफी अच्छी कर रहे हैं। वह कप्तान है, विकेटकीपर है. वह तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सकता है। मैं उन्हें कुछ मैचों में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में भी देखना चाहूंगा पर जिस प्रकार से उसने केकेआर के खिलाफ खेला उससे लगा कि इस खिलाड़ी को विश्वकप में खेलना चाहिए। उनकी मैच को लेकर समझ शानदार है और वह एक मैच विजेता हैं। अगर मैं चयनकर्ता होता तो मैं उनको विश्व कप दल में जरुर रखता। ऋषभ ने कार हादसे से उबरकर वापसी करते हुए अपनी पहले वाली लय हासिल की है। उसे सत्र में जबरदस्त बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की है। इस बल्लेबाज ने 33 टेस्ट में 43.67 के औसत से 2271, 30 एकदिवसीय में 34.60 के औसत से 865 और 66 टी20 में 22.43 के औसत से 987 रन अब तक बाये हैं। ये ऐसा बल्लेबाज है जो सभी प्रारुपों में तेज शॉट खेलने में सक्षम है।

धोनी जब मैदान में उतरते हैं गेंदबाज दवाब में आ जाते हैं

–मैदान पर फैंस का शोर भी अतिरिक्त दबाव बनाता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को खेले गए मैच में चेन्नई के खिलाफ लखनऊ ने जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 6 विकेट पर 176 रन का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे लखनऊ ने कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डि कॉक की शानदार बल्लेबाजी के दम 19वें ओवर में ही 2 विकेट खोकर लखनऊ ने जीत हासिल की। मैच खत्म होने के बाद लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने महेंद्र सिंह धोनी की बल्लेबाजी को लेकर बयान दिया। महेंद्र सिंह धोनी ने लखनऊ मैच में भी दमदार पारी खेली. 9 बॉल पर 3 चौके और 2 छक्के लगाकर 28 रन बनाए।

केएल राहुल ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी जब मैदान में उतरते हैं उनका खौफ गेंदबाजों के अंदर होता है। केएल ने बताया कि जैस ही धोनी मैदान के अंदर आए तो हमारे गेंदबाज दबाव में दिखने लगे। धोनी के अंदर ऐसा कुछ है जो विरोधी गेंदबाजों पर हावी हो जाता है। जब धोनी बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनके फैंस का जैसा शोर होता है उससे ही गेंदबाजों पर अतिरिक्त दबाव बन जाता है। चेन्नई की टीम को खाते में 15 से 20 रन तो इसी वजह से ही जुड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के मुकाबले में मुझे पता था कि चेन्नई टीम के स्पिनर हम पर दबाव बनाएंगे। मैंने उन गेंदबाजों का चयन कर रखा था जिनके खिलाफ आक्रमण करना है और यह काम भी किया। क्विंटन डि कॉक ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और बन नहीं आने दिया। इससे हम दोनों का ही काम आसान हो गया।

कमजोर गेंदबाजी के दम पर केकेआर से आज टक्कर लेगी आरसीबी

मुंबई (एजेंसी)। लगातार हार झेली रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बखूबी पता है कि अब किसी गलती की गुजाइंश नहीं है। लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरसीबी को हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लगातार हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता दिख रहा है।

आईपीएल 2024 में पांच हार के बाद आरसीबी अंकतालिका में सबसे नीचे है, और प्लेआफ की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कोहली की टीम को बाकी सातों मैच जीतना होगा। आरसीबी की कमजोर कड़ी उसके गेंदबाज साबित हुए हैं और टीम पूरी तरह से विराट कोहली, फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी पर निर्भर है। इसके बाद केकेआर की चुनौती उसके लिये काफी कठिन होगी। कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा था, गेंदबाजी में हमारी तरकश में ज्यादा तीर नहीं है। इसकारण सारा दबाव बल्लेबाजों पर आता है। हम सिर्फ बड़े स्कोर बनाकर ही मैच जीत सकते हैं।''

सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ ही टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 287 रन बनाया था। इस सत्र में सबसे महंगे 11 करोड़ 50 लाख रूपये में खरीदे गए अलजारी जोसफ ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और 11.89 की इकॉनॉमी रेट से रन दिए। आस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल भी फॉर्म के लिये जूझ रहे हैं, जिन्होंने मानसिक थकान का हवाला देकर सनराइजर्स के खिलाफ नहीं खेला। उनके कूल्हे की मांसपेशी में खिंचाव के कारण वह कुछ और मैचों में बाहर रह सकते हैं।

बल्लेबाजी में टीम कोहली, डुप्लेसी और कार्तिक पर ही निर्भर है। कोहली 72.20 की औसत से 361 रन बना चुके हैं, लेकिन 135 का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है। वह सातवें से 15वें ओवर के बीच स्पिनरों के सामने तेजी से रन नहीं बना पा रहे। कार्तिक ने 205 से अधिक की औसत से 226 रन बनाए हैं। सनराइजर्स के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 35 गेंद में 83 रन बना डाले थे। इन तीनों का सामना अब सुनील नारायण, मिचेल स्टार्क और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों

टीम

कोलकाता नाइट राइडर्स– श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर – फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

केकेआर ने आरसीबी की तुलना में एक मैच कम खेला है और उसकी नजरें जीत की राह पर आने की है। नारायण ने सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं बल्कि बल्लेबाजी में शानदार खेल खेला हैं। उन्होंने रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में पहला टी20 शतक जमाया। उनका स्ट्राइक रेट भी 187 के करीब रहा है। फिल साल्ट ने 151 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। उनके पास रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज भी हैं।

मेजर क्रिकेट लीग में खेलेंगे मैक्सवेल

मुम्बई ।ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जुलाई में अमेरिका में होने वाली मेजर क्रिकेट लीग में खेलते हुए दिखेंगे।मैक्सवेल आईपीएल 2024 सत्र के बीच में ही शारीरिक और मानसिक थकान का हवाला देकर इससे अलग हो गये हैं।वह इस आईपीएल सत्र में गेंद और बल्ले से विफल रहे थे। मैक्सवेल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 11 करोड़ की मोटी रकम देकर खरीदा था।इसके बाद भी मैक्सवेल को मेजर लीग टीम वॉशिंगटन फ्रीडम ने अपनी टीम में शामिल किया है।ये लीग टी20 विश्व कप के बाद अमेरिका में खेली जाएगी।वॉशिंगटन फ्रीडम टीम में ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ भी खेलेंगेहैं।वहीं, टीम के कोच रिकी पोंटिंग होंगे।ये लीग 4 जुलाई से शुरू होगी।ये इस लीग का दूसरा सीजन होगा।वहीं आईपीएल से ब्रेक को लेकर मैक्सवेल ने कहा, मुझे कुछ दिन आराम की जरूरत पड़ेगी।मैं यहां पर अब भी हूं और यही ट्रेनिंग करूंगा।मैं अपने प्रदर्शन को बेहतर करने का प्रयास करुंगा।अगर मेरे लिए जगह होगी तो मैं जरूर उपलब्ध रहूंगा।मैं खेल से कुद समय बाहर रहने के बाद वापसी के प्रयास करुंगा।मैक्सवेल का प्रदर्शन इस आईपीएल सत्र में अच्छा नहीं रहा है।उन्होंने 6 पारियों में केवल 32 रन बनाए हैं।इस दौरान उनका औसत 5.33 का रहा है जबकि पिछले साल मैक्सवेल ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था।मैक्सवेल ने पिछले साल 14 मैचों में 400 रन बनाए थे।उन्होंने 5 अर्धशतक लगाए थे।

पूरन को डाक्टरों ने दी थी क्रिकेट छोड़ने की सलाह

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस पूरन आईपीएल में इस बार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।पूरन ने लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेलते हुए कई अच्छी पारियां खेली हैं।इसके साथ ही जरुरत पड़ने पर टीम की कप्तानी भी की है।पूरन ने वेस्टइंडीज की ओर से लंबे समय तक खेला है पर एक समय ऐसा भी था जब एक हादसे में उनके दोनो ही पैरों में फ्रैक्चर हो गया था।इसके बाद उन्हें डॉक्टरों ने खेल छोड़ने को कहा था।ये वाकया साल 2015 का है तब पूरन 19 साल के थे।पैर फ्रैक्चर होने के कारण वह करीब 18 महीने तक मैदान से दूर रहे थे।ऐसे कठिन समय पर गर्लफ्रेंड एलिसा ने उनका हौंसला बढ़ाया। एलिसा के सहयोग से पूरन का मनोबल बढ़ा और वह ठीक होने लगे। पूरन ने खुलासा सोशल मीडिया में किया था।पूरन ने साल 2020 में एलिसा से शादी की।इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ने लगा।इस सत्र में पूरन ने लखनऊ की ओर से अच्छा प्रदर्शन करते हुए 6 मैचों में 223 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 74 नाबाद रहा है।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मैच 2 गेंद बाद ही खत्म

– दोनों देशों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है

रावलपिंडी (एजेंसी)। टी20 विश्व कप पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही हैं। न्यूजीलैंड के टॉप खिलाड़ी इस समय भारत में आईपीएल खेल रहे हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज का पहला मैच सिर्फ 2 गेंद में ही खत्म हो गया। मुकाबले को पूरा नहीं कराया जा सका जिसके बाद दूसरे मैच को लेकर भी लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम बाबर आजम के नेतृत्व में खेलने उतरी है। दोनों देशों के बीच रावलपिंडी में तीन मुकाबले खेले जाना है। सीरीज के आखिरी दो मैच लाहौर में खेले जाएंगे। रावलपिंडी में टी20 सीरीज का पहला मैच होना था लेकिन फैंस को निराशा हाथ लगी। बारिश की वजह से मुकाबले में सिर्फ 2 गेंद ही डाली जा सकी। अब दूसरे मुकाबले में मौसम कैसा रहेगा सबकी नजरें इस पर टिकी हैं।

रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला होगा। यह मैच 20 अप्रैल शनिवार को भारतीय समय के मुताबिक रात 8 बजे से शुरू होगा। यहां सुबह बारिश की आशंका जताई गई है लेकिन मैच के समय आसमान साफ रहेगा। पूर्वानुमान के मुताबिक बरसात की आशंका नही है। बता दें पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी थी। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में महज 2 गेंद ही फेंकी जा सकीं। पहला ओवर शाहीन शाह अफरीदी करने आए और दूसरी बॉल पर ही विकेट चटका दिया। टॉम रॉबिन्सन बिना खाता खोले बोल्ड होकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद बारिश के कारण आगे मैच नहीं खेला जा सका और इसे रद्द कर दिया गया।

लड़कियों को खेलों में बढावा दें, वे चेहरे पर मुस्कान लायेंगी : सचिन तेंदुलकर

रांची।चैम्पियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अभिभावकों से लड़कियों को खेलों में उतरने के लिये प्रोत्साहित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे उनके चेहरों पर मुस्कुराहटें लायेंगी।तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि यहां युवा फाउंडेशन की फुटबॉल खिलाड़ी लड़कियों की हौसलाअफजाई के लिये आये हैं।युवा और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन मिलकर लड़कियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते हैं।तेंदुलकर और अंजलि ने फुटबॉल खिलाड़ियों से बात भी की।तेंदुलकर ने कहा,'' बच्चों की ऊर्जा संक्रामक होती है।मैने उन्हें कड़ी मेहनत करते और खेल का मजा लेते देखा तो मुझे अपना बचपन याद आ गया।'' उन्होंने कहा,'' मैं कई बच्चों से प्रेरणा लेता हूं क्योंकि उनके लिये यह सफर आसान नहीं था।उनके जीवन में भी कई दुश्वारियां हैं।कई बार उनका फुटबॉल खेलना माता पिता को पसंद नहीं आता।मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि बच्चों को प्रोत्साहित करें।ये बच्चे उनके चेहरे पर मुस्कान लायेंगे।

सीएसके और लखनऊ दोनों की अंकतालिका में कायम

मुंबई ।लखनऊ सुपर जाइंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज की।सीएसके की हार के बाद भी टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर कायम है, जबकि केएल राहुल की टीम भी पांचवें स्थान पर बनी हुई है।सीएसके और लखनऊ दोनों ने 7-7 मैच खेलकर 3 में हार और 4 में जीत दर्ज करते हुए 8 अंक हासिल किए हैं।लेकिन नेट रन रेट के कारण दोनों टीमें अंक तालिका में अलग-अलग स्थान पर हैं।सीएसके को हार से तालिका में भले ही कोई फर्क ना पड़ा हो लेकिन उनका नेट रन रेट गिरा है, जबकि लखनऊ के नेट रन रेट में सुधार हुआ है।सीएसके का नेट रन रेट +0.726 से 0.529 पर पहुंच गया है जबकि लखनऊ का नेट रन रेट +0.038 से 0.123 हो गया है।अंक तालिका में शीर्ष पर राजस्थान रॉयल्स है, जिसने सात मैचों में छह जीत हासिल की हैं।कोलकाता नाइट राइडर्स छह मैचों में चार जीत के साथ दूसरे स्थान पर है।इसके अलावा शीर्ष चार में सनराइजर्स हैदराबाद 8 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।अंक तालिका में सबसे नीचे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने अपने अभियान के बीच में केवल एक मैच जीता है। राजस्थान, केकेआर, सीएसके और हैदराबाद चार टीमें हैं जो वर्तमान में शीर्ष चार में हैं। शीर्ष चार टीमें आईपीएल 2024 प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगी।शीर्ष दो टीमें पहले क्वालीफायर में खेलेंगी और विजेता सीधे फाइनल में पहुंचेगा।एलिमिनेटर उन टीमों के बीच खेला जाएगा जो आईपीएल 2024 स्टैंडिंग में तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। एलिमिनेटर का विजेता क्वालीफायर 1 की हारने वाली टीम से भिड़ेगा।क्वालीफायर 2 का विजेता फाइनल में प्रवेश करेगा जो 26 मई को होगा।

लखनऊ-चेन्नई कप्तानों पर बीसीसीआई ने लगाया 12 लाख का जुर्माना

– केएल राहुल और रितुराज गायकवाड़ को मिली गलती की सजा

लखनऊ,(ईएमएस)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को आईपीएल 2024 का 34वां मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला गया इसमें लखनऊ ने चेन्नई पर आसान जीत हासिल की।इस मैच में कुछ ऐसा हुआ कि बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तानों पर तगड़ा जुर्माना लगाया है। लखनऊ-चेन्नई ने मैच में दर्शकों को खूब आनंद आया है दोंनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से स्टेडियम में मौजूद अपने फैन्स को खुश कर दिया लेकिन वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) नाराज हो गया। बीसीसीआई के नाराज होने की वजह थी दोनों टीमों की ओर से स्लो ओवर डालना। जिसके चलते बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तानों केएल राहुल और चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर स्लो ओवर रेट के चलते 12 लाख का जुर्माना ठोका है।आईपीएल की आचार संहिता के तहत दोनों कप्तानों की टीमों का सीजन का पहला अपराध था।इसलिए उन पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है।केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर भी स्लो ओवर रेट के चलते इस सीजन जुर्माना लग चुका है।लखनऊ सुपर जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 176 रन बनाए।चेन्नई की तरफ से सर्वाधिक 57 रन रविंद्र जडेजा ने बनाए।उनके अलावा एमएस धोनी ने 311 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 9 गेंद में नाबाद 28 रन ठोके।अजिंक्य रहाणे ने भी 36 रन की अच्छी पारी खेली।लखनऊ की तरफ से सर्वाधिक 2 विकेट क्रुणाल पंड्या ने लिए।मोहसिन खान, यश ठाकुर, रवि बिश्नोई और मार्कस स्टोयनिस को एक-एक विकेट लेने में सफलता हासिल की।177 रन का टारगेट को पूरा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स ने बड़ी आसानी के साथ 19 ओवर में 8 विकेट रहते चेज कर लिया।लखनऊ के लिए कप्तान राहुल और डि कॉक ने मैच विनिंग पारी खेली। केएल राहुल ने 9 चौके और 3 छक्के की मदद से 53 गेंद में 82 रन बनाए।वहीं डि कॉक ने 43 बॉल में 54 रन की पारी खेली।पूरन ने भी 23 रन की नाबाद पारी खेली।चेन्नई की ओर से मथीषा पथिराना औप मुस्ताफिजुर रहमान को 1-1 सफलता मिली।इस पूरे मैच में दोनों टीमों की ओर से स्लो ओवर डाले गए जिससे बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तान पर फाइन लगाया है।

इंडिय के लिए खेलने का सपना नहीं छोड़ा, टी20 विश्व कप खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हूं: कार्तिक

कोलकाता (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भारत के लिए फिर से खेलने के अपने सपने को नहीं छोड़ा है और टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने के लिए वह वो सबकुछ करेंगे जो वह कर सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप तक कार्तिक 39 साल के हो जायेंगे।

वह 2022 में आस्ट्रेलिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के अंतिम चरण का भी हिस्सा थे जो भारतीय टीम के लिए उनका अंतिम टूर्नामेंट था। तब से वह क्रिकेट विशेषज्ञ बन गये हैं और कमेंट्री भी करने लगे हैं। आईपीएल के इस सत्र में वापसी करते हुए वह अपनी बल्लेबाजी को नये स्तर तक ले गये हैं और 205 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में वह विराट कोहली (361) और कप्तान फाफ डुप्लेसी (232) के बाद 226 रन से टीम के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर उन्होंने कहा, ''अपने जीवन के इस पड़ाव में मेरे लिए भारत का प्रतिनिधित्व करना शानदार अहसास होगा। मैं ऐसा करने के लिए बेताब हूं। इस टी20 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के अलावा मेरी जिंदगी में इससे बड़ा कुछ नहीं होगा। '' कार्तिक भी दावेदार के रूप में सामने आ रहे हैं तो विकेटकीपर के स्थान के लिए काफी प्रतिस्पर्धा होगी जिसमें भारतीय टीम ज्यादा से ज्यादा दो खिलाड़ियों को चुन सकती है।

कार दुर्घटना के बाद वापसी करने वाले ऋषभ पंत ने भी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते हुए सकारात्मक जज्बा दिखाया है। संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), ईशान किशन (मुंबई इंडियंस), केएल राहुल (लखनऊ सुपर जायंट्स) भी विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में शामिल हैं। कार्तिक ने कहा कि कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर 'बिग थ्री' जो भी फैसला करेंगे, वह उसका सम्मान करेंगे।

उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि तीन बहुत ही बेहतरीन लोग राहुल द्रविड़, रोहित शर्मा और अजीत अगरकर हैं जो फैसला करेंगे कि विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ भारतीय टीम क्या होनी चाहिये।'' कार्तिक ने कहा, ''और मैं पूरी तरह से उनके साथ हूं। मैं उनके किसी भी फैसले का सम्मान करता हूं। लेकिन मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं शत प्रतिशत तैयार हूं और मैं विश्व कप के लिए टीम में शामिल होने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा।

ओक्सियो बना रही सेल्फ-ड्राइविंग कॉन्सेप्ट कार

बर्लिन । ओक्सियो कंपनी एक ऐसी फ्यूचरिस्टिक कार पर काम कर रही है, जिसका नाम स्विफ्ट पॉड है। यह एक सेल्फ-ड्राइविंग कॉन्सेप्ट कार है। इस कार को यात्रियों के रिलैक्स करने और रेस्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस दौरान ये कार लंबी दूरी खुद से तय करेगी। स्विफ्ट पॉड एक कमाल की ट्रांसपोर्ट कार है जो पैसेंजर्स के सोते समय रात भर चल सकेगी। ये कार पहियों पर चलते-फिरते होटल रूम जैसा होगा। 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली इस कार के होटल रूम में दो बेड भी होंगे। कार के डिज़ाइन में एक शानदार लो-सीटिंग केबिन है, जो तीन जायंट व्हील्स से जुड़ा हुआ होगा। इसमें एक समय में दो पैसेंजर सवार हो सकेंगे। पैसेंजर्स चाहें तो सीधे बैठ सकेंगे या उनके पास सोने के लिए बिस्तर भी होगा। इसमें सवार यात्री दिए फोल्डेब डेस्क का भी इस्तेमाल कर सकेंगे। इस डेस्क का इस्तेमाल पैसेंजर्स काम करे के लिए या खाने के लिए डाइनिंग टेबल के तौर पर कर पाएंगे। वहीं, लगेज रखने के लिए पैसेंजर्स व्हीकल में मौजूद बेड और सीट्स के नीचे की खाली जगह को यूज़ कर सकेंगे। कार के डिजाइनर का कहना है कि उन्होंने और उनकी टीम ने ऑटोनॉमस ट्रांसपोर्ट की एक ऐसा सिस्टम क्रिएट करने के लिए अथक प्रयास किया जो रात भर की ट्रेन या फ्लाइट ट्रैवल की जगह ले सके। रिपोर्ट्स में ये भी पता चला है कि इस कार का नाम उस पक्षी से प्रेरित है जो सोते समय उड़ सकती है।

अमेरिका नाइजर से 1,000 सैनिकों को वापस बुलाएगा

वाशिंगटन । अमेरिका आने वाले महीनों में नाइजर से 1,000 अमेरिकी सैन्य कर्मियों को वापस बुलाएगा। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका की बाइडेन सरकार ने अपनी योजना के बारे में नाइजर की सरकार को सूचित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, विदेश विभाग के उप सचिव कर्ट कैंपबेल ने दिन में नाइजर के प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सरकार की मांग को स्वीकार कर लिया। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह कदम पश्चिम अफ्रीका में अमेरिका के आतंकवाद विरोधी रुख में बदलाव लाएगा। पिछले महीने, नाइजर सेना के प्रवक्ता ने कहा कि देश की संक्रमणकालीन सरकार, जिसने पिछले जुलाई में तख्तापलट में सत्ता संभाली थी, ने नाइजर के लोगों के हितों का हवाला देकर तत्काल प्रभाव से सैन्य समझौते को समाप्त कर दिया। नाइजर के आंतरिक मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि नियामी द्वारा वाशिंगटन के साथ अपना सैन्य समझौता समाप्त करने के बाद अमेरिका ने देश से सैनिकों की वापसी के लिए एक योजना प्रस्तुत करने का वादा किया था। नाइजर के आंतरिक मंत्री मोहम्मद तौम्बा द्वारा अमेरिकी राजदूत कैथलीन फिट्ज़गिब्बन की मेजबानी करने के बाद सोशल मीडिया पर यह बयान प्रकाशित किया गया।

लग्जरी ब्रांड जापान में सस्ते अमेरिका में महंगे

टोक्यो । लग्जरी ब्रांड के सामान को खरीदने वाले, इन दिनों जापान जाकर लग्जरी ब्रांड के समान को खरीद रहे हैं। इटली, फ्रांस के नागरिक बड़ी संख्या में जापान पहुंच रहे हैं। वहां पर भारी भरकम डिस्काउंट के साथ लग्जरी ब्रांड आसानी से मिलते हैं। अमेरिका की तुलना में लगभग 30 फ़ीसदी तक डिस्काउंट में जापान में लग्जरी ब्रांड उपलब्ध हो जाते हैं। अमेरिका, चीन, मध्य पूर्व एशिया के देशों के नागरिक पर्यटन के लिए अब जापान को पसंद कर रहे हैं। जापान में प्रादा कंपनी के लग्जरी ब्रांड के उत्पाद 41 फ़ीसदी, लुई विन्ता के लग्जरी ब्रांड के उत्पाद 31 फीसदी तथा गुची कंपनी के उत्पादों की बिक्री जापान में 32 फ़ीसदी तक बढ़ गई है। टोक्यो के सबसे बड़े शॉपिंग जोन गिंजा की सड़कों पर ज्यादातर पर्यटक ड्यूटी फ्री कीमतों पर जापान से लग्जरी ब्रांड खरीद रहे हैं। भारतीय पर्यटकों की संख्या जापान में बड़े पैमाने पर बढ़ रही है।

भारत से जाने वाली पर्यटकों की संख्या बढ़ी

जापान के राष्ट्रीय पर्यटन संगठन की रिपोर्ट के अनुसार मार्च में 30 लाख से अधिक पर्यटक जापान पहुंचे हैं। पिछले साल की तुलना में 70 फ़ीसदी अधिक है। अकेले दक्षिण कोरिया से 6,63,000 पर्यटक जापान पहुंचे हैं। इसके बाद यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम और भारत सहित 17 अन्य देशों के पर्यटक बड़ी संख्या में जापान पहुंच रहे हैं। भारत से जापान जाने वाले पर्यटकों की संख्या भी 53 फ़ीसदी बढी है। जो भी पर्यटक जापान पहुंचते हैं उनमें से अधिकांश लग्जरी ब्रांड के समान को खरीदतें हैं।

अमेरिका में प्रतिबंधित पदार्थ बेचने पर भारतीय को पांच साल की सजा

वाशिंगटन। अमेरिका ने डार्क वेब मार्केट प्लेस पर प्रतिबंधित पदार्थ बेचने के मामले में एक भारतीय नागरिक को पांच साल की सजा सुनाई है और उससे 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर भी वसूलने का आदेश दिया है। जानकारी के अनुसार डार्क वेब इंटरनेट का वह हिस्सा है, जहां आम सर्च इंजन नहीं पहुंच पाता यहां पहुचने के लिए एक विशेष वेब ब्राउजर का इस्तेमाल किया जाता है । हल्द्वानी के बनमीत सिंह को अप्रैल 2019 में लंदन में गिरफ्तार किया गया था। उसे मार्च 2023 में अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। बनमीत ने प्रतिबंधित पदार्थों को बचने और धनशोधन की साजिश के आरोपों को कुबूल भी कर लिया था। प्रतिबंधित पदार्थ आम तौर पर ऐसी दवा या रसायन होता है जिसका बनाने और इस्तेमाल को सरकार द्वारा नियंत्रित किया जाता है। अदालती दस्तावेजों और अदालत में दिए गए बयानों के अनुसार, बनमीत ने फेंटेनाइल, एलएसडी, एक्स्टसी, जैनैक्स, केटामाइन और ट्रामाडोल जैसे नियंत्रित पदार्थ बेचने के लिए सिल्क रोड, अल्फा बे, हंसा समेत कई अन्य डार्क वेब मार्केटप्लेस पर विक्रेता विपणन साइट बनाईं। ग्राहकों ने इन साइट का उपयोग करके बनमीत सिंह से ऑर्डर की गई दवाओं के लिए क्रिप्टोकरेंसी के से राशि का भुगतान किया। इसके बाद बनमीत ने व्यक्तिगत रूप से अमेरिका मेल या अन्य शिपिंग सेवाओं के जरिए यूरोप से अमेरिका तक दवाओं की खेप पहुंचाने की व्यवस्था की। एक अधिकारी ने बताया कि इस काम के जरिए बनमीत ने करीब 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर कमाए थे। बनमीत की गिरफ्तारी के बाद अदालत ने जुर्म साबित होने के बाद पांच साल की सजा सुनाई है और जुर्माना भी लगाया है।

इमरान का आरोप, बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिलाकर खाना दे रहे

-बुशरा ने सीने में जलन और पेट दर्द की शिकायत की

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इन दिनों संकट में घिरे हैं। हाल ही में उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार किया गया था। वे खुद पहले से ही जेल में बंद है। इमरान ने पाकिस्तान की एक अदालत को बताया है कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिलाकर खाना दे रहे है। उन्होंने दावा किया इस कारण बुशरा के पेट में रोजाना जलन होती है। पाकिस्तान में कई मामलों में दोषी ठहराए गए क्रिकेटर से नेता बने इमरान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई के दौरान यह आरोप लगाया। इमरान ने न्यायाधीश नासिर जावेद राणा को बताया कि अदालत कक्ष में अतिरिक्त दीवारें खड़ी की गई हैं, जिससे यह एक बंद अदालत जैसा प्रतीत होता है। इमरान ने कहा कि शौकत खानम अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ असीम यूसुफ ने शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में बुशरा बीबी के स्वास्थ्य परीक्षण कराने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा, जेल प्रशासन पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) अस्पताल में परीक्षण करने पर अड़ा हुआ था। बाद में अदालत ने डॉ. यूसुफ को इमरान खान और बुशरा बीबी की मेडिकल जांच करने का आदेश दिया।

रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु, रूस के ओम्स्क क्षेत्र में टैंक और बख्तरबंद वाहनों के लिए उत्पादन सुविधा का निरीक्षण करते हुए।

अब इराक पर मिसाइल हमला, दो सैन्य अड्डे तबाह

बगदाद। इराक के सैन्य अड्डों पर आज जबरदस्त हवाई हमले हुए हैं। ये हमले बगदाद के दक्षिण में बाबिल प्रांत में आधी रात को एक अज्ञात विमान द्वारा किए गए, जिसमें दो इराकी सैन्य ठिकानों पर बमबारी की गई। हवाई हमले ड्रोन के जरिए किए गए और दो ठिकानों को निशाना बनाया गया।

जानकारी के अनुसार, ये हमले इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज की ओर से इस्तेमाल किए गए सैन्य अड्डे पर हुए। इन हमलों में तीन लोग घायल भी हुए हैं। इराक पर हमले को लेकर अमेरिका और इजरायल दोनों ने इनकार किया है। दोनों देशों ने कहा कि इसमें उनका कोई हाथ नहीं है। इससे पहले अमेरिका ने ही ऐन-अल-असद हवाई अड्डे पर एक हमले को नाकाम किया था। यहां अमेरिका और अन्य देशों के सैन्य बल मौजूद हैं। बता दें कि पीएमएफ एक ईरान समर्थित संगठन है, जिसमें एक लाख से ज्यादा लड़ाके हैं। सीरिया पर इसी संगठन ने कई बार हमले किए हैं और ये अमेरिका और इजरायल को भी कई बार धमकियां दे चुका है। सूत्रों के अनुसार, इराकी अर्धसैनिक हश्द शाबी बल बाबिल प्रांत के उत्तरी भाग में ये हमला हुआ। हमले में दों सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें में एक हश्द शाबी बलों का गोला-बारूद का गोदाम तबाह हो गया और दूसरा हमला टैंक मुख्यालय पर हुआ। रिपोर्ट के हवाले से सूत्र ने कहा कि बगदाद से लगभग 30 किमी दक्षिण-पूर्व में मडेन इलाके में विस्फोटों की आवाज सुनी गई, लेकिन विस्फोटों के बारे में पुख्ता जानकारी अभी नहीं है।

कनाडा और चीन के बीच अब किस बात को लेकर बढ़ गई टेंशन, राजदूत ने 5 साल बाद पद छोड़ा

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा में चीन के राजदूत कांग पेइवु ने लगभग पांच साल बाद अपना पद छोड़ दिया। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा के एक प्रतिनिधि के अनुसार, कांग पेइवु चीन लौट आए हैं। हालांकि, सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ओटावा में चीनी दूतावास ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। पेइवु ने 2019 से कनाडा में चीन के राजदूत के रूप में कार्य किया और उनके बाहर निकलने की खबर सबसे पहले कई समाचार आउटलेट्स द्वारा दी गई थी। चीनी राजनयिक की विदाई ऐसे समय हुई जब दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध रसातल में चले गए।

चीन-कनाडा संबंधों में कैसे खटास आई

तनावपूर्ण घटनाक्रमों की एक श्रृंखला ने चीन और कनाडा के बीच संबंधों को खराब करने में योगदान दिया। इसमें 2018 के अंत से 2021 के अंत तक कनाडाई नागरिकों माइकल स्पावर और माइकल कोवरिग को हिरासत में लेने का बीजिंग का निर्णय शामिल था। उनकी गिरफ्तारी को अमेरिकी प्रत्यर्पण वारंट पर हुआवेई के मुख्य वित्तीय अधिकारी मेंग वानझोउ की वैंकूवर गिरफ्तारी के प्रतिशोध के रूप में देखा गया था। हाल ही में, कनाडा के चुनावों में चीन द्वारा संभावित हस्तक्षेप के बारे में चिंताएँ बढ़ गई हैं। पिछले हफ्ते कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस मामले पर गवाही दी थी। अपनी गवाही के दौरान,

उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि चीन कनाडा में 2019 और 2021 के संघीय चुनावों के नतीजे को प्रभावित करने में सफल रहा।

कनाडा चीन के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा है

इस बीच, विदेश मंत्री मेलानी जोली के कार्यालय ने पुष्टि की है कि उनके उप मंत्री डेविड मॉरिसन दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने के लिए चीन में हैं। हालाँकि, ग्लोबल अफेयर्स कनाडा ने अभी तक उनकी यात्रा के लिए कोई यात्रा कार्यक्रम जारी नहीं किया है। इस साल जनवरी में दोनों देशों ने एक-दूसरे के साथ संवाद और सहयोग करने का वचन देते हुए बयान दिए हैं। बातचीत के दौरान जोली ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कई भू-राजनीतिक मुद्दों पर बात की।

अब युद्ध में दिखेंगे कई बदलाव: अमेरिकी वायु सेना ने एआई विमान से एफ-16 को हराया

वाशिंगटन (एजेंसी)। वाशिंगटन(ईएमएस)। दशकों से बिना इंसान के हवा से हवा में युद्ध की कल्पना की जाती रही है, लेकिन अब यह सपना हकीकत बन गया है। 2023 में, अमेरिकी वायु सेना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक्स-62ए विमान का इस्तेमाल कर एआई से लैस विमान को असल में उड़ रहे एफ-16 लड़ाकू जेट से हवाई लड़ाई में भिड़ाया और जीत हासिल की। पिछले साल किए गए एक परीक्षण में, एआई से लैस विमान (एक्स-62ए विस्टा) ने असल में उड़ रहे एफ-16 लड़ाकू जेट को हवाई लड़ाई में हरा दिया। यह पहली बार है जब किसी एआई विमान ने मानव पायलट वाले विमान को युद्धाभ्यास में मात दी है। इस उपलब्धि को एयरोस्पेस मशीन लर्निंग में एक बड़ी छलांग के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी वायु सेना टेस्ट पायलट स्कूल और डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी को इस सफलता का श्रेय दिया गया है। यह परीक्षण एयर कॉम्बैट इवोल्यूशन कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसमें बाद में भी इसी तरह की कई हवाई लड़ाइयां हुईं और एआई विमान ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया।

चौंकाने वाली बात ये है कि एक्स-62ए एसीई टीम ने मात्र एक साल से भी कम समय में ये कारनामा कर दिखाया। उन्होंने न सिर्फ एक्स-62ए विमान में एआई को शामिल किया बल्कि असल हवाई युद्ध का अभ्यास कराया, जिसे डॉगफाइट के नाम से जाना जाता है। हालांकि परीक्षण की तारीख का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन यह कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स एयर फ़ोर्स बेस में हुआ था।एक्स-62ए विमान को सुरक्षा पायलटों के साथ उड़ाया जाता है जो जरूरत पड़ने पर एआई को बंद कर सकते हैं। हालांकि, इस परीक्षण के दौरान ऐसा करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं पड़ी। रिलीज के अनुसार, मानवयुक्त एफ-16 के साथ हवाई लड़ाई के दौरान किसी भी समय सुरक्षा पायलटों को दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी। अमेरिकी वायु सेना के परीक्षण पायलट बिल ग्रे इस परीक्षण से काफी उत्साहित हैं। हालांकि उनका मानना है कि यह सिर्फ शुरुआत है। ग्रे का कहना है कि इस परीक्षण से मिली सीख न सिर्फ हवाई युद्ध में बल्कि किसी भी ऐसे कार्य में लागू की जा सकती है जिसे हम किसी ऑटोनोमस प्रणाली को सौंपना चाहें। उनका कहना है कि मशीन लर्निंग के क्षेत्र में मिली सफलताएं आगे भी जारी रहेंगी।

किम जोंग ने फिर किया क्रूज और विमान रोधी मिसाइल का परीक्षण

-कोरियाई प्रायद्वीप में बढ़ते तनाव के चलते उत्तर कोरिया बढ़ा रहा हथियारों का जखीरा

पियोंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया आए दिन मिसाइलों का परीक्षण करता रहता है। ऐसा करके वह अपने विरोध दक्षिण कोरिया और अमेरिका को यह संदेश देता रहता है कि वह किसी भी तरह से कमजोर नहीं है। वहीं शनिवार को उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी तटीय इलाके में सबसे बड़े क्रूज मिसाइल मुखास्त्र और एक विमानरोधी मिसाइल का परीक्षण किया है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते तनाव के बीच उत्तर कोरिया तेजी से अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ा रहा है और हाल में उसने कई मिसाइल परीक्षण भी किए हैं।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया की खबर में कहा गया है कि शुक्रवार को 'ह्वासल-1 रा-3' रणनीतिक क्रूज मिसाइल के लिए तैयार मुखास्त्र का 'शक्ति परीक्षण' किया साथ ही 'प्योलजी-1-2' विमानरोधी मिसाइल का परीक्षण किया गया। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार समिति द्वारा जारी की गई तस्वीरों से साफ नजर आ रहा है कि लॉन्चर ट्रक से दो मिसाइलें दागी जा रही हैं। खबर में यह भी कहा गया कि शुक्रवार को किया यह परीक्षण उत्तर कोरिया की सैन्य विकास गतिविधियों का हिस्सा थे और इसका आसपास के हालात से कोई लेना देना नहीं है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते तनाव के बीच कोरियाई प्रायद्वीप पर कुछ सालों में काफी तनाव बढ़ा है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग हथियारों के जखीरे को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और किम जोंग का कहना है कि इस जखीरे में कुछ ऐसी मिसाइलें भी हैं जो अमेरिकी और प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम हैं। उत्तर कोरिया की तैयारियों के बीच अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने भी अपने संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण का विस्तार किया है।

इजराइली पीएम के खिलाफ आईसीसी जारी कर सकता है गिरफ्तारी वारंट

-गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप, जर्मनी-ब्रिटेन से मदद मांगी

येरुशलम (एजेंसी)। इजराइल-हमास युद्ध के बीच गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, कई राजनेताओं और सैन्य नेताओं के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है।

इजराइल को हमास के खिलाफ युद्ध के बीच डर सताने लगा है कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल को सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली थी कि आईसीसी आने वाले समय में वारंट जारी करने पर विचार कर रही है। इसके बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस में कई विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर तत्काल बैठक की थी। इस बैठक में वारंट को टालने के प्रयासों पर चर्चा हुई थी।

इजराइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में इस बात पर सहमति बनी थी कि इजराइल गिरफ्तारी वारंट टालने के लिए आईसीसी और अन्य राष्ट्रों के विदेश डिप्लोमैटिक अधिकारियों से बातचीत करेगा। इसके अलावा, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने

ब्रिटेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से इस मामले में मदद भी मांगी है। नेतन्याहू के मंत्रियों को डर है कि गाजा में मानवीय संकट को देखते हुए यह वारंट जारी हो सकता है। फरवरी में हमास की कैद से रिहा हुए कुछ इजराइलियों ने आईसीसी में हमास के युद्ध अपराध के खिलाफ शिकायत की थी। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के चीफ प्रॉसीक्यूटर करीम खान पिछले साल दिसंबर में इजराइल दौरे पर आए थे। इस दौरान करीम उन क्षेत्रों में भी गए थे, जहां हमास ने हमला किया था। करीम खान ने कहा था कि इजराइल में हमास की क्रूरता के सबूत मौजूद हैं। अब हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू करना उनका कर्तव्य है।

1 जुलाई 2002 को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट यानी आईसीसी की शुरुआत हुई थी। ये संस्था दुनियाभर में होने वाले वॉर क्राइम, नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच करती है। ये संस्था 1998 के रोम समझौते पर तैयार किए नियमों के आधार पर कार्रवाई करती है। आईसीसी का मुख्यालय द हेग में है। ब्रिटेन, कनाडा, जापान समेत 123 देश रोम समझौते के तहत इसके के सदस्य हैं। आईसीसी ने यूक्रेन में बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोपों के आधार पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। आईसीसी के वारंट के लिए देशों को गिरफ्तारी करने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ता। इसकी वजह यह है कि हर संप्रभु देश अपने आंतरिक और विदेशी नीतियों के लिए स्वतंत्र होते हैं। आईसीसी भी हर देश की संप्रभुता का सम्मान करती है। अपने 20 साल के इतिहास में आईसीसी ने मार्च 2012 में पहला फैसला सुनाया था। ये फैसला डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के उग्रवादी नेता थॉमस लुबांगा के खिलाफ सुनाया था। जंग में बच्चों को भेजे जाने के आरोप में उसके खिलाफ केस चलाया गया था। इस आरोप में लुबांगा को 14 साल के लिए जेल की सजा सुनाई गई थी।

अंतरिक्ष को लेकर चीन की साजिश पर नासा प्रमुख का बयान, दुनिया में मच गई हलचल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन का जब भी जिक्र आता है, पूरी दुनिया शक की निगाह से देखती है। लेकिन इस बार अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चीन को लेकर ऐसा दावा किया है कि पूरी दुनिया में खलबली मच गई है। नासा प्रमुख बिल नेल्सन का कहना है कि चीन अंतरिक्ष में गुप्त सैन्य परियोजनाओं को छिपा रहा है, ताकि वे चंद्रमा पर अपना दावा कर सके। चीन हमेशा कहता रहा है कि अंतरिक्ष में उसकी गतविधियां पूरी तरह वैज्ञानिक हैं। उसका मकसद किसी भी तरह से अतिक्रमण करने का नहीं है। लेकिन बिल के दावे से पूरी दुनिया में सनसनी मच गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नासा प्रमुख ने बताया कि चीन के इरादे कुछ और ही हैं। हमें लगता है कि चीन अंतरिक्ष में एक सैन्य कार्यक्रम चला रहे हैं। इसकी जानकारी वे दुनिया से छुपा रहे हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में चीन ने असाधारण प्रगति की है, लेकिन उसके ज्यादातर कार्यक्रम गोपनीय रहे हैं, जिसके बारे में वह दुनिया को नहीं बताता है। अमेरिका और चीन दोनों चंद्रमा पर स्थायी अड्डे बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके तहत मार्च में चीन के वैज्ञानिकों ने डिज्नीलैंड के आकार का चंद्र बेस बनाने का ऐलान किया था।

नेल्सन ने कहा, हम एक रेस में है। 2030 तक चांद पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। हम वहां जल्द पहुंचना चाहते हैं। आर्टेमिस 3 सितंबर 2026 में लांच किया जाएगा। दरअसल, अमेरिका चांद को लेकर हमेशा चिंतित रहता है। वह चीन को अपना सबसे अहम प्रतिद्वंद्वी मानता है। लेकिन नेल्सन का दावा है कि अमेरिका चीन से काफी आगे है। नासा प्रमुख ने कहा कि अगर चीन पहले वहां अपना आधार बनाना शुरू करता है, तब वे चांद के कुछ हिस्सों पर दावा कर सकता है। नासा की ये चिंता इसकारण है, क्योंकि चीन अपना अंतरिक्ष स्टेशन 2022 में ही बना चुका है। अपने उपग्रहों की संख्या दोगुनी कर दी है। चार साल में अरबों डालर निवेश किए हैं। अमेरिकी स्पेस फोर्स के कमांडन ने चीन के ट्रैकिंग उपग्रहों को लेकर चेताया है, जिनका उपयोग सैन्य अभियानों की निगरानी के लिए किया जा सकता है। चीन विशाल जासूसी गुब्बारे और हाइपरसोनिक मिसाइलें भी विकसित कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

यूसील में जेनेरिक दवाई आपूर्ति के विरोध के बाद भी कंपनी प्रबंधन ने किया लागू

मजदूरों सघठनो ने प्रेस वार्ता के जरिए चुनाव बाद आंदोलन की दी चेतावनी

जादूगोड़ा : यूसील कर्मियों के बीच जेनेरिक दवाई आपूर्ति के यूनियन नेताओं के विरोध के बावजूद कंपनी प्रबंधन ने द्वारा जबरन इसे लागू करने के खिलाफ यूनियन नेताओं ने जादूगोड़ा यूसील अस्पताल के समक्ष आज शनिवार को विरोध जताया व विरोध में शामिल चार मजदूरों सघठनो ने संयूक्त रूप से प्रेस वार्ता कर चुनाव बाद कंपनी की तानाशाही रवैए के खिलाफ आंदोलन की बिगुल फूकने की घोषणा की है ।इस प्रेस कान्फ्रेस में चार मजदूर संगठनों की ओर से यूरेनियम कामगार यूनियन महामंत्री कैसर एजाज हाशमी,यूरेनियम मजदूर संघ महामंत्री आनंद महतो, सिंहभूम यूरेनियम मजदूर यूनियन महामंत्री रमेश माझी,जादूगोड़ा लेबर यूनियन महामंत्री सुरजीत सिंह समेत अन्य यूनियन प्रतिनिधियों मौजूद थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर द्वारा लोगों को दी कानूनी जानकारी

जादूगोड़ा: पोटका प्रखंड अंतर्गत पिछली, हेंसलबिल, पोटका, सानग्राम, मदनसाई,मुकुंदपुर,देवली,भालकी, रूगड़ीसाई,हरिना,नारदा आदि गांव में मोबाईल वैन से भ्रमण कर पोटका प्रखंड की अंतिम छोर तक पहुंच कर जागरूकता अभियान चलाया और लोगों को डालसा के द्वारा दी जा रही निशुल्क विधिक सेवा के बारे में जानकारी दी गई ।डालसा टीम में शामिल जमशदपुर के पीएलवी संजय कुमार तिवारी,जोबा रानी बास्के एवम पोटका लीगल एड क्लिनिक के पीएलवी चयन कुमार मंडल,डोबो चकिया,छाकु माझी के द्वारा जरुरतमंद ग्रामीणों के बीच जाकर विभिन्न कानूनों के बारे में जानकारी दिया ।इस दौरान समाज में फैले जैसे विभिन्न तरह की अंधविश्वास, डायन प्रथा, महिला हिंसा,बाल विवाह,बालश्रम,वरिष्ठ नागरिक के अधिकार,मानव तस्करी,किशोर कानून,साइबर क्राईम,संविधान आदि के बारे में बताया गया ।इसके अलावा अगले माह 25 तारीख को होने वाले मतदान के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया और चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे शत प्रतिशत मतदान के मुहिम को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही हरिना पंचायत अंतर्गत लव कुश इंग्लिश मीडियम स्कूल में पी एल वी के हाथों से एक संस्था ₹आमेरिकंस इंडियन फाउंडेशन₹ के द्वारा नर्सरी से ले कर कक्षा सात के बच्चों के बीच किताब,कॉपी,पेंसिल, रॉबर सॉपनर आदि दिया गया मौके पर डालसा के पी एल वी संजय कुमार तिवारी,जोबा रानी बास्के,चयन कुमार मंडल,डोबो चाकीय,छकु माझी एवम स्कूल के टीचर लव महतो मौजूद थे।

जाति प्रमाण पत्र से वंचित है पोटका प्रखंड के नापित (नाई) जाति के लोग

जादूगोड़ा: आवेदन देने के तेईस दिन पार हो जाने के बावजूद अनुमंडलाधिकारी धालभूम द्वारा कोई पहल नहीं किए जाने के कारण जाति प्रमाण पत्र से वंचित है पोटका प्रखंड के नापित (नाई) जाति के लोग, जिला उपायुक्त के समक्ष उठेगी मामला ।ज्ञात रहे पोटका प्रखंड के नापित (नाई) जाति के सदस्यों को कुछ दिनों से जाति प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रही है। उनके समस्या ये है की उनके खतियान में जाति ₹नापित₹ दर्ज है जबकि सरकार की ऑनलाइन जाति सूची में ₹नाई/हजाम₹ दर्ज है जिसके कारण पोटका सी.ओ. निकिता वाला द्वारा उक्त जाति के एक छात्र राजू प्रमाणिक, पिता - हराधन प्रमाणिक, गांव - डोमजुड़ी तथा अन्य के ऑनलाइन आवेदनों को रिजेक्ट कर दिया गया है। जबकि वर्ष - 2022 को पोटका के तत्कालीन सी.ओ.इम्तियाज अहमद द्वारा आवेदक राजू प्रमाणिक के चचेरे बहन शिवानी प्रमाणिक को ऑनलाइन जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया गया है बावजूद इसके सारी तत्थात्मक सबूतें उपलब्ध होने के बाद भी वर्तमान सी.ओ. निकिता वाला द्वारा जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने में इनकार कि गई थी जिस वजह से बीते दिनांक - 28/03/2024 को पूर्व जिला पार्षद करुणा मय मंडल के अगुआई में अनुमंडल अधिकारी, धालभूम, के समक्ष पीड़ित छात्र राजू प्रमाणिक द्वारा संबंधित समस्या की विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों के हित में समस्या की त्वरित समाधान हेतु समुचित कार्रवाई के लिए एक लिखित आवेदन दिया गया था। पर खेद की बात है की अनुमंडलाधिकारी द्वारा विद्यार्थियों की समस्या को भी नजर अंदाज कर दी गई तथा आज तक उन्हें जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं हुआ।

लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में प्रतिनियुक्त 68 सेक्टर पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में प्रतिनियुक्त 68 सेक्टर पदाधिकारियों का प्रशिक्षण शनिवार को पुराना डीआरडीए भवन स्थित अभिलाषा कक्ष में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में निर्वाचन में सेक्टर पदाधिकारियों के दायित्व, सेक्टर पदाधिकारी द्वारा पोलिंग पार्टी, रिटर्निंग ऑफिसर व जिला निर्वाचन पदाधिकारी के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में किये जाने वाले कार्य की विस्तृत जानकारी मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दी गई। सेक्टर पदाधिकारियों को बताया गया कि उनके अधीन सभी मतदान केंद्रों की गहन जानकारीके उन्हें होनी चाहिए। सेक्टर पदाधिकारियों का कार्य मतदान के पूर्व, मतदान दिवस और मतदान के उपरांत सभी समय होता है। सभी मतदान केंद्रों के पहुंच पथ की जानकारी, मतदान केंद्र में उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं की जानकारी होनी चाहिए। अगर नहीं है तो उसकी जानकारी दी जानी चाहिए। मतदाताओं निर्भीक होकर मतदान कराने में सेक्टर पदाधिकारी के कार्यों की जानकारी दी गई। मतदान दिवस के पूर्व मतदान के लिए प्रतिनियुक्त पोलिंग पार्टी, मतदान सामग्री की उपलब्धता, आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चिता जैसे कार्यों की जानकारी दी गई। मतदान के दिन किसी ईवीएम या वीवीपैट में खराबी आने पर आवश्यक कार्रवाई, समय समय पर रिटर्निंग ऑफिसर को विभिन्न रिपोर्ट भेजे जाने समेत अन्य विस्तृत जानकारी सेक्टर पदाधिकारियों को दी गई।

प्रशिक्षण में अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, मास्टर ट्रेनर्स समेत अन्य उपस्थित थे।

जय श्रीराम समिति की बैठक आज

लोहरदगा: जय श्रीराम समिति की बैठक रविवार को एसपी कोठी के समीप स्थित सुषमा सिंह के आवासीय परिसर में रात्रि 8 बजे से रखी गई है। इसकी जानकारी देते हुए संचालन समिति के ओम महतो ने बताया कि बैठक में नववर्ष विक्रम संवत के आय -व्यय का ब्यौरा सौंपा जाएगा ' बैठक में पदाधिकारिओं और सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

स्वयं सहायता समूह स्तर पर सखी मंडल की दीदियो के द्वारा स्वीप विशेष बैठक आयोजित

लोहरदगा। लोहरदगा जिला के अंतर्गत पलाश (जेएसएलपीएस) द्वारा दिनांक 20.04.2024 को कुडू, किस्को एवं कैरो प्रखंड में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत संकुल / ग्राम संगठन / स्वयं सहायता समूह स्तर पर सखी मंडल की दीदियो के द्वारा स्वीप विशेष बैठक आयोजित करके स्वीप पर शपथ लिया गया, स्वीप पुस्तिका का वितरण किया गया, मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सखी मंडल की दीदियों के द्वारा लोगों को मतदान कैसे करना है प्रयोग होने वाली उस मतदान अंगुली को एकसाथ सामूहिक रूप से वृत्ताकार प्रदर्शित भी किया गया ताकि लोगों को वोट के प्रति जागरूकता बढ़े इत्यादि माध्यम से लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया गया ।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चांपी में सम्मान समारोह का आयोजन कर टॉपर छात्रों को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। शनिवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चाँपी में सम्मान समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुडू प्रखंड प्रमुख मुन्नी देवी शामिल हुई। समारोह की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से किया गया। मैट्रिक परीक्षा के परीक्षा फल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बहनों को सम्मानित किया गया, इनमें 95.8 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बहन चंद्रकला कुमारी, 95.4 प्रतिशत अंक लाकर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली बहन श्रुति कुमारी और 94.4 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बहन हेमा कुमारी को विद्यालय सभागार में सम्मानित किया गया। प्रखंड प्रमुख मुन्नी देवी ने बहनों एवं उनके अभिभावकों को मिष्ठान खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह को संबोधित करते हुए मुन्नी देवी ने कहा की भैया बहनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्या मंदिर बड़की चाँपी का कृतिमान स्थापित किया है एवं पूरे कुडू प्रखंड और लोहरदगा जिला में विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने वर्तमान दसवीं कक्षा में अध्यनरत भैया बहनों को प्रेरणा लेने की बात कही। वहीं विद्यालय प्रबंधकारणी समिति के सचिव यदुनंदन तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी आचार्य आचार्या इसी प्रकार संयम के साथ मेहनत करते रहें, तो हमारा स्थान जिला टॉपर की श्रेणी में आ सकता है। उन्होंने भैया बहनों की सफलता का श्रेय प्रधानाचार्य और आचार्य आचार्या को देते हुए, विद्यालय को शिखर तक ले जाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य मनोहर मोदी ने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान से भैया बहनों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इसलिए नई प्रतिभाओं को दिशा निर्देश देने के साथ-साथ संसाधनों की पूर्ति में सहयोग देना आवश्यक है। समारोह का संचालन आचार्य नरेश साहू ने किया एवं इसका समापन आचार्य लाल गौरी शंकर नाथ शाहदेव द्वारा कल्याण मंत्र की स्तुति के साथ की गई। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन कार्यकारिणी समिति के संरक्षक धनंजय प्रसाद, अध्यक्ष भूषण प्रसाद, सचिव यदुनंदन तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, सदस्य कन्हैया साहू, लखन राम, पत्रकार नंदलाल तिवारी, अभिभावक वृंद, सभी आचार्य आचार्या एवं भैया बहन उपस्थित थें।

जैक 10वीं के रिजल्ट में सक्सेस कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्राओं का रहा जलवा

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। कुडू प्रखंड स्थित सक्सेस कोचिंग सेंटर के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का डंका बजाते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कुडू प्रखंड के सुंदरु में संचालित सक्सेस कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों ने एक बार पुनः जैक बोर्ड की परीक्षा में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ज्ञातव्य हो कि इस बार झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने 10 वीं कक्षा की परीक्षा परिणाम शुक्रवार को दोपहर घोषणा की है। विगत 12 वर्षों से 10 वीं में इस इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राएं अव्वल अंकों से उत्तीर्ण कर रही हैं। 10 वीं के बोर्ड परिणाम पर हर्ष व्यक्त करते हुए सक्सेस कोचिंग सेंटर के संचालक अलताफ अंसारी ने कहा कि कोचिंग परिवार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर दृढ संकल्पित है ।साथ ही साथ कहा कि हर एक बच्चा आने वाले समय के भारत का नया कलाम होगा। कोचिंग के 25 छात्रों में 13 बच्चों ने फर्स्ट डिवीजन से उत्तीर्ण हुए । कोचिंग सेंटर के सफल बच्चों नाम तक्की अकील पिता अकील अहमद (73.40%), एहतेशाम अंसारी पिता मनीरुद्दीन अंसारी (71.6%) , असगरी खातून पिता इम्तियाज अंसारी (71.40%), नाजिया खातून पिता शमीम खान (69.20%), अकरम अंसारी पिता शमसाद अंसारी (67.60%), शोएब अंसारी पिता महमूद अंसारी (66.80%), जिन्नत प्रवीण पिता अताउल्लाह अंसारी (66.20%), फजील्ला प्रवीण पिता एहसान अंसारी (66.00%), आफरीन प्रवीण पिता स्वर्गीय अफरोज अंसारी (64.60%), अफसरी खातून पिता अब्दुल रशीद (64.60%), सुफीयान अंसारी मनीरूद्दीन अंसारी (62.40%), अनवरी खातून पिता जसीम अंसारी (61.00%), सनाउल्लाह अंसारी इब्राहिम अंसारी (60.00%)......... एवं अन्य।

समीर उरांव की जीत सुनिश्चित करने को चलाया गया जनसंपर्क अभियान

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। लोकसभा संसदीय सीट से एनडीए प्रत्याशी समीर उरांव के पक्ष में आजसू पार्टी द्वारा शनिवार को बड़की चाँपी, छोटकी चाँपी ,बंदुआ सहित अन्य गांवो में जनसंपर्क अभियान चलाया गया, ग्रामीणों से जनसंपर्क करते हुए यह कहा गया की एनडीए के हाथों को मजबूत करना है और समीर उरांव को भारी बहुमत से विजयी बनाना है, क्योंकि समीर उरांव एक जुझारू नेता है बाकी अन्य उम्मीदवारों का इतिहास जनता जानती है, इसलिए ऐसे उम्मीदवार को जीता कर भेजना है जो इस लोकसभा सीट की समस्याओं को लेकर दिल्ली में आवाज उठा सके एवं कार्य करा सके. आज के इस जनसंपर्क अभियान में मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल , पूर्व केंद्रीय सचिव कवलजीत सिंह ,आजसू पार्टी जिला उपाध्यक्ष अवधेश पाठक, अनिरुद्ध महतो, बढतु महतो, नीरज अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, संजय भगत, कामेश यादव ,शंकर पासवान, प्रवीण गोयल, कबीर अंसारी, अरुण उरांव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की जादूगोड़ा यूनिट में अग्निशमन सेवा सप्ताह का हुआ समापन

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ा : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की ओर से जादूगोड़ा में आयोजित अग्निशमन सेवा सप्ताह(14 - 20 अप्रैल) का आज शनिवार को समापन हो गया इधर अंतिम दिन सी आई एस एफ की फायर विंग ने विभिन्न तरह के मॉक ड्रिल कर अपनी हुनर व क्षमता का प्रदर्शन किया ।जिस देखकर यूसील के डीजीएम (कार्मिक) राकेश कुमार ने जवानों की कार्यशैली की सराहना की व इस बेहतर टीम की संज्ञा दी। यहां बताते चले की जादूगोड़ा में यूसील की सुरक्षा में जुटी सी आई एस एफ की अग्नि विभाग की ओर से 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। उद्योग में अग्नि सुरक्षा के प्रति कर्मचारियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान स्कूली बच्चों के बीच निबंध लेखन, नारा लेखन, अग्नि सुरक्षा प्रश्नोत्तरी, अग्नि सुरक्षा पोस्टर आदि जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए व अंतिम दिन कंपनी परिसर में स्थित फायर कार्यालय में समारोह आयोजित कर प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में सभी सी आई एस एफ समेत यूसील अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया व अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के कई तरीकों को समझा। सी आई एस एफ के डिप्टी कमांडेंट रॉकी पी एस ने फायर डे के महत्व से अवगत कराया व शहीद हुए जवानों को याद किया। इस दौरान उन्होंने अग्नि दुर्घटना की सावधानी, आग लगने के कारणों अग्निशामक यंत्रों के प्रकार और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी। इस दौरान फायर टीम ने डेमो में तेल व ट्रांसफार्मर में लगी आग से बचाव अभियान के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति में कंबल और बाल्टी का उपयोग करके एलपीजी सिलेंडर पर नियंत्रण करने का डेमो भी आयोजित की गई। इस मौके पर मुख्य रूप से डिप्टी कमांडेंट ,रॉकी पी एस महाप्रबंधक मनोज कुमार, उपमहाप्रबंधक राकेश कुमार, फायर इंस्पेक्टर बलविंदर सिंह, अभिषेक कुमार समेत अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

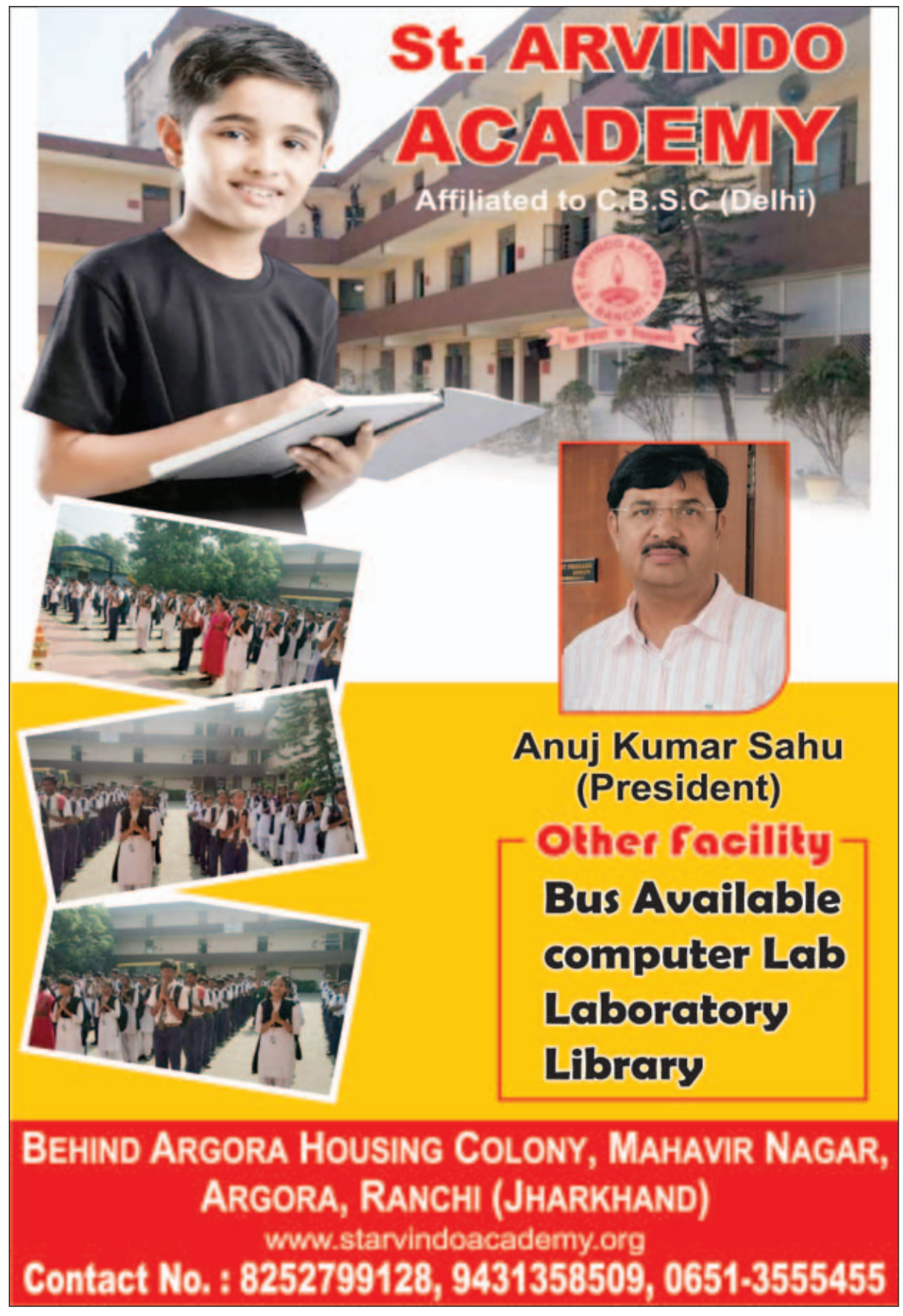

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com